जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, शनिवार 6 अगस्त, 2022

Kanoria
PG Mahila Mahavidyalaya Jaipur
(Affiliated to University of Rajasthan) NAAC Accredited
Estd. 1965

Admissions 2022-23
Apply Online
visit college website
www.kanoriacollege.in
For Counselling Visit Campus

PROGRAMMES AVAILABLE

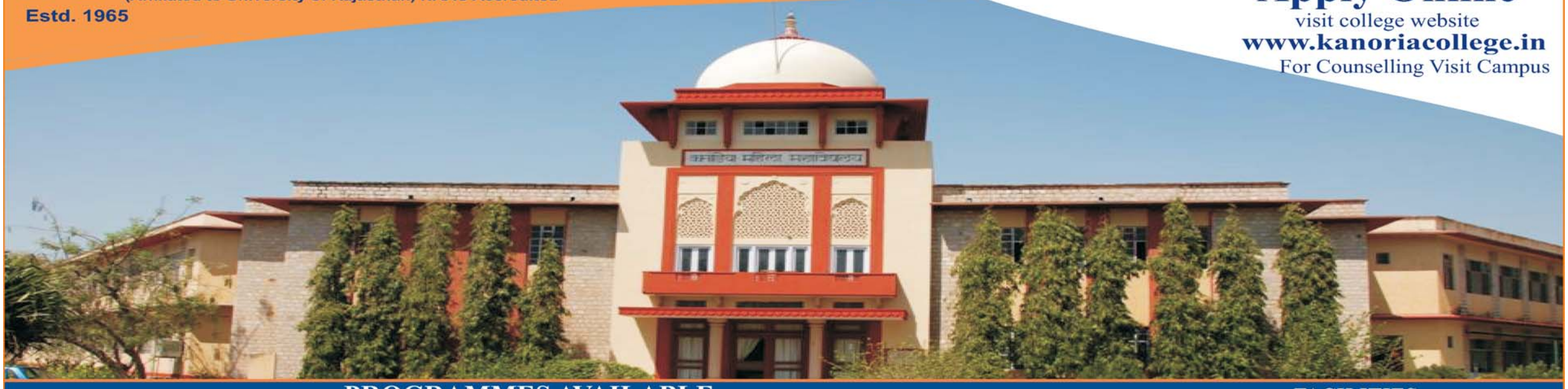

Undergraduate

Faculty of Arts
- B.A. Pass Course
- B.A. Hons.: Eng. Literature
- B.A. Hons.: Economics
- B.A. Hons.: Political Science
- B.A. Hons.: Psychology*

(*Subject to Affiliation)

Faculty of Commerce
- B.Com. Pass Course

Faculty of Science
- B.Sc. Biology
- B.Sc. Mathematics

Professional Programmes
- BBA
- BCA
- B.Sc. Biotechnology
- B.Sc. Home Science

Postgraduate (Semester Scheme)

Faculty of Arts
- M.A. Drawing & Painting
- M.A. English Literature
- M.A. Geography
- M.A. Hindi Literature
- M.A. History
- M.A. Political Science
- M.A. Psychology*

(*Subject to Affiliation)

Faculty of Commerce
- M.Com. ABST
- M.Com. Bus. Admn.
- M.Com. EAFM

Faculty of Science
- M.Sc. Botany
- M.Sc. Chemistry
- M.Sc. Geography
- M.Sc. Mathematics
- M.Sc. Physics
- M.Sc. Zoology
- M.Sc. Psychology*

(*Subject to Affiliation)

SKILL ENHANCEMENT COURSES
- Certified Accounting Technician (CAT) in collaboration with Institute of Cost Accountants of India (ICAI).
- Certificate Course in Organic Farming in collaboration with Morarka Foundation
- Certificate Course in Tally Accounting
- Certificate Course in Functional English
- Certificate Course in French/German/ Spanish Language in collaboration with IFCS
- Certificate Course in Digital Marketing
- Certificate Course in Cyber Security in collaboration with Dr CBS Security Services LLP , Jaipur
- Certificate Course in Graphic Designing
- Certificate Course in Advance Excel
- Certificate Course in Financial Planning and Investment Management
- Certificate Course in Coding (Python)
- Certificate Programme in Banking Finance and Insurance in collaboration with Bajaj Finserv
- हिन्दी भाषा कौशल
- Diploma in Art and Craft Design
- Diploma in Nutrition and Dietetics
- Diploma in Office Management
- गायन एवं वादन डिप्लोमा

FACILITIES
- College YouTube Channel
- Wi-fi Campus
- Reading Rooms other than Library
- Air-Conditioned Language Lab
- Hostel in Campus
- Sports Coaching Facility
- Swimming Pool and Gymnasium
- Two-wheeler Parking
- Eco Friendly Campus
- Cafeteria

Coaching for Entry in Service
(Bank / Teaching / SSC / SI / Railways / CAT)

Fee Exemptions / Concessions for
- Merit Position Holders
- Winners in National/ State Level Sports / Outstanding Players
- Need-Based Aid

Highlights
- Incubation Centre **NARIKA**
- Separate Section for English & Hindi Medium Students
- NSS

Campus Placements
- Zucol Group of Services
- Great Champ Technology
- Genpact
- Teleperformance
- Hyrefox Consultants Pvt. Ltd.
- Capgemini
- ICICI Bank
- Infosys
- Concentrix Daksh Service India Pvt. Ltd.

COLLABORATIONS
- USIEF Fulbright Programme
- Dutch Green Business
- Institute of Cost Accountants of India : CAT (Certified Accounting Technician)
- Internshala (Official Internship Partner of AICTE)
- Global Talent Track Foundation (GTT)
- IIT Delhi - Virtual Labs
- Anveshan Foundation - Delhi University
- Morarka Foundation
- Mother Earth Project
- BOSCH

Contact No.: +91-9057807070 For more details visit : www.kanoriacollege.in
Email : admissions@kanoriacollege.in
facebook.com/profile.php?id=100004132096541

Rajasthan School of Law for Women, Jaipur (RSLW)
(Approved by Bar Council of India and Affiliated to Dr. Bhimrao Ambedkar Law University)

Eligibility
10+2 with 50% marks
5% relaxation for SC/ST category
3% relaxation for OBC category

Kanoria PG Mahila Mahavidyalaya Campus

Seats 60

B.A.,LL.B.
(5 Year Integrated Course)
Leading Law College Exclusively for Girls

LEGAL ATTRIBUTES
- Moot Court Training
- Active Legal Aid Cell
- Workshops and Seminars
- Internship Opportunities
- Interaction with Judges, Lawyers and Academicians

DISTINCTIVE FEATURES
- Centrally located
- Hostel facility available
- Audio visual teaching aid
- Rich library with law journals
- E-journal and research facility
- Experienced and versatile faculty

Access to Language Lab for English and other foreign languages

Address : Kanoria Girls College Campus, JLN Marg, Gandhi Circle, Jaipur - 302015
Ph. No. : 7849834615 / 7849834616 / 0141-2701769
website : www.rslw.in Email : admissionrslw@gmail.com (for admission) ; rajasthanschooloflaw@gmail.com

Hostel offers State of Art Infrastructure with Amenities

- 2/4/6/8 Seater Rooms
- AC Rooms Available
- Hygienic Environment
- Activity Room
- Playgrounds
- Swimming Pool, Gym
- Healthy Atmosphere
- 24-hours Security

Giving an experience of "Home away from Home"

For Hostel Admissions Contact : 7849826045

विचार बिन्दु

अगर इंसान सुख-दुःख की चिंताओं से ऊपर उठ जाये तो आसमान की ऊँचाई भी उसके पैरों तले आ जाये। –शेख सादी

युवाओं में फैलता शराब के नशे का मकड़जाल

नशाखोरी इस सदी की सबसे बडी समस्या है जिसमें शराब का नशा प्रमुख है। आज युवा वर्ग शराब के नशे में खोता जा रहा है। शराब जैसे तन मन और परिवार को खोखला करने वाली की लत उन्हें बर्बाद कर रही है। शुरू में युवा शौक के तौर पर शराब का सेवन करता है और बाद में नशे की मांग पूरी करने के लिए तस्करी और गैर सामाजिक कार्य के कारोबार में फंस जाता है।

आजकल के बदलते लाइफस्टाइल में हमारे देश में नशा एक ऐसा अभिशाप बन कर उभर रहा है जो हमारे युवाओं को तेजी से अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। साल-दर-साल इन युवाओं की संख्या तेजी से बढ रही है। युवाओं में शराब जैसे खतरनाक नशे के बढते चलन के पीछे बदलती जीवनशैली, अकेलापन, बेरोज़गारी और आपसी कलह जैसे अनेक कारण हो सकते हैं।

युवाओं में तेजी से बढ रही शराब की लत को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ समय-समय सचेत करते रहते हैं। शराब का सेवन शरीर को गंभीर क्षति पहुंचा सकता है। युवाओं के बीच शराब का सेवन एक चलन सा चल पडा है। शराब एक नशीला पदार्थ है, जिसको एक प्रकार का अवसाद भी माना जाता है।

शोध पत्रिका 'लांसेट' में प्रकाशित एक वैश्विक अध्ययन में यह खुलासा किया गया है कि युवाओं को ज्यादा उम्र वालों की तुलना में शराब के सेवन से अधिक स्वास्थ्य जोखिम का सामना करना पडता है। भौगोलिक क्षेत्र, आयु, लिंग और वर्ष के आधार पर शराब से जुडे जोखिम के बारे में यह पहला अध्ययन है जिसमें कहा गया है कि दुनिया भर में शराब की खपत की सिफारिशें उम्र और स्थान पर आधारित होनी चाहिए। इसमें सबसे सख्त दिशा-निर्देश 15-39 साल के आयु वर्ग के पुरुषों के लिए लक्षित हों। शोधकर्ताओं ने 204 देशों में शराब के सेवन के अनुमानों के आधार पर गणना की है कि 2020 में 1.34 अरब लोगों ने हानिकारक मात्रा में इसका सेवन किया। अध्ययन में पाया गया कि 15 से 39 साल की उम्र के लोगों को शराब पीने पर ज्यादा खतरा होता है। 2020 में बहुत ज्यादा मात्रा में अल्कोहल लेने वालों में 59.1 प्रतिशत लोग 15 से 39 साल की उम्र वाले थे। इनमें से 76.7 प्रतिशत पुरुष थे।

हमारे समाज में नशे को सदा बुराइयों का प्रतीक माना और स्वीकार किया गया है। इनमें सर्वाधिक प्रचलन शराब का है। शराब सभी प्रकार की बुराइयों की जड़ है। शराब के सेवन से मानव के विवेक के साथ सोचने समझने की शक्ति नष्ट हो जाती है। वह अपने हित-अहित और भले-बुरे का अन्तर नहीं समझ पाता। शराब के सेवन से मनुष्य के शरीर और बुद्धि के साथ-साथ आत्मा का भी नाश हो जाता है। शराबी अनेक बीमारियों से ग्रसित हो जाता है। अमीर से गरीब और बच्चे से बुजुर्ग तक इस लत के शिकार हो रहे हैं।

आजादी के बाद देश में शराब की खपत 60 से 80 गुना अधिक बढ़ी है। यह भी सच है कि शराब की बिक्री से सरकार को एक बड़े राजस्व की प्राप्ति होती है। मगर इस प्रकार की आय से हमारा सामाजिक ढांचा क्षत-विक्षत हो रहा है और परिवार के परिवार खत्म होते जा रहे हैं।

एक सरकारी सर्वेक्षण के अनुसार भारत में पांच में से एक शख्स शराब पीता है। सर्वे के अनुसार 19 प्रतिशत लोगों को शराब की लत है। जबकि 2.9 करोड़ लोगों की तुलना में 10-75 उम्र के 2.7 प्रतिशत लोगों को हर रोज ज्यादा नहीं तो कम से कम एक पेग जरूर चाहिए होता है और ये शराब के लती होते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार देशभर में 10 से 75 साल की आयु वर्ग के 14.6 प्रतिशत यानी करीब 16 करोड लोग शराब पीते हैं।

छत्तीसगढ, त्रिपुरा, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश और गोवा में शराब का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है।

इस सर्वे की चौंकाने वाली बात यह है कि देश में 10 साल के बच्चे भी नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में शामिल हैं। सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि शराब पर निर्भर लोगों में से 38 में से एक ने किसी न किसी बीमारी की सूचना दी, जबकि 180 में से एक ने रोगी के तौर पर या अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी दी।

एक अन्य सर्वे के मुताबिक भारत में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लगभग 37 प्रतिशत लोग नशे का सेवन करते हैं। इनमें ऐसे लोग भी शामिल है जिनके घरों में दो जून रोटी भी सुलभ नहीं है।

जिन परिवारों के पास रोटी-कपडा और मकान की सुविधा उपलब्ध नहीं है तथा सुबह-शाम के खाने के लाले पडे हुए हैं उनके मुखिया मजदूरी के रूप में जो कमा कर लाते हैं वे शराब पर फूंक डालते हैं। इन लोगों को अपने परिवार की चिन्ता नहीं है कि उनके पेट खाली हैं और बच्चे भूख से तडफ रहे हैं। ऐसे लोगों की संख्या भी लगातार बढती जा रही है। ये लोग कहते हैं वे गम को भुलाने के लिए नशे का सेवन करते हैं। उनका यह तर्क कितना बेमानी है जब यह देखा जाता है कि उनका परिवार भूखे ही सो रहा है। युवाओं में नशा करने की बढती प्रवृत्ति के चलते शहरी और ग्रामीण अंचल में आपराधिक वारदातों में काफी इजाफा हो रहा है। शराब के साथ नशे की दवाओं का उपयोग कर युवा वर्ग आपराधिक वारदातों को सहजता के साथ अंजाम देने लगे हैं। हिंसा, बलात्कार, चोरी, आत्महत्या आदि अनेक अपराधों के पीछे नशा एक बहुत बडी वजह है। शराब पीकर गाडी चलाते हुए एक्सीडेंट करना, शादीशुदा व्यक्तियों द्वारा नशे में अपनी पत्नी से मारपीट करना आम बात है।

आजादी के बाद देश में शराब की खपत 60 से 80 गुना अधिक बढ़ी है। यह भी सच है कि शराब की बिक्री से सरकार को एक बड़े राजस्व की प्राप्ति होती है। मगर इस प्रकार की आय से हमारा सामाजिक ढांचा क्षत-विक्षत हो रहा है और परिवार के परिवार खत्म होते जा रहे हैं। हम विनाश की ओर तेजी से बढ रहे हैं। देश में शराब बंदी के लिए कई बार आंदोलन हुआ, मगर सामाजिक, राजनीतिक चेतना के अभाव में इसे सफलता नहीं मिली। सरकार को राजस्व प्राप्ति का यह मोह त्यागना होगा तभी समाज और देश मजबूत होगा और हम इस आसुरी प्रवृत्ति के सेवन से दूर होंगे।

-बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक और पत्रकार

अभेद्य दीवारों से रक्षित चूरू का किला

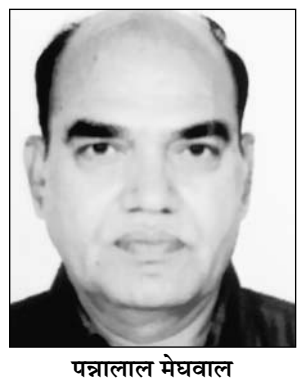

पन्नालाल मेघवाल

चूरू किले का निर्माण चूरू के ठाकुर कुशलसिंह ने सन् 1694 में करवाया। उन्होंने नगरवासियों को सुरक्षा प्रदान करने एवं आत्मरक्षा के उद्देश्य से इस क़िले का निर्माण कराया। किले का निर्माण होते ही लोगों का कुशलसिंह में विश्वास बढा और बडी संख्या में लोग आकर चूरू में बसने लगे। कहा जाता है कि किला बन जाने से नगर के विकास एवं व्यापार का मार्ग प्रशस्त हुआ और चूरु तरक्की करने लगा।

चूरू के मुख्य बाजार में स्थित इस किले का परकोटा बहुत मजबूत बना है। यह किला नौ बुर्जों में विभक्त है। किले की

आजादी की रक्षा के लिए इस किले से दुश्मन की सेना पर चांदी के गोले दागे गए

दीवारें अत्यंत मजबूत, चौडी और ऊंची हैं। सिंहद्वार के दरवाजे लोहे की मोटी सलाखों से जुडे हैं। दरवाजे को भेदना अत्यंत दुष्कर कार्य था। किले की प्राचीर में अनेकों सुराख हैं जहां से शत्रुओं पर बंदूकें दागी जाती थी। सिंहद्वार के दक्षिण के एक बुर्ज में सन् 1870 ईस्वी का एक पट्ट लगा है। किले के एक भाग में मेहता मेघराज की देवली, एक पुराना कुआं और गोपीनाथ जी का भव्य मंदिर है।

चूरु के किले में ठाकुर शिवसिंह द्वारा बनाया गया भव्य गोपीनाथ का मंदिर है। इस मंदिर में राधा-कृष्ण के साथ-साथ शिव-पार्वती गणेश-कार्तिकेय, हनुमानजी एवं दुर्गा की मूर्तियां स्थापित की गई हैं। किले में भगवानदास बावला ने सन् 1895 में एक अस्पताल बनवाया था । किले के दक्षिणी-पूर्वी भाग में ठाकुरों के महल और कचहरी थी। चूरू का तहसील मुख्यालय भी वर्षों तक यहां रहा। नगरपालिका का कार्यालय भी अनेक वर्षों तक यहीं से संचालित हुआ। यहां पर एक बालिका विद्यालय संचालित है। बालिका स्कूल के पास ही जेल और प्रहरियों के क्वार्टर बने थे उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित किया गया है। किले के दक्षिण में बने एक भवन में वर्षों स्वास्थ्य विभाग का दफ्तर रहा। बाद में दूरदर्शन रिले केंद्र भी स्थापित हुआ। इस भवन में मातृ शिशु कल्याण केंद्र संचालित रहा। किले के पुराने कुएं से किले और आस-पास के लोगों की जलापूर्ति की जाती है।

इतिहासकार गोविंद अग्रवाल द्वारा लिखित चूरू मंडल का शोधपूर्ण इतिहास के अनुसार यह किला अनेक लडाइयों का साक्षी रहा है। इस किले को तोप के गोले भी नहीं भेद पाए।

ठाकुर कुशलसिंह के वंशज ठाकुर शिवसिंह शूरवीर और स्वाभिमानी थे। बीकानेर के महाराजा सूरतसिंह से उनकी कभी नहीं बनी। महाराजा सूरतसिंह ठाकुर शिवसिंह से नाराज रहते थे। उन्होंने शिवसिंह को सबक सिखाने एवं किला अपने अधीन करने के लिए अनेक बार चूरू पर आक्रमण किए। सन् 1814 में बीकानेर नरेश ने

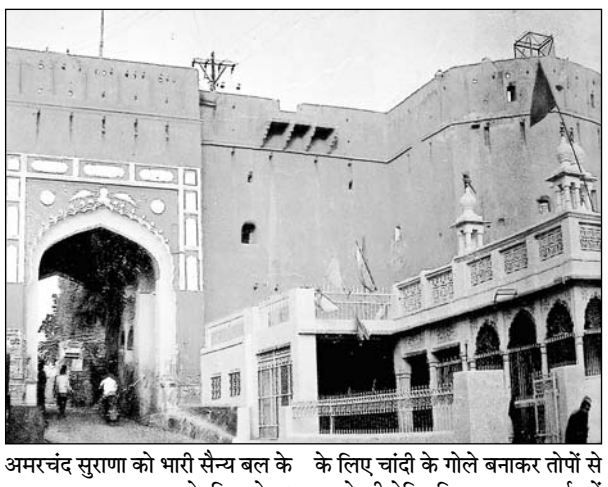

अमरचंद सुराणा को भारी सैन्य बल के साथ चूरू पर आक्रमण के लिए भेजा। बीकानेर की सेना ने चूरू के किले को चारों तरफ से घेर लिया। दोनों तरफ से तोपें दागी गई। ऐसे में ठाकुर शिवसिंह के पास गोला-बारूद खत्म हो गया।

यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि जब गोला-बारूद समाप्त हो गया तो अपनी आजादी की रक्षा के लिए चूरू के इस किले से दुश्मन की सेना पर चांदी के गोले दागे गए। चूरू के लोगों द्वारा दी गई चांदी से गोले बनाए गए थे। विश्व के इतिहास में अपनी आजादी की रक्षा के लिए चांदी के गोले बनाकर तोपों से दागने की ऐतिहासिक घटना स्वर्णाक्षरों में अंकित की गई। इसी कारण चूरू के किले का नाम अमर हो गया।

आजादी के बाद धीरे-धीरे किले की स्थिति जर्जर हो गई। राज्य सरकार ने इस किले का जीर्णोद्धार करवाकर इसका सौन्दर्यीकरण किया जिससे यह किला पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

-पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

बीएसएफ बटालियन ने हर घर तिरंगा रैली निकाली

पोकरण में बीएसएफ के जवानों ने तिरंगा रैली निकाली।

पोकरण, (निसं)। स्वतंत्रता दिवस के 75वे आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत देशभर में चलाए जा रहे घर-घर तिरंगा अभियान के तहत शुक्रवार सुबह सीमा सुरक्षा बल 87 वीं बटालियन की ओर से परमाणु नगरी पोकरण में तिरंगा रैली का भव्य आयोजन किया गया।

सीमा सुरक्षा बटालियन के समादेष्टा रणवीरसिंह ने बताया कि अमृत महोत्सव के अंतर्गत आगामी 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा लगाने के अभियान का आगाज किया गया, सीमा सुरक्षा बल के जवानों की ओर से कस्बे में रैली निकालकर जनजागरण किया गया। कार्यक्रम के तहत तिरंगा रैली शहर के रेड फोर्ट से हरी झण्डी दिखा कर रवाना हुई जो शहर के गांधी चौक, फोर्ट रोड, सुभाष चौक, स्टेशन रोड, नगर पालिका के आगे से होते हुए,जयनारायण व्यास सर्किल, अंबेडकर सर्किल से होते हुए गुरुद्वारा तक पहुंची।

इस दौरान बीएसएफ के जवानों की ओर से शहर के राष्ट्रीय स्मारकों पर तिरंगा फहराया गया। सीओ ने अपने उद्बोधन में कहा कि शहर में लोगों को राष्ट्रीय भावना जगाने व राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा वितरित किया गया। इस दौरान बडी संख्या में बीएसएफ के वीर जवान इस रैली में शामिल हुए। इस दौरान बीएसएफ के अधिकारी सहित जवानों व स्कूली छात्रों ने ऊंटों और वाहनों पर सवार होकर तिरंगा रैली में भाग लिया। जवानों की ओर से आमजनों को अपने-अपने घरों में तिरंगे को लगाने का आव्हान किया गया। इस यात्रा को लेकर कमांडेंट रणबीर सिंह ने आमजनों से अपील की कि अपने अपने घरों, मकान, स्कूल सार्वजनिक स्थलो में ज्यादा से ज्यादा झंडे लगाएं।

जवानों की ओर से आमजनों को अपने-अपने घरों में तिरंगे को लगाने का आव्हान किया गया

कीचड़ के बीच होकर विद्यालय तक पहुंचने को मजबूर हैं छात्र

रेवदर के निकट डाक से गोंडाना गोलिया जाने वाले रास्ते पर कीचड़ से लोग को परेशान हैं।

रेवदर, (निसं)। रेवदर के निकट अनादरा पंचायत समिति के डाक ग्राम पंचायत मुख्यालय से महज 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित रेबारियों के गोलिया ढाणी के लोगों को बारिश के दिनों में गुजरने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

रेबारियों के गोलिया में निवास करने वाले ग्रामीणों के आने व जाने हेतु एक मात्र यही रास्ता है। जिसका निर्माण नहीं होने से बारिश के दिनों में यह रास्ता दलदल में तब्दील हो जाता है। इतना ही बारिश के दिनों में रास्ते पर जगह-जगह कीचड़ फैल जाता है । गांव के लोगों ने जनप्रतिनिधियों सहित विभागीय अधिकारियों को भी अवगत करवाकर सड़क बनाने हेतु पुरजोर मांग की जा चुकी है लेकिन इस समस्या की और कोई ध्यान नही दे रहा है। स्कूल में पढ़ने हेतु आने वाले छात्रो का कहना है की हर वर्ष बारिश के समय में मार्ग पर कीचड भरी स्थिति रहती है। जिससे फिसलने लगते हैं। और गिरने की स्थित रेबारियों के गोलुओ ढाणी में लगभग 15० से अधिक घरों की आबादी होने के बावजूद भी प्रशासन की आँखे मूंद हुई हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के कारण हर वर्ष इसी प्रकार परेशानीयों का सामना करना पडता है। सरपंच को कई बार अवगत करवाने के बावजूद भी कोई समाधान नहीं किया जा रहा है। इसको लेकर डाक सरपंच राधा देवी का कहना है की क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से बारिश का दौर लगातार जारी है जिससे ग्रेवल नही बना पा रहे हैं। लेकिन बारिश के रुकते ही ग्रेवल करवा दिया जाएगा।

राशिफल शनिवार 6 अगस्त, 2022

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2079, विशाखा नक्षत्र सांय 5:51 तक, शुक्ल योग दिन 12:41 तक, बालव करण दिन 3:04 तक, चन्द्रमा दिन 12:06 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मेष, बुध-सिंह, गुरू-मीन, शुक्र-मिथुन, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

रवियोग सांय 5:51 से आरम्भ होगा। आज श्री हरि जयन्ती, अश्वत्थ मारूती पूजा है। शुक्र कर्क राशि में रविवार प्रात: 5:20 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:36 से 9:15 तक, चर 12:33 से 2:11 तक, लाभ-अमृत 2:11 से 5:29 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:57, सूर्यास्त 7:08

मेष

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है और बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

सिंह

मित्रों/परिजनों से चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। परिजनों के सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात घर-परिवार कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और अनावश्यक धन खर्च होगा।

धनु

अपने आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा और विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। मन का भय समाप्त होगा। दिन के मध्यान्ह परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मकर

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनर्गल कार्यों में प्रगति होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

तुला

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी और कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

कुंभ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

कर्क

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक

घर-परिवार कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। अनावश्यक समय खराब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी और मन:स्थिति में सुधार होगा।

मीन

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सदा कोर : बहादुरी और मोह का विस्मृत इतिहास

बात 1798 के बाद की है जब अहमद शाह अब्दाली के पौत्र ने सिंधु पार बसे सिखों को पूरी तरह नेस्तनाबूद करने का बीडा उठाया और लाहौर को सिखों की भांगी मिस्ल जो कि इसके संस्थापक सरदार छज्जा सिंह के भांग के आदी होने के कारण भांगी मिस्ल कहलाई थी, से छीन लिया। अब उसका निशाना अमृतसर पहुंच कर सिख कौम को सदा के लिए नष्ट करना था।

जब सिखों के सरबत खालसा में युवा रणजीत सिंह के अलावा बाकी सब मिस्लों के सरदारों ने चुप्पी साध ली तो एक महिला गरज के बोली कि ये मर्दों के लिबास हमें दे कर जनाना कपडे पहन लो क्योंकि हम सरदारनियां अफगानों से युद्ध करने जाएंगी। इस पर सारे सरदार रणजीत सिंह के नेतृत्व में अफगानों से युद्ध को तैयार हुए। हालांकि फुलकियां मिस्ल के साहिब सिंह, कांगड़ा के राजा संसार चंद और कसूर के नवाब ने अफगानों का साथ दिया पर आखिरी जीत सिखों की हुई जिसके बाद युवा रणजीत की धाक पूरे पंजाब में फैल गई। सरबत खालसा में जो औरत गरजी थी वह युवा रणजीत सिंह की सास और कन्हैया मिस्ल की नेता सदा कोर थी।

सदा कोर चूंकि एक महिला थी इसलिए पुरुष प्रधान समाज में उसे उतनी पहचान नहीं मिली जिसकी वह हकदार थी। अब्दाली के मरते ही सिख आपस में वर्चस्व की लडाई लडने लगे। उस समय के पंजाब में जत्थों को मिस्ल कहा जाता था जिनमें भांगी, कन्हैया, रामगढिया आदि शक्तिशाली मिसलें हुआ करती थी। कान्हा गांव की कन्हैया मिस्ल के संस्थापक सरदार जयसिंह ने अपनी महत्वाकांक्षा के चलते भांगी और रामगढिया मिस्ल के साथ -साथ कांगड़ा के राजा संसार चंद को अपने आधीन करने के लिए एक नई उभरती सुक्करचक गांव से उठी सुक्करचकिया के सरदार चरत सिंह का साथ लिया। युद्ध में चरत सिंह की मृत्यु होने पर उसके पुत्र महासिंह को सरदार नियुक्त किया गया, जयसिंह इस युवक का शिक्षक और संरक्षक बना।

आगे चलकर जम्मू के राजा ने अपनी रियासत को भांगियों से मुक्त करवाने के लिए जयसिंह एवम् महासिंह का साथ मांगा। यहां पर महासिंह लालच में आ गया और उसने अकेले ही जम्मू पर हमला कर शहर को लूट लिया। इस वादा खिलाफी से नाराज जयसिंह ने

डॉ रामावतार शर्मा

सदा कोर बहादुर, चतुर, राजनीतिक सूझबूझ और वार्तालाप द्वारा विजय पाने में माहिर थी

को अपनी छत्रछाया में ले लिया। कुछ ही समय में दीवान लखपत राय और राजमाता राज कोर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। सदा कोर का युवक रणजीत पर पूर्णाधिकार हो गया पर समय को कुछ और ही मंजूर था क्योंकि मेहताब कौर मां नहीं बन पाई तो रणजीत सिंह ने दूसरी शादी कर ली। इस शादी से जब पुत्र खड़ग सिंह का जन्म हुआ तो निराश सदा कोर अपनी बेटी को लेकर वापस अपनी जागीर बटाला चली गई। सदा कोर के जीवन में फिर उमंग लौटी जब अफगानों ने एक बार फिर पंजाब की तरफ रुख किया। सदा कोर ने रणजीत सिंह के साथ लाहौर की तरफ कूच किया और दोनों ने चालाकी और जन सहयोग से बिना किसी खून खराबे के लाहौर पर कब्जा किया। युवा रणजीत सिंह के विभिन्न विजय अभियानों से कई सिख सरदार खुश नहीं थे। उन्होंने जब मिलकर उस पर हमला किया तो सदा कोर उसके साथ चट्टान की तरह खडी रही। उसके निर्देशन में ही रणजीत सिंह ने अमृतसर पर बिना लहू बहाए अधिकार किया। सदा कोर ने बुजुर्ग सिख सरदारों को मना कर रणजीत सिंह को महाराजा घोषित करवाया।

सदा कोर की जान अपनी इकलौती संतान मेहताब कौर में अटकी थी जो कि संतानहीन होने से अपना पद और राज शक्ति खो चुकी थी। सदा कोर ने दो नवजात शिशु खरीद कर प्रचारित किया कि ये रणजीत सिंह के बच्चे हैं। चतुर राजा ने बच्चों को स्वीकार तो कर लिया पर साहिबजादा का दर्जा देकर सबको बता दिया कि वह इनका बाप नहीं है। जब रणजीत सिंह ने एक मुस्लिम नर्तकी मोरान से शादी कर ली तो अपमानित मां बेटी ने अंग्रेजों से मिल कर उसे सत्ताच्युत करने का षडयंत्र रचा पर अंग्रेज भी एक पुरूष राजा पर ज्यादा विश्वास करते थे। सास और दामाद के बीच बडी खाई पड़ गई जब राजा ने राजकुमार खड़ग को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया। इस घोषणा से बचा हुआ रिश्ता भी टूट गया।

इतने मन मुटाव के बावजूद जब मालवा के आधिपत्य को लेकर अंग्रेजों और रणजीत सिंह के बीच युद्ध की स्थिति आई तो सदा कोर ने मध्यस्थता कर अमृतसर समझौता करवाया क्योंकि अंग्रेजों को हराना रणजीत सिंह के बस की बात नहीं थी। जब आत्मसम्मान खो चुकी मेहताब कौर की मृत्यु पर रणजीत सिंह नहीं आए तो सदा कोर ने राजा को हटाने के प्रयास फिर से तेज कर दिए। वह साठ की उम्र पार कर चुकी थी। रणजीत सिंह ने बटाला अपने अधिकार में लेकर उसकी देखभाल मेहताब के क्रय किए बच्चों को सौंप दी, सदा कोर को नजरबंद कर दिया गया। सदा कोर कब और कैसे मरी इसके बारे में कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं है। इतिहास हारे हुए पात्रों को याद नहीं रखता है पर लेखक सरबप्रीत सिंह जैसे लोग बीते समय काल में जाते हैं और गुम हुए इतिहास को वापस लाते हैं। सदा कोर बहादुर, चतुर , राजनीतिक सूझबूझ और वार्तालाप द्वारा विजय पाने में माहिर थी पर वह एक मां भी थी जो अपनी बेटी को अपमानित नहीं देखना चाहती थी। यही उसकी शक्ति थी और यही बडी कमजोरी।

डॉ रामावतार शर्मा,
चिकित्सक एवं लेखक

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 274 प्रभात उदयपुर, शनिवार 6 अगस्त, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

क्या सुनक का होशियारी से खेला गया, धर्म व ''रेस'' कार्ड कामयाब होगा?

सुनक ने कहा, ब्रिटेन के सांसदों की प्रतिष्ठा है कि, वे कभी भी धर्म व ''रेस'' के आधार पर वोट नहीं करते और इस बार भी वे अपनी इस प्रतिष्ठा का सम्मान करेंगे

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में लगे प्रत्याशियों के लिए निर्णय का दिन जैसे-जैसे करीब रहे हैं, ऋषि सुनक फूंक-फूंक कर कदम बढ़ा रहे हैं। लिज़ ट्रस के साथ चल रही अपनी प्रतिस्पर्धा में वह स्वयं का वर्णन एक कम क्षमता वाले व्यक्ति के रूप में करते हैं और घोषित करते हैं कि कंज़रवेटिव पार्टी के नेता एवं प्रधानमंत्री के चयन में नस्ल और धर्म कोई फैक्टर नहीं होगा।

सुनक ओपीनियन पोल्स के निर्णय से भली भांति वाकिफ हैं जो उन्हें 10 डाउनिंग स्ट्रीट की दौड़ जीतने की एक क्षीण संभावना प्रदान करते हैं। लेकिन वह आशावादी बने हुए हैं और उनका नवीनतम बयान कि चुनावी संघर्ष में नस्ल निर्धारक नहीं होगी, पार्टी सदस्यों की अन्तरआत्मा के लिए एक अपील प्रतीत होता है क्योंकि पार्टी सदस्य अपने नेता के चयन की तैयारी कर रहे हैं। पार्टी नेता एवं प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी के चयन के लिए हो रही वोटिंग के परिणाम 5 सितंबर को घोषित होंगे।

सुनक ने स्पष्ट रूप से कहा कि ब्रिटिश सांसदों को जातिवादी एवं धार्मिक राजनीति करने वालों के रूप में नहीं जाना जाता और उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार भी वे अपनी प्रतिष्ठा अनुरूप कार्य करेंगे। विश्लेषक इस बयान की व्याख्या पार्टी के उन लोगों का दिल जीतने के रूप में करते हैं जो किसी प्रत्याशी को उसके गुणों के आधार पर नहीं बल्कि उसकी जातीय प्रोफाइल के आधार पर वोट करते हैं।

हाउस ऑफ लॉर्ड्स के मैम्बर एवं टोरी पार्टी के प्रमुख दानदाता लॉर्ड रामी रेंजर ने सुनक के पक्ष में अपनी पूरी ताकत झौंकते हुए टिप्पणी की कि ''यदि ऋषि सुनक देश का नेतृत्व करते हैं तो ब्रिटेन एक बेहतर जगह बन जाएगा। उनमें अर्थव्यवस्था की कायापलट करने और अपनी योग्यता के आधार पर विपक्ष से लड़ने की क्षमता है।''

लॉर्ड रेंजर ने यह भी कहा कि सुनक यदि टोरी लीडरशिप की रेस हार जाते हैं तो यू.के. के समक्ष प्रतिष्ठात्मक परिणामों का सामना करने का जोखिम उपस्थित हो जाएगा। अगर एक प्रवासी दम्पती के पुत्र को 10 डाउनिंग स्ट्रीट पहुंचने से रोक दिया जाता है तो देश को ''नस्ल वादी'' मान लिया जाएगा।

- **सुनक के इस तर्क व दलील का असर दिखने लगा है, कंज़रवेटिव पार्टी के प्रमुख दानदाता व पुराने समर्थक, लॉर्ड रामी रेंजर ने कहा कि, ब्रिटेन की धर्म निरपेक्ष व ''रेस निरपेक्ष'' होने की प्रतिष्ठा को धक्का लगेगा, अगर सुनक का कंज़रवेटिव पार्टी का नेतृत्व करने का मौका इसलिए उनके हाथ से निकल जाता है, क्योंकि, वे इमिग्रैन्ट दम्पति (शरणार्थी युगल) के पुत्र हैं।**
- **अब, लॉर्ड रेंजर का यह तर्क काफी चर्चित हो रहा है, कंज़रवेटिव पार्टी में। तथा पार्टी अपने ऊपर ''रेसिस्ट'' होने का लांछन नहीं लगवाने के लिये क्या सुनक के पक्ष में वोट करेगी?**
- **सुनक इस बात से पूर्णतया परिचित हैं कि, सर्वे उन्हें प्र.मंत्री की दौड़ जीतने की संभावना बहुत कम मान रहे हैं, अतः सुनक ने बड़ी होशियारी से हताश होकर यह ''रेस व धर्म'' का कार्ड खेला है।**

शो के प्रैज़ेन्टर के. बर्ली ने ट्रस से उनकी नीतियों पर एक के बाद एक यू-टर्न लेने के लिए कई कठोर सवाल किए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उपराष्ट्रपति चुनाव

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए शनिवार को चुनाव होगा और उसी दिन शाम तक नतीजे आने की संभावना है।

- **भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए शनिवार को मतदान होगा और नतीजे की घोषणा भी उसी दिन होगी।**

उपराष्ट्रपति, जो राज्यसभा का पदेन सभापति भी होता है, के पद के लिए पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिख और कृपाण

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को एक एविएशन सिक्योरिटी के निर्णय के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया। एविएशन सिक्योरिटी के निर्णय में सिखों को यह अनुमति दे दी गई थी कि

- **सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय हवाई अड्डों और उड़ानों में सिखों को 6 इंच तक लम्बी कृपाण रखने की अनुमति दे दी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी का राष्ट्रपति व प्र.मंत्री से मिलना तो समझ में आता है

पर, उनकी दिल्ली यात्रा की ''टाइमिंग'' व आचरण सवाल खड़ा कर रहा है, कि, विपक्षी की एकता से उनका कम सरोकार है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 05 अगस्त। पार्थो चटर्जी से संबंधित भारी नकदी घोटाले सहित कई विवादों से परेशान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा से मेल मिलाप करती प्रतीत हो रही हैं।

सार्वजनिक रूप से बनर्जी की प्रधानमंत्री के साथ आज की मीटिंग का संबंध 1,00,968.44 करोड़ की भारी भरकम राशि को जारी करने की उनकी मांग से था। यह महानरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, समग्र शिक्षा मिशन, मिड डे मील योजना पर 14वें वित्त आयोग द्वारा तय परफॉर्मेंस ग्रांट के लिए केन्द्र सरकार से लेना पैंडिंग था।

राष्ट्रीय राजधानी में गुरूवार से शुरू हुए उनके चार दिवसीय दौरे के दूसरे दिन बनर्जी ने नव निर्वाचित राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से भी भेंट की और प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में शनिवार को होने जा रही नीति आयोग के गवर्निंग काउन्सिल की मीटिंग में भाग लेने का भी उनका कार्यक्रम हैं।

प्रधानमंत्री व अन्य के साथ बनर्जी की मीटिंग्स में उनके दिल्ली दौरे के समय के अलावा कुछ भी अनुचित नहीं हैं। मुख्यमंत्री का दौरा ऐसे समय में हुआ है जब कांग्रेस नेताओं को 6 अगस्त को होने जा रहे उपराष्ट्रपति पद के चुनाव से कुछ दिन पूर्व कीमत वृद्धि के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों को लेकर गिरफ्तार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री व अन्य के साथ दिल्ली में इस वक्त उनकी मीटिंग्स से यह संदेश जाता है कि वह विपक्ष की एकता को लेकर चिंतित नहीं हैं।

- **पूरे विपक्ष, जिनमें टी.आर.एस. व जे.एम.एम. भी शामिल हैं, ने केन्द्रीय एजेंसियों के राजनीतिक दुरूपयोग की भर्त्सना की, पर ममता जी ने चुप्पी साधी।**
- **ममता बनर्जी ने भाजपा के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को समर्थन देने का निर्णय लिया, क्योंकि कांग्रेस ने उनसे सलाह मशविरा नहीं किया, मारग्रेट अल्वा को विपक्ष का उम्मीदवार बनाने से पहले।**
- **ममता बनर्जी उस समय दिल्ली आयी हैं, जबकि कांग्रेस महंगाई, बेरोजगारी पर आंदोलन, प्रदर्शन कर रही है, दिल्ली में तथा ममता बनर्जी राष्ट्रपति व प्र.मंत्री से मिल रही हैं, सद्भावना की नीति के अंतर्गत।**
- **क्या ये सब संकेत हैं, ममता बनर्जी मोदी व भाजपा के नजदीक आने के प्रयास में हैं।**

केन्द्र सरकार द्वारा राजनीतिक उद्देश्यों को लेकर ई.डी. और सी.बी.आई का कथित दुरूपयोग किए पर कांग्रेस द्वारा कुछ सप्ताह पूर्व आयोजित विपक्ष के सम्मेलन से ममता बनर्जी अनुपस्थि रही थी। उन्होंने एन.डी.ए. के उपराष्ट्रप्रति पद के प्रत्याशी जगदीप धनखड़ को अपेक्षाकृत इस कमजोर आधार पर अपनी पार्टी के समर्थन की घोषणा की कि विपक्ष की उपराष्ट्रपति पद की प्रत्याशी मागरिट अल्वा की पसंद को लेकर कांग्रेस ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गर्भपात

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने मैडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रैगनैंसी एक्ट 19711 की धारा 3 (2) (बी) तथा मैडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रैगनैंसी रुल्स 2003 के रुल 3बी की प्रगतिशील व्याख्या करते हुए कहा कि गर्भपात में विवाहित व अविवाहित में भेदभाव नहीं किया जा सकता। कोर्ट इस मुद्दे पर अगली सुनवाई बुधवार को करेगा। जस्टिस डी.वाय.चंद्रचूड़,

- **सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि, गर्भपात में विवाहित और अविवाहित में भेदभाव नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात एक अविवाहित महिला को गर्भपात करवाने की अनुमति देते हुए कही।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस को दिल्ली में भारी मीडिया ''अटैंशन'' मिला

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। नरेन्द्र मोदी सरकार के विरूद्ध कांग्रेस पार्टी का यह ''ब्लैक फ्राइडे'' था। पार्टी के नेता, कार्यकर्ता व अन्य कीमत वृद्धि, बेरोजगारी और खाद्य पदार्थों पर लगायी गई जी.एस.टी. के विरोध में काले कपड़े पहनकर सड़कों पर आ गए।

आम आदमी से जुड़े मुद्दों को लेकर एक विपक्षी पार्टी के रूप में कांग्रेस का यह संभवतया यह पहला महा-विरोध आंदोलन था, जिसमें दिल्ली पुलिस ने धारा 144 लगाकर विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी और राहुल तथा प्रियंका गांधी सहित सभी प्रदर्शनकारी गिरफ्तार कर लिए गए और उन्हें देर शाम ही रिहा किया गया।

पुलिस ने समूचे अकबर रोड़ जहां कांग्रेस मुख्यालय भी स्थित है, की पूरे दिन बेरिकेडिंग करके रखी।

कांग्रेस ने राहुल और सोनिया गांधी से एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) की पूछताछ को लेकर पूर्व में भी विरोध प्रदर्शन किया था और गिरफ्तारियां दी थीं, लेकिन शायद इन आलोचनाओं के बाद कि गांधी परिवार न अपने व्यक्तिगत मुद्दों को लेकर ही पार्टी कार्यकर्ताओं से लामबंद होने को कहा था, यह बड़ा आंदोलन किया गया।

- **ऐसा जरूर लगा कि, कांग्रेस अपने विपक्ष के रोल के प्रति जागरूक हो गयी है।**
- **पर, यह सवाल भी उठा, क्या रोल केवल आज के दिन के लिये ही था, इसके कुछ लम्बे समय तक बरकरार रहेगा।**

राहुल गांधी ने आज सुबह एक प्रैस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए इसे ''लोकतंत्र की हत्या'' की संज्ञा दी और इसे भारत में तानाशाही की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने संसद के भीतर और बाहर सभी तरह के विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगा रखा है और ऐसी कार्यवाहियों का स्वागत वॉटर कैनन्स, बैरिकेडिंग और पुलिस की धक्का-मुक्की से किया जाता है और प्रयास किए जाते हैं कि विपक्षी पार्टियां विरोध के स्वर ना उठा पाएं।

कांग्रेस का कहना है कि वह सरकार की ऐसी सभी दमनात्मक नीतियों के विरूद्ध अपनी लड़ाई जारी रखेगी, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तर प्रदेश को 108 एविएशन रूट आवंटित होंगे : सिंधिया

नयी दिल्ली 5 अगस्त (वार्ता) नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज घोषणा की कि उड़ान योजना के तहत उत्तर प्रदेश को आवंटित मार्गों की संख्या 63 से बढ़ाकर 108 की जाएगी।

सिंधिया ने यह घोषणा लखनऊ से दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, कोलकाता और गोवा के लिए आठ संपर्क उड़ानों के उद्घाटन करने के दौरान की। लखनऊ हवाई अड्डे पर आयोजित इस कार्यक्रम में सिंधिया एवं नागर विमानन राज्य मंत्री जनरल (अवकाश प्राप्त) वी.के. सिंह दिल्ली से वीडियो लिंक से जुड़े थे जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सम्मानित अतिथि के रूप में कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में नागर विमानन मंत्रालय में सचिव राजीव बंसल, संयुक्त सचिव उषा पाधी, उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव एस.पी. गोयल, एयर एशिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक सुनील भास्करन तथा नागर विमानन मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार तथा एयर एशिया के अन्य गण्यमान्य प्रतिनिधि भी शामिल हुए। नए उड़ान मार्गों की शुरुआत के अवसर पर सिंधिया ने कहा, यह एक ऐतिहासिक घटनाक्रम है, जिसमें एक एयरलाइन ने एक शहर को भारत के 5 अन्य शहरों से 8 संपर्क उड़ानों के जरिए जोड़ दिया है। मैं एयर एशिया और उत्तर प्रदेश सरकार को इस उपलब्धि के लिए बधाई और धन्यवाद देना चाहता हूं। लखनऊ अब दिल्ली से तीन उड़ानों के जरिए, बेंगलुरू से दो उडानों के जरिए, मुंबई से एक उडान के जरिए और कोलकाता तथा गोवा से प्रतिदिन एक-एक उडान के जरिए जुड़ गया है।

उत्तर प्रदेश में नागर विमानन के विकास के लिए उनके मंत्रालय द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में सिंधिया ने कहा, मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि उड़ान योजना के अंतर्गत हमने उत्तर प्रदेश राज्य को 63 नए मार्ग आवंटित किए हैं और भविष्य में इन्हें बढ़ाकर 108 कर दिया जाएगा, ताकि नागर विमानन सुविधा उत्तर प्रदेश के हर कोने तक पहुंच सके। हमने उड़ान योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 18 हवाई अड्डों का निर्माण करना तय किया है, जिसके संरचनागत विकास पर 1112 करोड़ रुपए का निवेश करने की आवश्यकता होगी। उत्तर प्रदेश में 5 अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे होंगे, जो अपने आप में देश में अप्रतिम होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर भारत का उज्ज्वल उदाहरण बनाने का स्वप्न है और इस स्वप्न को साकार करने के लिए हम जेवर और अयोध्या के अलावा चित्रकूट, मुरादाबाद, अलीगढ़, आजमगढ़ और श्रावस्ती में हवाई अड्डों का निर्माण कर रहे हैं।

नागर विमानन राज्य मंत्री जनरल सिंह ने एयर एशिया को लखनऊ के लिए नए उडान मार्ग शुरू करने तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी वैट और एटीएफ घटाने के लिए बधाई देते हुए कहा कि इससे राज्य में उड़ान संपर्क कायम करने में वृद्धि होगी।

लखनऊ से दिल्ली, बेंगलुरू और गोवा की उडानें आज ही प्रभावी तौर से शुरू हो जाएंगी और लखनऊ से मुंबई तथा कोलकाता के लिए उड़ानें 01 सितंबर से शुरू होंगी। इन नई संपर्क उड़ानों से लखनऊ और देश के अन्य मुख्य शहरों के बीच आवागमन मजबूत होगा, जिससे न सिर्फ अधिक संपर्क कायम होगा बल्कि यह क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और वाणिज्य की वृद्धि होगी।

एयर एशिया (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड की सब्सिडरी है जिसने 12 जून, 2014 को अपना कामकाज शुरू किया था। यह कंपनी देशभर के 18 गंतव्यों तक 50 से ज्यादा सीधी उड़ानें और करीब 100 संपर्क उड़ानें संचालित करती है।

'प्रजातंत्र अब केवल एक याद बन कर रह गया है देश में'

राहुल गांधी ने यह भी कहा कि, जो प्रजातंत्र एक-एक ईंट रखकर, सौ साल में बना था, वह आपकी आंखों के सामने ध्वंस हो रहा है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 05 अगस्त। आज, जब कांग्रेस पार्टी महँगाई के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिये सड़कों पर उतर आई थी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश में लोकतन्त्र केवल एक याद के रूप में रहा गया है तथा आरोप लगाया कि भारत में इस समय लोकतन्त्र नहीं, बल्कि तानाशाही है और जो भी व्यक्ति इस नेतृत्व के विचार के खिलाफ खड़ा होता है, उसे जेल भेज दिया जाता हैं।

शुक्रवार को महँगाई के खिलाफ कांग्रेस पार्टी के अखिल भारतीय विरोध-प्रदर्शन से पहले, ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर अपनी प्रैस कॉफ्रेंस को सम्बोधित करते हुये, राहुल गांधी ने अपने पहले वाक्य में प्रश्न किया, ''भारत में तानाशाही की शुरूआत आपको कैसी लग रही हैं?''

राहुल गांधी ने एन्फोर्समेंट डायरेक्ट्रेट (ई.डी) द्वारा नेशनल हैरल्ड मनी-लॉन्डरिंग केस में उनसे तथा कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से की जा रही पूछताछ के बीच कहा, ''आज भारत में लोकतन्त्र नहीं है। आज, चार लोगों की तानाशाही हैं हम बेरोजगारी, मूल्य-वृद्धि तथा सामाजिक विभाजन के मुद्दे उठाना चाहते हैं। हमें संसद में बोलने नहीं दिया जाता हैं। हमे गिरफ्तार कर लिये जाते हैं।''

- **''आर.एस.एस. का पूर्ण नियंत्रण है, प्रजातंत्र के सभी ''इन्स्टिट्यूशन्स'' पर।''**
- **''इसलिये हम जो भी आंदोलन करते हैं, जनता के सामने प्रभावी तरीके से नहीं आता।''**
- **''बढ़ती महंगाई एक सच्चाई है, पर एक दूसरा ही परिदृश्य प्रस्तुत किया जा रहा है।''**
- **''लाखों लोग मरे कोविड के प्रकोप के दौरान, पर सरकार कहती है यह झूठ है।''**
- **''बेरोजगारी बढ़ रही है, पर सरकार इसे स्वीकार नहीं कर रही।''**
- **''हिटलर भी चुनाव जीतते थे, क्योंकि सारा इन्स्टिट्यूशनल ढांचा उनके नियंत्रण में था।''**
- **राहुल गांधी ने संसद के कॉम्पलैक्स में प्रदर्शन किया, पर जब वे 64 सांसदों के साथ राष्ट्रपति भवन की ओर अग्रसर हो रहे थे, उन्हें सांसदों के साथ विजय चौक पर गिरफ्तार कर लिया गया।**

गांधी ने ई.डी. के उल्लेख को टालते हुए सीधे सरकार पर आरोप लगाया तथा मीडिया कर्मियों को चुनौती दी कि वे जायें तथा उन ई.डी. अधिकारियों से पूछे जिन्होंने मुझसे पूछताछ की थी कि उन्हें पूछताछ में क्या मिला।

गांधी ने कहा, ''हम लोकतन्त्र को मरता हुआ देख रहे हैं। एक-एक ईंट को जोड़ते हुये, करीब एक सदी पहले जिस भारत का निर्माण शुरू हुआ था, वह आपके सामने ध्वस्त किया जा रहा है। जो भी व्यक्ति इस तानाशाही के विचार के खिलाफ खड़ा होता है, उस पर दुष्टता पूर्ण तरीके से हमला होता है तथा उसे जेल में डाल दिया जाता है। मूल बात यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नकली गांधी'

नयी दिल्ली, 5 अगस्त (वार्ता) संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नकली गांधी करार दिया।

जोशी ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, राहुल गांधी महात्मा गांधी के वंशज नहीं हैं, वह नकली गांधी हैं।

यह टिप्पणी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद आई जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उन पर हमला इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वह बेरोजगारी, मूल्य वृद्धि और सांप्रदायिक विभाजन जैसे मुद्दों पर सवाल उठा रहे हैं।

गांधी ने शुक्रवार सुबह कहा, वे गांधी परिवार पर हमला क्यों करते हैं? ऐसा इसलिए है क्योंकि हम एक विचारधारा के लिए लड़ते हैं और भारत में करोड़ों लोग हमारे साथ हैं। उन्होंने कहा ,मेरे परिवार ने अपने जीवन का बलिदान दिया है। हम इस विचारधारा के लिए लड़ते हैं। हम दर्द महसूस करते हैं जब भारत सांप्रदायिक आधार पर विभाजित होता है, जब किसी को दलित होने के लिए पीटा जाता है तो हमें दर्द होता है, जब एक महिला को पीटा जाता है, तो हम दर्द महसूस करते हैं , इसलिए हम लड़ते हैं,।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस बीच कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, वे संसद से लेकर सड़कों तक विरोध करें तो भी उनका भ्रष्टाचार छुपाया नहीं जा सकता, वे जांच एजेंसियों से क्यों डरते हैं? वे सड़कों पर आकर क्या छिपाने की कोशिश कर रहे हैं? देश भर में कांग्रेस नेताओं ने विभिन्न स्थानों पर और दिल्ली में संसद भवन और कांग्रेस मुख्यालय में विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित कांग्रेस के कई अन्य शीर्ष नेताओं तथा पार्टी के लगभग सभी सांसदों को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए नेताओं को शुक्रवार शाम रिहा कर दिया गया।

निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा अमृता अस्पताल फरीदाबाद में तैयार, मोदी करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, 5 अगस्त (वार्ता) देश का निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा अस्पताल सह-चिकित्सा महाविद्यालय अमृता अस्पताल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के फरीदाबाद इलाके में बनकर तैयार है, जिसका 24 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उद्घाटन करेंगे।

अमृता अस्पताल, फरीदाबाद के रेजीडेन्ट मेडिकल डायरेक्टर डॉ संजीव के सिंह ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि सेक्टर 88 में बना यह अस्पताल 2400 बिस्तरों का है और इसमें 81 विशेष विभाग स्थापित किये जा रहे हैं। अस्पताल में कैंसर, हृदय, तंत्रिका तंत्र, जच्चा-बच्चा देख-रेख, हड्डी रोग, प्रत्यारोपण, ट्रामा उपचार सहित चिकित्सा के आठ उत्कृष्टता केन्द्र भी होंगे। उन्होंने कहा कि यहां संक्रामक रोगों के उपचार के लिए देश की सबसे बड़ी सुविधा होगी। माता अमृतानंदमयी मठ के तत्वावधान में बने इस अस्पताल के उद्घाटन के मौके पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल और माता अमृतानंदमयी देवी भी मौजूद रहेंगी।

उन्होंने बताया कि एक करोड़ स्क्वायर फुट बिल्ट-अप क्षेत्र और 14 मंजिल वाले इस अस्पताल में चिकित्सा शिक्षा और पैरा-मेडिकल स्टाफ के शिक्षण-प्रशिक्षण के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं वाली फैकल्टी होंगी। इस अस्पताल में भारत के अलावा अमेरिका, ब्रिटेन और कुछ अन्य देशों के बेहतरीन चिकित्सों को नियुक्त किया गया है। चिकित्सकों और पैरा मेडिकल स्टाफ को 25 वर्ष पुराने अमृता अस्पताल, कोच्चि की व्यवस्थाओं के अनुरूप प्रशिक्षण दिया गया है।

डॉ सिंह ने बताया कि अस्पताल में मरीजों से उपचार के लिए वाजिब शुल्क लिया जायेगा और यह दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और अन्य कार्पोरेट अस्पतालों से निश्चित रूप से कम होगा। अस्पताल में गरीबों के लिए विशेष व्यवस्था की गयी है और ऐसे मरीजों की पहचान के लिए एक समिति निरंतर कार्यरत रहेगी।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में इस अस्पताल से लगभग 2000 लोगों को प्रत्यक्ष और 2000 अन्य लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। अस्पताल का पूरी क्षमता से संचालन शुरू हो जाने पर 10000 लोगों को रोजगार प्रदान करेगा और इसमें 800 से अधिक चिकित्सक कार्यरत होंगे।

डॉ सिंह ने बताया कि हरियाणा का अब तक का यह सबसे अधिक राशि का निवेश वाला प्रोजेक्ट है और इस प्रोजेक्ट से हरियाणा सरकार को अब तक वस्तु एवं सेवाकर के मद में 300 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

कोटपूतली में मास्टर प्लान के नाम पर संरचनाएं हटाने का मामला

न्यायालय ने दिए थे भूमि अवाप्त कर मुआवजा राशि देने के आदेश

कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली में मास्टर प्लान 2011 के अनुरूप मुख्य सड़कों को चौड़ा करने को लेकर स्थानीय नगर परिषद् प्रशासन ने एक बार फिर बिना भूमि अधिग्रहण किये व मुआवजा राशि तय किये ही संरचनायें ध्वस्त करने को लेकर व्यापारियों के लिए 24 घंटे में संरचनायें हटाने का तुगलकी फरमान जारी किया है।

इसको लेकर नगरपरिषद् प्रशासन ने राजमार्ग से लेकर पुरानी नगर पालिका तिराहा एवं बानसूर रोड से पूतली कट तक सडक को चौडा किये जाने की कार्यवाही को लेकर संरचनाओं पर शुक्रवार सुबह 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए नोटिस भी चस्पा किये है। इसके बाद व्यापारियों व रिहायशी मकान मालिकों में एक बार फिर हड़कम्प मच गया है। जिसको लेकर पुरानी नगर पालिका तिराहे पर प्रभावितों द्वारा धरना प्रदर्शन शुरू किया। वहीं दूसरी ओर शनिवार को प्रस्तावित नगर परिषद् की कार्यवाही के विरोध में व्यापारी एवं सम्पत्ति मालिक लामबंद होते हुए दिखाई दिये। व्यापारी संघर्ष समिति के अध्यक्ष किशोरी लाल शर्मा, भाजपा नेता मुकेश गोयल, पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना की अगुवाई में बड़ी संख्या में व्यापारीगण धरने पर भी बैठ गये साथ ही नगर परिषद् द्वारा प्रस्तावित कार्यवाही का विरोध भी करने लगे। इस सम्बंध में व्यापारियों ने रैली निकालकर उपखण्ड कार्यालय पहुँचकर तहसीलदार सूर्यकान्त शर्मा को एसडीएम के नाम ज्ञापन भी सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि नगर परिषद् द्वारा 24 घण्टे में सामान हटाने एवं भवन संरचना हटाने के नोटिस जारी किये गये है जबकि 8 माह पूर्व भी इसी प्रकार तुरन्त खाली करने के नोटिस दिये गये थे। इस संबंध में राजस्थान हाईकोर्ट में दायर की गई रिट में न्यायालय ने विधिक प्रक्रिया अपनाकर अधिग्रहण करते हुए निर्माण हटाने के निर्देश दिये थे। जबकि जिन लोगों के पट्टे निरस्त किये गये है, उन लोगों से इस सम्बंध में स्थगन आदेश भी लिए हुए है। नगर परिषद् उन सभी पक्षकारों को छोडकर जो निर्माण तोडने पर आमदा है वह विधि संगत नहीं है। बताया जा रहा है कि दोनों मार्गो को क्रमश: 80 व 60 फिट चौड़ा किया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि विगत दिसम्बर 2021 में भी उक्त कवायद के चलते आम नोटिस व व्यक्तिगत नोटिस के माध्यम से दोनों मार्गो को चौड़ा करने की कार्यवाही शुरू की गई थी। जिसके विरोध में एक ओर जहाँ धरना प्रदर्शन शुरू हो गया था। वहीं सम्पत्ति मालिकों ने उक्त कार्यवाही को विधि विरूद्ध बताते हुए राजस्थान हाईकोर्ट में याचिकायें दायर की थी। जिस पर न्यायालय ने नगर परिषद् को व्यक्तिगत सुनवाई करते हुए 30 दिवस में विस्तृत एवं सकारण आदेश पारित करने व तब तक याचीगण के विरूद्ध कोई कार्यवाही ना करने के निर्देश दिये गये थे। साथ ही नगर परिषद् को मौका एवं दस्तावेजों की जाँच के लिए भी निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में नगर परिषद् ने प्रभावित लोगों को दिये गये नोटिसों के मिले जवाबों व दस्तावेजों के आधार पर कई पट्टे निरस्त भी किये थे। जिसके बाद अब नगर परिषद् द्वारा संरचनाओं को हटाने की कार्यवाही की जा रही है।

जानकारी अनुसार निर्माण हटाने को लेकर नगर परिषद् द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। इसको लेकर जेसीबी के साथ-साथ पोकलैण्ड मशीन आदि भी मंगवाई गई है। साथ ही जयपुर से एसटीएफ की एक कम्पनी को भी कोटपूतली भेजा गया है। वहीं कोटपूतली समेत चार थानों का जाप्ता भी मौके पर तैनात रहेगा। आयुक्त फतेह सिंह मीणा ने बताया कि जिन चार लोगों को उच्च न्यायालय द्वारा स्टे दिया गया है। उनके निर्माण छोडकर शेष सभी निर्माण पूर्व निर्धारित चौड़ाई के अनुसार हटाये जायेगें। शुक्रवार को प्रस्तावित कार्यवाही को लेकर एडीएम जगदीश आर्य की अध्यक्षता में एसडीएम ऋषभ मंडल, तहसीलदार सूर्यकांत शर्मा, एएसपी विधा प्रकाश, डीएसपी डॉ. संध्या यादव, एसएचओ सवाई सिंह आदि की बैठक का आयोजन भी हुआ। वहीं पालिका तिराहे पर भारी संख्या में पुलिस जाप्ता भी तैनात रहा।

स्थानीय प्रशासन द्वारा कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए 50 से अधिक जनप्रतिनिधियों व व्यापारियों को 107/116 के तहत नोटिस जारी करते हुए शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पांबद किया है। थाना प्रभारी सवाई सिंह ने भी नोटिस जारी करते हुए कहा है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा इस सम्बंध में कोई अफवाह या भ्रामक तथ्य सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाया गया तो उसके विरूद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही की जायेगी। इधर परिषद् की सम्भावित कार्यवाही को देखते हुए शुक्रवार को दिन भर बाजार बंद देखे गये। वहीं शाम होते-होते बडी संख्या में व्यापारीगण स्वयं ही दुकानों से सामान भी खाली करने लगे।

नगर परिषद् की कार्यवाही से करीब 500 दुकान व मकान मालिक तथा 700 किराएदार बेघर होने की कगार पर हैं। अब देखना यह होगा कि आखिर नगरपरिषद् द्वारा की जा रही कार्यवाही शांतिपूर्ण रहेगी या फिर यह दिन कोटपूतली के इतिहास के लिए नया अध्याय बनेगा।

कोटपूतली में प्रशासन ने अतिक्रमण को चिहिन्त कर मौके पर ट्रैक्टर व जेसीबी तैनात किए।

- नगर परिषद् आयुक्त का तुगलकी फरमान, 24 घंटे में संरचनाएं तोड़ने के नोटिस चस्पा किए
- प्रशासन ने 50 से अधिक लोगों को थमाए 107/116 के नोटिस
- नगर परिषद् की कार्यवाही से करीब 500 दुकान व मकान मालिक तथा 700 किराएदार बेघर होने के कगार पर

टाइल्स फैक्ट्री में लगी आग

जोधपुर, (कासं)। शहर के काजरी रोड पर एमआइए के पास में आई एक टाइल्स फैक्ट्री में गुरूवार की रात को भीषण आग लग गई। आग को काबू करने में तीन घंटे से ज्यादा समय लगा। आठ दमकलों ने मिलकर इस आग पर काबू पाया। देर रात तक एक दमकल की गाड़ी वहां ऐहतियात के तौर पर खड़ी रखी गई। आग से हुए नुकसान का फिलहाल आंक लन नहीं किया जा सका है। दमकल सूत्रों ने बताया कि काजरी रोड पर एमआइए के समीप सोमानी टाइल्स आई है। रात पौने आठ बजे के आस-पास इसमें आग लगने की सूचना मिली। इस पर शास्त्रीनगर से दमकल को भेजा गया। मगर आग की तीव्रता को देखते हुए बाद में नागौरीगेट और बासनी से भी दमकलों को बुलाया गया। फैक्ट्री का मालिक जेडीए मेहता- अर्जुनराज मेहता बताया गया है। आग संभवत : शार्ट सर्किट से लगी थी। दमकल सूत्रों के अनुसार आग से हुए नुकसान के बारे में अभी नहीं बताया गया है। फैक्ट्री में टाइल्स का काम होता है।

- आठ दमकलों ने पाया आग पर काबू

खाद पाने के लिए घंटों लाइन में लगे किसान

पावटा में खाद की रैक पहुंचने पर किसानों की भीड़ उमड़ी।

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा के कोऑपरेटिव सहकारी समिति कार्यालय पर यूरिया खाद वितरण की खबर लगते ही किसानों की लंबी कतार लग गई। लोगों की भीड़ को देखते हुए कोऑपरेटिव सहकारी समिति व कृषि विभाग द्वारा लोगों के खडे रहने व गाडी के खडी रहने की जगह को लेकर किले पर खाद वितरण किया गया। जहाँ खाद लेने के लिए किसान घंटों तक लाइन में लगे रहे। पावटा जीएसएस डायरेक्टर नीरज सैन ने बताया कि प्रत्येक किसान को दो बैग यूरिया का वितरण किया गया। जिससे सभी लोगों को पर्याप्त मात्रा में कृषि कार्यों के लिए खाद उपलब्ध हो सके। वही कैलाश चन्द्र यादव व्यवस्थापक ग्राम सेवा सहकारी समिति पावटा ने बताया कि शाहपुरा क्रय विक्रय सहकारी समिति से प्राप्त कुल 800 कट्टों में से 400 कट्टे ग्राम सेवा सहकारी समिति पावटा के कर्मचारियों द्वारा एवं 400 कट्टे क्रय विक्रय सहकारी समिति पावटा के कर्मचारियों द्वारा वितरित किए गए।

कृषि पर्यवेक्षक ने किसानों से मांगे रुपए, लेने से पहले ही एसीबी ने दबोचा

हनुमानगढ़ , ((निसं)। ग्राम पंचायत मलवानी के घूसखोर कृषि पर्यवेक्षक की गिरफ्तारी के बाद कई अहम खुलासे हुए हैं। ग्राम पंचायत मलवानी के घूसखोर कृषि पर्यवेक्षक ने इलाके के कुछ अन्य किसानों से भी सम्पर्क किया था। यह जानकारी एसीबी की ओर से अन्य किसानों से हुई पूछताछ के बाद सामने आई है। पूछताछ में अन्य किसानों ने एसीबी को जानकारी दी कि आरोपी कृषि पर्यवेक्षक का उनसे रुपयों का लेन-देन नहीं हुआ था।

परिवादी सतवीर (45) पुत्र हरीराम जाट निवासी रतनपुरा तहसील नोहर की कृषि भूमि मलवानी ग्राम में है। परिवादी ने अपनी कृषि भूमि में डिग्गी निर्माण के लिए ई मित्र नोहर से कृषि विभाग में आवेदन किया था । करीब 10-15 दिन पहले कृषि पर्यवेक्षक दयाराम का परिवादी के पास फोन आया और बताया कि उसने उनका चयन खेत में डिग्गी निर्माण के लिए करवा दिया है। वे मलवानी गांव में आकर उससे मुलाकात करें। इस पर परिवादी सतवीर कृषि पर्यवेक्षक दयाराम के पास गया तो उसने परिवादी से रिश्वत की मांग की। रिश्वत नहीं देने पर उसने फाइल निरस्त करने की धमकी दी। जिसके बाद 20 हजार रुपए देने की बात तय हुई।

एसीबी हनुमानगढ़ के पुलिस निरीक्षक सुभाष ढिल ने बताया कि आरोपी कृषि पर्यवेक्षक दयाराम (55) पुत्र रामेश्वर निवासी ग्राम बरवाली तहसील नोहर भूतपूर्व सैनिक था। वह 2002 में सेवानिवृत्त हुआ था जो 2005 में कृषि पर्यवेक्षक के पद पर तैनात हो गया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को आरोपी को एसीबी कोर्ट श्रीगंगानगर में पेश किया गया। जहां कोर्ट ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

- पर्यवेक्षक का अन्य मामलों में किसानों से हुआ लेनदेन

हरियाणा रोडवेज की चलती बस पर हवाई फायरिंग व पत्थरो से हमला

पुलिस ने मौके पर पहुंच मामले की जांच की।

पावटा, (निसं)। हरियाणा रोडवेज की बस में बैठे लोग तब सहम गए, जब अचानक उन पर दो गाडियों में सवार लोगों ने हवाई फायरिंग व पथराव शुरू कर दिया। दरअसल ओल्ड राव होटल के पास जयपुर से नारनौल जा रही हरियाणा रोडवेज की बस पर फॉर्चुनर व हेरियर गाडी में आए बदमाशों ने हवाई फायरिंग व पथराव कर दिया और मौके से फरार हो गए।

फिलहाल भाबरु, प्रागपुरा पुलिस मामले की जांच कर रही है कि आखिर बस पर हवाई फायरिंग व पथराव क्यों किया गया था। घटना गुरुवार रात करीब 9.30 बजे की बताई जा रही है । हवाई फायरिंग व पथराव से हरियाणा रोडवेज बस के पीछे का शीशा टूट गया। अचानक हुई घटना से सहमे ड्राइवर-कंडक्टर ने गाडी को तेज गति से चलाकर प्रागपुरा थाने की शरण ली।

हरियाणा रोडवेज के परिचालक गुलशन के अनुसार मनोहरपुर टोल टैक्स से हरियाणा रोडवेज व फॉर्चूयूनर गाडी में सवार लोगों में हरियाणा रोडवेज के साइड दबाने पर विवाद शुरू हुआ था। जिस पर आपस में कहासुनी व हाथापाई के बाद शाहपुरा थाना पुलिस द्वारा राजीनामा करवाने के बाद दोनों को वहा से रवाना कर दिया गया। उसके बाद फॉर्चूयूनर गाडी में सवार लोगों ने अपने साथियों को फोन करके बुलाया हरियाणा रोडवेज का पीछा किया व ओल्ड राव होटल के पास आकर बस पर हवाई फायरिंग व पथराव शुरू कर दिया। प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह यादव मय जाप्ता हरियाणा रोडवेज को पुलिस सुरक्षा देते हुए मौके पर ले गए। जहां पर शाहपुरा वृत्ताधिकारी सुरेंद्र सिंह कृष्णीया, शाहपुरा थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह, भाबरु थाना प्रभारी अतर सिंह, प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह यादव ने मौके पर जाकर मौका मुआयना किया।

दिल का दौरा पड़ने से पर्यटक की मौत

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर शहर के एक नामी तीन सितारा होटल के स्विमिंग पूल में दिल का दौरा पडने से पर्यटक की मौत हो गई। युवक को जवाहर चिकित्सालय लाया गया। जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित किया। चिकित्सकों ने मौत का कारण हार्ट अटैक बताया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक अनुप कुमार पुत्र प्रताप कुमार 27 वर्ष अपने तीन दोस्तों के साथ जैसलमेर घूमने के लिए आया था जो कि होटल हेरिटेज इन में रुके हुए थे और शुक्रवार दोपहर को अपने दोस्तों के साथ स्विमिंग पूल में नहाते वक्त अचानक दिल का दौरा पड गया। जिस पर जवाहर अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने अनुपकुमार को मृत घोषित कर दिया । मृतक के एक दोस्त ने बताया कि आज सुबह से ही अनूप के के सीने में दर्द हो रहा था मगर उसे गंभीरता से नहीं लिया और नहाते वक्त अचानक दिल का दौरा पड गया और अनूप की मौत हो गई । दुर्घटना की पुलिस को सूचना दी गई जिस पर कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एनएच 48 पर जल भराव से आमजन परेशान

राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर बारिश मे भरा पानी।

पावटा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर बरसात के पानी के भराव व उसकी निकासी नहीं होना एनएचआई अधिकारियों व प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है। पावटा में बावडी मोड के पास मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर बरसात का पानी जमा होने से राहगीरों, यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पानी निकासी के लिए नाला तो बनवा दिया गया है लेकिन नाले की सफाई नहीं होने के कारण जल निकासी नहीं हो पाती व थोडी सी बारिश से ही सडक पर बरसात का पानी भर जाता है व तालाब का रूप ले लेता है।

ग्रामीण विष्णु शर्मा ने बताया कि राजमार्ग पर बरसातत का पानी भर जाने से आने जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सड़क निर्माण विभाग व प्रशासन को अवगत करवाने के बाद भी वह इसे अनदेखा कर रहे हैं। राजमार्ग पर पानी भरा होने के कारण जगह-जगह बडे-बडे गड्ढे बन गए हैं।

- एनएचआई अधिकारियों व प्रशासन को अवगत करवाने के बाद भी नहीं हो रहा समस्या का समाधान

सोलर प्लांट लगाने के नाम पर ठगी

जोधपुर, (कासं)। शहर देवनगर पुलिस थाना क्षेत्र में शास्त्रीनगर निवासी एक व्यक्ति के साथ सोलर प्लांट लगाने के नाम पर लाखों की ठगी कर ली गई। पीडित ने देवनगर थाने में रिपोर्ट दी है। बुधवार को भी एक प्रकरण नामजद आरोपी के खिलाफ भगत की कोठी थाने में दर्ज हुआ था। देवनगर पुलिस ने बताया कि शास्त्रीनगर निवासी राजेंद्र कुमार की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि बोंबे मोटर्स के पास में सोलर प्लांट लगाने का कारोबार करने वाले धर्मेंद्र पंवार ने उससे सोलर प्लांट लगाने के नाम पर रूपए ऐंठ लिए।

दो ट्रेनों में बढाये डिब्बे

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जितेन्द्र मीणा ने बताया कि गाडी संख्या 20843/ 20844, बिलासपुर-भगत की कोठी रेलसेवा में बिलासपुर से 15 से 30 अगस्त तक तथा भगत की कोठी से 18 अगस्त से 02 सितम्बर तक 01 थर्ड एसी डिब्बे की अस्थाई बढातरी की जा रही है। इसी प्रकार गाडी संख्या 20845/ 20846, बिलासपुर-बीकानेर-बिलासपुर रेलसेवा में बिलासपुर से 18 से 27 अगस्त तक तथा बीकानेर से 21 से 30 अगस्त तक 01 थर्ड एसी डिब्बे की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

सुंधामाता तलहटी पर साधु ने की आत्महत्या

भीनमाल विधायक पूराराम चौधरी पर लगाया परेशान करने का आरोप

रानीवाड़ा/ जसवंतपुरा, (निसं)। जसवंतपुरा पुलिस थाने के अंतर्गत सुंधा माता तलहटी पर एक आश्रम में शुक्रवार को साधु ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को मिले सुसाइड नोट में भीनमाल विधायक पूराराम चौधरी सहित कुछ और लोगों को आरोपित किया है।

थानाधिकारी मनीष सोनी ने बताया कि तलहटी पर स्थित एक आश्रम में आज सुबह एक साधु जिसका नाम रविनाथ (60) है, उसने पेड पर फंदा लगाकर लटक कर आत्महत्या कर ली है।

पूरे मामले के पीछे जमीन का विवाद सामने आ रहा है। ऐसी जानकारी मिली है कि आश्रम के पीछे भीनमाल विधायक पूराराम सहित कुछ लोगों की जमीन आई हुई है, परंतु डामर सडक से रास्ता नहीं होने एवं साधु के आश्रम में से रास्ता लेने को लेकर विवाद चल रहा है। तीन दिन पहले विधायक पूराराम के व्यक्तियों ने मौके पर पहुंचकर आश्रम में से खाई खोदने का प्रयास किया था। इसी विवाद के चलते साधु रविनाथ ने सुसाइड लिखकर आत्महत्या कर ली है।

घटना सूचना पर जसवंतपुरा थानाधिकारी मनीष सोनी मय जाब्ता मौका स्थल पर पहुंचे व उच्चाधिकारियों को सुचित करने पर जसवंतपुरा उपखण्ड अधिकारी राजेन्द्रसिंह, भीनमाल उपखण्ड अधिकारी जवाहराराम चौधरी,सांचौर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दशरथसिंह, सांचौर उपाधीक्षक रुपसिंह, भीनमाल थानाधिकारी लक्ष्मणसिंह, करडा थानाधिकारी अमरसिंह सहित भीनमाल जालौर का अतिरिक्त पुलिस जाब्ता घटना स्थल पर पहुंचे व संत के लटकते शव को नीचे उतार कर पोस्ट मार्टम के लिए भेजने की समझाइस की गई । मगर मौके पर उपस्थित सैकडो लोगों ने विधायक एवं सम्मलित लोगों को पहले गिरफ्तार करने के लिये अडे रहे। मौके पर जसवंतपुरा, रानीवाडा व भीनमाल पुलिस थाने का जाब्ता मौजूद है। साधु के भक्तों ने अंतिम संस्कार करने से पूर्व पुलिस के द्वारा जब्त सुसाइड नोट को ओपन करने की मांग की है। आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने के बाद अंतिम संस्कार करने की बात की जा रही है।

सांचौर डीएसपी रूप सिंह इंदा सहित पुलिस अधिकारी साधु के भक्तों से समझाइस कर रहे हैं। मौके पर भीड़ जुटनी शुरू हो गई है। इस मामले में भीनमाल विधायक पूराराम चौधरी ने बताया कि उसकी खातेदारी जमीन सुंधा माता तलहटी के पास हनुमान आश्रम के पास आई हुई है। जिसे 30 सालों पूर्व खरीदा था। उसमें रिसॉर्ट बनाने की कार्यवाही जारी है। उसकी नियमानुसार पैमाईश की इजाजत तहसीलदार से लेने के बाद कल पटवारी के द्वारा मौके पर जमीन नपवायी थी। हनुमान आश्रम रास्ते के लिए मैंने मेरे खातेदारी में से जमीन छोड़ी है। पुलिस की मौजूदगी भी कल रही। आत्महत्या के मामले की जांच होनी चाहिए। दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए। साधु के साथ न्याय होना चाहिए। मुझे तो इसमें हत्या का मामला प्रतीत होता है। हमने तो 2 दिनों से साधु के साथ राजी खुशी खेत को नपवाया था। हमारे बीच में कोई विवाद नहीं था। उनके कहने से मैंने मेरी खातिरदारी में से रास्ते के लिए भूमि छोडी है। जो मौके पर पडी है। मुझे इसमें साजिश लगती है।

जालोर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया की आज सुबह 6 बजे मिली जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची। अंतिम संस्कार के लिए आश्रम वालो व भक्तों से समझाइश चल रही है। सुसाइड नोट में क्या है उसका खुलासा नहीं किया जा सकता। जांच प्रभावित हो सकती है। आश्रम से रिपोर्ट आने पर दर्ज कर न्याय दिलाया जायेंगा।

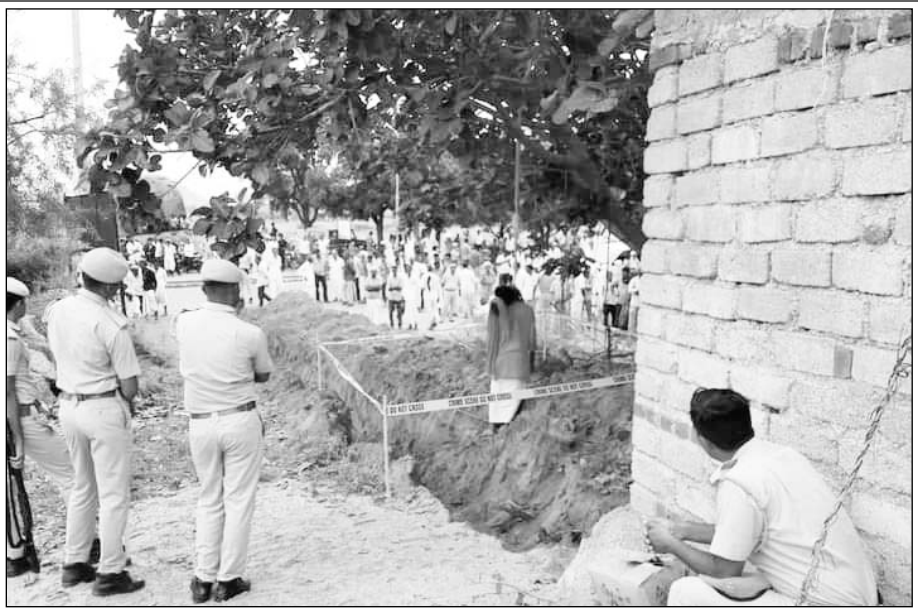

सुंधा माता तलहटी पर साधु के सुसाइड करने के बाद भीड़ ने गिरफ्तारी की मांग की।

- आश्रम में से रास्ता लेने को लेकर चल रहा था विवाद

युवक को धमकाने के लिए बीकानेर में फिर से फायरिंग

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर में पिछले एक साल में फायरिंग की अधिकांश घटनाएं जस्सूसर गेट और इसके आस-पास के क्षेत्रों में हो रही हैं । देर रात एक बार फिर यहां पुलिस चौकी से कुछ ही दूरी फायरिंग हुई, जिसके बाद पुलिस दो संदिग्ध युवकों की तलाश करते हुए धरपकड़ कर रही है। शुक्रवार सुबह तक पुलिस के हाथ कोई नहीं लग पाया।

दरअसल, देर रात जस्सूसर गेट पर पुराने लेन-देन के मामले में हनुमान सोनी को धमकाने के लिए दो युवक आए थे। इन युवकों ने सोनी पर हमला करने की नियत से फायरिंग कर दी। जस्सूसर गेट के ठीक सामने उस वक्त सैकड़ों की संख्या में लोग आ-जा रहे थे। दुकानें खुली थी। ऐसे में वहां भगदड़ मच गई। फायरिंग करके दोनों युवक वहां से फरार हो गए। जानकारी मिलने पर नयाशहर पुलिस मौके पर पहुंची, बाद में एडिशनल एसपी अमित बुडानिया भी मौके पर आए। मौके से कारतूस, फायरिंग के छर्रे सहित कई सबूत खंगालने के लिए दर्जनभर से ज्यादा पुलिसकर्मी जुटे रहे।

नयाशहर थानाधिकारी गोविन्द सिंह चारण ने बताया कि हनुमान सोनी पर हमले के मामले में विष्णु साध और विक्की की तलाश की जा रही है। ये दोनों अब तक पुलिस के हाथ नहीं लगे हैं।

MAHARAJ VINAYAK GLOBAL UNIVERSITY
(Dhand, Tehsil-Amer, Jaipur Delhi National Highway No. 11C, District-Jaipur, Rajasthan, India-302028
REQUIREMENT
The University requires following teaching faculty for the proposed M.Ed./B.Ed.-M.Ed. integrated programmes:-
(1) Professors (2) Associate Professors
(3) Assistant Professors (4) Tutors
Note:-
(1) Qualification and Experience as per NCTE Regulations.
(2) Salary as per UGC/NCTE and is negotiable.
(3) Eligible Candidates should send CV alongwith all relevant qualification documents & experience certificate on Email I.D. hr@mvgu.ac.in within five (05) days of date of advertisement.
(4) Preference will be given to NET/Ph.D. (Education) Qualified Candidates. Registrar

सार-समाचार

स्तनपान पर व्याख्यान

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज में स्तनपान पर अतिथि व्याख्यान स्तनपान सप्ताह के अवसर पर सामुदायिक चिकित्सा विभाग, जीएमसीएच ने बेसिक हेल्थकेयर सर्विसेज की ओर से डॉ. गार्गी गोयल द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। सत्र की अध्यक्षता जीएमसीएच के डीन डॉ डी.सी कुमावत ने किया। इस अवसर पर डॉ हेमलता मित्तल, डॉ अंजना वर्मा, डॉ ज्योति जैन, डॉ जिग्नासा पटानी, डॉ सुरेश चौधरी, डॉ जितेंद्र हिरानी उपस्थित थे।

धोखाखड़ी का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। व्यापार बढ़ाने का झांसा देकर पीड़ित से नकदी हड़पवने वाली कंपनी के खिलाफ भुपालपुरा थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी केअनुसर पीड़ित सुभाषनगर ओरियन्टल पैलेस के सामनेस्थित एकलस्वामी अनेामल आर्गेनिक लि. के प्रतीत दक पुत्र सुरेन्द्र कुमार ने व्यापार भारत डोट कॉम नामक कंपनी के मैनेजर सोमी अली केअलावा निदेशक प्रियंका, देव ट्रिक्स प्रा. लि. टाप फ्लोर शंकर गार्डन विकासपुरी दिल्ली के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। कि मैं आर्गेनिग उत्पाद का कारोबार करता हूं। आरोपी सोमी अली व साथियों ने संपर्क किया तथा व्यपार बढ़ाने के लिए कंपनी का सदस्य बनने छह ग्राहक देने की बात कही। इस पर मैने 30 हजार रूपये जमा करवाए तो मोरिसस की एलिजाबेथ ने संपर्क किया। बातचीत होने पर उसने व्यापार के लिए ट्रेड बीमा होने की बात कही। इस पर आरोपी कंपनी से संपर्क कर रूपये जमा करवाए। एलीजाबेथ ने एक्प्रेस कार्ड से पैसा ट्रारंसफर नहीं होने की बात कहते हुए गेटवे उपलब्ध करवाया। कुछ समय बाइ बैक खाते में रूपये ट्रांसफर नहीं होने का हवाला देते हुए लिमिट बढ़ाने के लिए कहा। इस पर आरोपी कंपनी को टुकड़ों टुकड़ों में 1 लाख 6 हजार रूपये का भुगतान किया लेकिन आज दिन ग्राहक नहीं बढ़े। इस पर आरोपियों से संपर्क किया तो मोबाईल बंद मिला। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

छेड़छाड का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थाना पुलिस ने महिला के साथ छेड़छाड़ करने वाले के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता ने आरोपी आवरीमाता कच्ची बस्ती निवासी पुष्कर पुत्र नरेश बुनकर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। आरोपी आए दिन मेरा पिछा कर परेशन करता है तथा छेड़छाड़ करता है। 2 गसत को मैं घर से ऑटों में बैठ कर जा रही थी। इसको देख पिछा कर आरोपी ने मुझे ऑटों से निचे उतार कर छेड़छाड़ की। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपी ने एक माह पूर्व शराब के नशे में मकान से पकड़ कर थाने लेजाकर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए वीड़ियों वायरल कर जिला पुलिस अधीक्षक को शिकायत की थी। । इसको लेकर जिला पुलिस अधीक्षक ने सूरजपोल पुलिस थानेमेंतैनत कांस्टेबल ओमप्रकाश को निलंबित कर दिया था एवं तीन अन्य पुलिस कर्मियों को लाईन हाजिर कर दिया था।

युवक ने की आत्महत्या

उदयपुर, (कासं)। शहर के भुपालपुरा थाना क्षैत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कृष्णपुरा पीपल के पास भुपालपुरा निवासी कैलाश (34) पुत्र शंकरलाल तेली ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। कैलाश गुरूवार रात पत्नी व बच्चों के साथ सोया था। दूसरे दिन वह अन्य कमरें में फंदे पर लटका हुआ मिला। इसकी सूचना मिलने पर एएसबाई बद्रीलाल ने मौके पर पहुंच कर मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

मादक पदार्थ जब्त, आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रातपनगर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार उसके कब्जे से एमडीएमए मादक पदार्थ जब्त किया। जिलापुलिस अधीक्षक विकास कुमार शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर चन्द्रशील ठाकुर, पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के सुपरविजन में चलाए जारहे तलाशी अभियान के दौरान प्रतापनगर थानाधिकारी दर्शनसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने गुरूवार रात में नाकाबंदी के दौरान प्रतापनगर चौराहे पर उथनोल नाथद्वारराजसमंद हॉल नकोड़ानगर प्रतापनगर निवासी हरिशंकर पुत्र नवलराम को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से 7.49 ग्राम अवैध एमडीएमए जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

अपहरण कर मारपीट की

उदयपुर, (कासं)। शहर के नाई थाना पुलिस ने कार में सवार आरोपियों के खिलाफ पीड़ित का अपहरण कर मारपीटकरने का मामल दर्ज किया। पुलिस ने प्राप्त जानकारी के अनुसार नया गांव जावद नीमच एमपी निवासीअभिषेक शुक्ला पुत्र ओमप्रकाश शुक्ला ने आरोपी नया गांव निवासी मुकेश जाट, बालू माली व साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। कि मैं व चित्तौड़गढ़ निवासी साथी शहर भ्रमण के लिए आए तथा आरावली विला होटल में ठहरे थे। 26 जुलाई को सज्जनगढ़ रोड़ पर घुमने के लिए गए थे। इस दौरान आए कार लेकर आए आरोपियों ने कार में डाल कर अपहरण कर ले गए तथा साथी के साथ मारपीट की। इस पर घटना के बाद गांव पहुंचने पर चित्तोड़गढ़ पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जहां से जीरो एफआईआर दर्ज होने के बाद नाई थाने पहुंची है। प्रकरण की जांच थानाधिकारी साबीर खान कर रहे है।

वाकपीठ का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झामर कोटडा में कुराबड ब्लॉक की सत्र आरंभ वाकपीठ का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि सीडीईओ पुष्पेंद्र शर्मा, द्वारा उदयपुर जिले की रैंकिंग सुधारने पर जोर दिया परमेश्वर श्रीमाली, एडीपीसी चंद्रशेखर जोशी, सीबीओ कुंज बिहारी भारद्वाज अतिथि के रुप में उपस्थित रहे।

रोजगार सृजन के साथ कौशल विकास में माइनिंग सेक्टर का योगदान अहमः चांदना

उदयपुर, (कासं)। खेल, युवा मामले और जनसंपर्क राज्य मंत्री अशोक चांदना शुक्रवार को उदयपुर में एक दिवसीय दौरे पर रहे। उन्होंने होटल लेकेंड में फिग्सी द्वारा आयोजित 'अर्थव्यवस्था को गति देने एवं अर्थव्यवस्था में खनन क्षेत्र के योगदान' विषय पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मंत्री अशोक चांदना ने इस दौरान कहा कि माइनिंग सेक्टर का बडी संख्या में रोजगार सृजन एवं कौशल विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में ग्राहक संतुष्टि महत्वपूर्ण है एवं माइनिंग क्षेत्र को इस दिशा में निरंतर कार्य करना होगा। अपने वक्तव्य में उन्होंने आमजन से जुडने के लिए सोशल मीडिया की अहमियत पर भी प्रकाश डाला।

अशोक चांदना ने कहा कि प्रदेश के मुखिया अशोक गहलोत समाज के हर वर्ग के लिए चिंतित रहते हैं एवं हर वर्ग के लिए उनके दिल के दरवाजे खुले हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मानव संवेदनाओं को समझते हैं एवं प्रदेश में कई कल्याणकारी योजनाएं चला रहे हैं।

उदयपुर के में फिग्सी द्वारा आयोजित कॉन्फ्रेंस को मंत्री अशोक चांदना ने संबोधित किया।

उन्होंने बताया कि कोरोना काल के दौरान भी मुख्यमंत्री ने साधू, संतों, विपक्ष के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, स्वयं सेवी संस्थाओं आदि को साथ लेकर कार्य किया।

मंत्री अशोक चांदना ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर को बढावा देने एवं निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार दिन-रात प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि व्यवसाइयों को तीन वर्षो तक कई अनुमतियों एवं औपचारिकताओं से छूट प्रदान की गई है जिससे निवेश बढा है। मंत्री श्री अशोक चांदना ने कहा कि मुख्यमंत्री प्रदेश में अधिकाधिक निवेश लाने के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं एवं प्रदेश में व्यवसाइयों हेतु अनुकूल वातावरण निर्मित हुआ है। कॉन्फ्रेंस में राजस्थान लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राजीव अरोडा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की पहल पर व्यवसाइयों को प्रोत्साहित करने हेतु कई योजनाएं चलाई गई है जिससे कि व्यवसाय हेतु प्रदेश में सकारात्मक माहौल बना है। इससे अन्य देशों और प्रदेशों के निवेशक भी राजस्थान की ओर रुख कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेश में उद्योगों को प्रोत्साहन देने हेतु किये जा रहे नवाचारों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यत्रम में फिग्सी के संयुक्त सचिव खलित भंडारी, अध्यक्ष इशविंदर सिंह, आईएएस के बी पंडया निदेशक माइंस एंड जियोलोजी विभाग, अक्षदीप माथुर सेक्रेटरी जनरल फेडरेशन ऑफ माइनिंग एसोसिएशन ऑफ राजस्थान, मनोज कुमार सिंह अध्यक्ष स्टोन 2023 सहित कई उद्योगपति एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

100 पौधे लगाए

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौधोगिकी विवि के छात्र कल्याण निदेशालय छात्र कल्याण निदेशालयालय के तत्वाधान में क्रीडा मण्डल के विवि पवेलियन सी.टी.ए.ई. मैदान एवं छात्र कल्याण निदेशालय कार्यालय, सुरजपोल पर 100 पौधे लगाए। पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विवि के कुलपति डा. नरेन्द्र सिंह राठौड ने पवेलियन छोर से प्रातः 11 बजें पहला पौधा लगाकर शुभारम्भ किया। छात्र कल्याण निदेशक डा. मुरतजा अली सलोदा नें बताया कि सरकारी आदेश एवं कुलपति की प्रेरणा से विवि स्तर पर पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति डा. नरेन्द्र सिंह राठौड ने पर्यावरण संरक्षण के मध्यनजर उक्त कार्यक्रम की महश्रता को उजागर करतें हुए विश्व स्तर पर हो रहें ग्लोबल वार्मिग को ध्यान में रख हमें पौधा को लगाना चाहिए।

महंगाई के विरोध में प्रदर्शन

उदयपुर, (कासं)। शहर एवं देहात कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में बढती हुई महंगाई, बेरोजगारी एवं आवश्यक सामान पर जी.एस.टी के विरोध में निवर्तमान अध्यक्ष गोपाल कृष्ण शर्मा, देहात जिलाध्यक्ष लालसिंह झाला के नेतृत्व में जिलाधीश कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन एवं गिरफ्तारी कीं।

कांग्रेस प्रवक्ता फिरोज अहमद शेख ने बताया की पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरजा व्यास ने कहा कि देश में लोकतंत्र की हत्या हो रही है। लगातार बढती महंगाई से आम लोगो का जीना दुबर हो गया। महंगाई के खिलाफ उठी आवाज को मोदी सरकार कुचलने की साजिश रच रही है।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य एवं पूर्व सांसद रघुवीर मीणा ने इस अवसर पर कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, एवं जी.एस.टी की लूट आदि के खिलाफ कांग्रेस संघर्ष करती रहेगी।

उदयपुर में महंगाई के विरोध में कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया।

केन्द्र की मोदी सरकार इन चीजों से ध्यान भटकाने में लगी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी एवं सोनिया गांधी को सरकारी ऐजेन्सीयों के द्वारा परेशान किया जा रहा है। विरोध प्रदर्शन एवं गिरफ्तारी के अवसर पर पंकज कुमार शर्मा, सुरेश श्रीमाली, दिनेश श्रीमाली, मांगीलाल गरासीया, सज्जन कटारा, फतेहसिंह राठौड़, नजमा मेवाफरोश, विरेन्द्र वेष्णव, विवेक कटारा, पूरण मेनारिया, राजीव सुहालका, खोबीलाल मेनारिया, चन्दा सुहालका, उषा गुप्ता, असरार अहमद, रियाज हुसैन, लक्ष्मीनारायण पण्डया, पार्षद फिरोज अहमद शेख, हितांशी शर्मा, दिनेश दवे, सुधीर जोशी, मोहनलाल शर्मा, मनीष शर्मा, सोमेश्वर मीणा, भरत शमानुज सहित अनेक कार्यकर्ता मौजुद थे।

'राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में मिले स्थान'

राजसमन्द, (कासं)। लोकसभा के मानसून सत्र में राजसमन्द सांसद दीयाकुमारी ने राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिलाने हेतु संविधान संशोधन विधेयक 2022 प्रस्तुत किया।

सदन में प्राइवेट बिल पेश करते हुए सांसद दीयाकुमारी ने कहा कि भाषा किसी क्षेत्र के इतिहास संस्कृति जनता शासन प्रणाली पारिस्थितिकी राजनीति आदि की सूचक है। राजस्थानी पश्चिमी इंडो-आर्यन मूल की एक भाषा है जो पूरे राजस्थान के साथ ही हरियाणा गुजरात तथा मध्य प्रदेश के कुछ भागों में व्यापक रूप से बोली जाती है। राजस्थानी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। यह 1500 से भी अधिक वर्षो की समृद्ध विरासत है। राजस्थानी भाषा में 7 वीं शताब्दी ईस्वी पूर्व के प्रसिद्ध प्राचीन दार्शनिकों खगोलविदों गणितज्ञों कवियों और लेखकों के कार्यो की भी पहचान की गई है और उन्हें संरक्षित किया गया है।

सांसद दीयाकुमारी ने संविधान संशोधन बिल पेश करने के पुख्ता कारणों और उद्देश्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि राजस्थानी भाषा की उपस्थिति विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों जैसे संगीत कला नृत्य और नाटक में भी देखी जा सकती है। राजस्थानी भाषा ऐतिहासिक और पारंपरिक रूप से बहुत समृद्ध होने के बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर घोर उपेक्षा की शिकार है।

राजसमन्द सांसद दीयाकुमारी ने राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिलाने की मांग की।

अंततः इससे भाषा के अपने अस्तित्व को खोने का खतरा उत्पन्न हो जाता है। साथ ही संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जा रही परीक्षाओं की योजना में अब तक राजस्थानी भाषा को शामिल नहीं किया गया है। परिणामस्वरूप इस भाषा में दक्ष विद्यार्थी कुशलता से इसका प्रयोग करने में असमर्थ हैं। राजस्थानी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने से रोजगार के भी अवसर सृजित होंगे।

सांसद ने कहा कि संविधान की आठवीं अनुसूची में राजस्थानी भाषा को शामिल करने की मांग आमजन द्वारा लगातार की जाती रही है। साहित्य अकादमी और विवि अनुदान आयोग राजस्थानी भाषा को एक अलग भाषा के रूप में मान्यता देते हैं। राजस्थानी भाषा राजस्थान राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में भी पढाई जाती है। फिर भी, राजस्थानी भाषा को राष्ट्रीय मान्यता नहीं दी गई है। संविधान की सूची में स्थान देने की मांग रखते हुए सांसद ने कहा कि राजस्थानी भाषा की पवित्रता की रक्षा संवर्धन एवं परिरक्षण तथा इस भाषा के बोलने वालों की संस्कृति एवं परंपराओं की रक्षा एवं इस भाषा के महत्व को भी ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक है कि राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करके उसे उचित मान्यता दी जाए।

चेन छीनने के मामले में तीन गिरफ्तार

उदयपुर, 5 जुलाई। शहर के प्रातपनपगर थाना क्षैत्र में महिला के गले से सोने की चेन छिनने की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 22 जुलाई को अरविंद नगर निवासी महिला अपनी बच्ची को स्कूल में बैठाने के लिए सड़क किनारे खड़ी थी।

इस दौरान वापस घर लौटते समय बाइक सवार तीन बदमाश आए तथा पीछे बैठे व्यक्ति ने उतर गले से चेन खींच साथी की बाइक पर बैठ फरार हो गया। इसी तरह शहर के हिरणमगरी, सुखेर पुलिस थानाक्षैत्र में महिलाओं के गले से सोने की चेन छीनने की वारदाते हुई थी। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक विकास कुमार शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर चन्द्रशील ठाकुर, पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी दर्शनसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने बेडवास कच्ची बस्ती निवासी जसपालसिंह पुत्र कमलसिंह सिकलीगर, आकाश नगर द्वारकापुरी इन्दौर हॉल बेड़वास निवासी जितेन्द्र उर्फ काना पुत्र सागर सिंह तथा बेड़वास कच्ची बस्ती निवासी शहजदसिंह पुत्र राकूसिंह सिकलीगर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने शहर के हिरणमगरी, सुखेर, प्रतापनगर पुलिस थानाक्षैत्रों में चेन छीनने की वारदातें करना स्वीकार किया है।

सार-समाचार

उदयपुर में मूसलाधार बारिश

उदयपुर, । उदयपुर जिले में शुक्रवार अलसुबह शहर के कई हिस्सों में तेज मूसलाधार बारिश हुई। सुबह हो रही लगातार बारिश के चलते कई स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया। इधर, मदार नहर से हो रही आवक से फतहसागर का जलस्तर बढ़कर 12 फीट 6 इंच हो हो गया है। अब यह केवल 6 इंच खाली रह गया है। आवक बनी रही तो फतहसागर इस बार छलकेगा नहीं बल्कि अतिरिक्त आवक वाले पानी को पीछोला झील को दिया जाएगा। आज सुबह करीब 6 बजे शहर में तेज मूसलाधार बारिश का दौर शुरू हुआ यह बारिश करीब आधा घंटा चली लेकिन बारिश का दौर रूक-रूक कर सुबह 9 बजे तक जारी रहा। जिले में कई जगहों पर अच्छी बारिश के समाचार मिले है। सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार प्रातः 8 बजे समाप्त बीते 24 घंटों में बागोलिया में 69 मिमी (करीब तीन इंच), उदयसागर पर 65 मिमी, नाई में 51, वल्लभनगर में 50, देवास स्टेज प्रथम पर 22, स्वरूपसागर पर 16 मिमी वर्षा हुई। इधर, सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे तक बीते 12 घंटों में उदयपुर शहर में 23 मिमी (करीब एक इंच) बारिश हुई है। अलसुबह हुई मूसलाधार बारिश को देखते हुए शहर के कई स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया। इसकी जानकारी स्कूल प्रबंधन द्वारा अभिभावकों को मोबाइल संदेश भेज कर दी गई। सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता (गिर्वा) निर्मल मेघवाल ने बताया कि हर बार पीछोला फतहसागर को भरता है लेकिन इस बार फतहसागर इसे पानी देगा। हालांकि केचमेंट में एक अच्छी बारिश का और इंतजार है।

गैंगरेप का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)।पीड़िता ने आरोपी व साथियों के खिलाफ गैंगरेप करने का मामला पुलिस थाने में दर्ज करवाया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित ने पाटियों का खेड़ा भीम आमेट निवासी गोवर्धनसिंह, तनु सतोष, अनुज के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। कि गत दिनों में शहर में रहने वाली अपनी सहेली के यहां मेहमान आई थी। कुछ समय बाद सहेली के चले जाने पर मैंने उसका काम करना शुरू कर दिया। इस दौरान मिला मेरा परिचित मुझे उसके माता पिता के यहां होने तथा उनसे मिलने के लिए मुझे साथ ले गया। उसके साथ जाने पर वह मुझे एक कमरें पर ले गया। जहां उसने मेरे साथ दुष्कर्म किया तथा उसके साथी अन्य आरोपियों ने भी मेरे साथ दुष्कर्म किया। आरोपियों के चंगुल से निकलने के बाद घर पहुंच कर परिजनों को आपबीती बता कर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया है। जिसकी जांच पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत कर रही है।

लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। झाड़ोल थाना पुलिस ने लूट की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार गत दिनों वाडद झाडोल निवासी ख्यालीलाल पुत्र कालुलाल ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 18 जुलाई को मैं व मेरी पत्नी व साढू ढीमडी चिकित्सालय में खाना लेकर जा रहे थे। जहां बीचरास्ते बाइक सवार बदमाशों ने रोक तलवार दिखा कर जेब से 13 हजाररूपये नकदी, दो मोबाईल, साढू की जेब से 6 हजार रूपये नकदी व मोबाईल लूट कर फरार हो गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक विकास कुमार शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कुंदन कंवरिया, पुलिस उप अधीक्षक जितेन्द्रसिंह के सुपरविजन में झाड़ोल थानाधिकारी भरतसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने कारछा फला लावा पानवा खेरवाड़ानिवासी दिनेश पुत्र काना व ढिमड़ी झाड़ोल निवासी लक्ष्मण पुत्र कालु को गिरफ्तार किया।

चोरी का चार आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थाना पुलिस ने चोरी सूने मकानों से चोरी की वारदात करने वाली गैंग के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित लालसोट दौसा हॅल नकोड़ानगर हिरणमगरी नविासी केदार प्रसाद ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। कि मैं पान मसाले की सेंपलिंग व डिस्प्ले क काम करता हूं। 9 जुलाई को मैं गोदाम पर ताला लगा कर गया। दूसरे दिन लौटा तो गोदाम के ताले टूटे थे एवं पान मसाला गायब था। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर हिरणमगरी थानाधिकारी रामसुमेर मीणा के नेतृत्व में गठित दल ने टुस डांगीयान डबोक निवासी वक्ताराम पुत्र लोगर, घणोली निवासी शंकरलाल पुत्र कमला, रामलाल उर्फ पुष्कर पुत्र परथा, रामलाल उर्फ फतहलाल पुत्र मोतीलाल को गिरफ्तार किया।

अमर सिंह बने अध्यक्ष

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप हवाई अड्डा टेक्सी संगठन डबोक उदयपुर के चुनाव डबोक स्थित होटल द मेवाड़ में चुनाव अधिकारी मोईनुद्दीन शेख की देख रेख में संपन्न हुए जिसमे अध्यक्ष पद पर अमर सिंह राजपूत एवं सचिव पर ज्ञानप्रकाश राजानी विजय घोषित हुए।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि होटल परियोजना "मैरियट उदयपुर" जो कि खसरा नं. 1360, गांव हवाला खुर्द, गिरवा उदयपुर राजस्थान में आ रहा है यह परियोजना श्री माधव होटल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित है इस पर भवन निर्माण की पर्यावरण स्वीकृति राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण(SEIAA) से पत्र संख्या F1(4)/SEIAA/SEAC-Raj/Sectt/Project/Cat.8 (b) (20620)/2021-22 दिनांक 25.07.2022 को प्रदान कर दी गई है। सहमति प्रपत्र की प्रति राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण(SEIAA) के पास उपलब्ध है एवम वेबसाइट http://environmentclearance.nic.in/ पर भी उपलब्ध है।

वास्ते
श्री माधव होटल प्राइवेट लिमिटेड

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4

न्यायालय श्रीमान मोटरयान दुर्घटना प्राधिकरण स्थान चूरू मंगतुराम विरूद्ध छोटू लाल आदि
वाद/ प्रार्थना पत्र 166 M.V. Act
प्रार्थना-पत्र संख्या 60/2011 सन
नाम गणेश गुर्जर पुत्र स्व.देवा गुर्जर जाति गुर्जर पता निवासी ग्राम दादिया, पुलिस थाना गंगरार तहसील गंगरार जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)
उक्त प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि क्योड क्लेम याचिका प्रार्थीगण की स्वीकार कर ली जावे।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 1 माह 9 सन 2022 को 10.30 AM पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से कर दिया जाएगा।
यह आज ता.02 माह 08 सन 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
दिनांक 02-08-2022
आज्ञा से
वरिष्ठ मुन्सरीम न्यायालय
(जिला एवं सेशन न्यायालय चूरू)

संस्कृत प्रतियोगिताओं तथा राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं वेबीनार

उदयपुर, (कासं)। संस्कृत विभाग, मोहनलाल सुखाडिया विवि, उदयपुर एवं राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को संभागस्तरीय संस्कृत भाषण, संस्कृत निबंध लेखन एवं श्लोकपाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। श्लोकपाठ प्रतियोगिता में कई प्रतिभागियों ने संस्कृत श्लोकों के लयबद्ध उच्चारण द्वारा श्रोताओं का मन मोह लिया। संस्कृत शास्त्रपरम्परा में राजनय एवं प्रशासन विषयाधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं वेबीनार का आयोजन शनिवार को बप्पा रावल स्वर्णजयन्ती अतिथिगृह, मोहनलाल सुखाडिया विवि में किया जाएगा। संगोष्ठी समन्वयक डॉ. जी. एल. पाटीदार ने बताया कि कुलपति प्रो. आई.वी. त्रिवेदी के सान्निध्य, प्रो. सी.आर. सुथार की अध्यक्षता, प्रो. एस.के. कटारिया के सारस्वत उद्बोधन तथा प्रो. प्रदीप त्रिखा के विशिष्टातिथ्य में एवं प्रो. नीरज शर्मा की सादर उपस्थिति में संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र आयोजित होगा।

हर घर तिरंगा से जगेगा देशभक्ति का जज्बा : सारंगदेवोत

उदयपुर, (कासं)। भारत की आजादी के 75 वे वर्ष के उपलक्ष में मनाए जा रहे अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान के तहत शुक्रवार को राजस्थान विद्यापीठ विवि के संघटक माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय के अन्तर्गत संचालित एनसीसी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में तिरंगा वितरण अभियान का आगाज कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, सहायक कुल सचिव डॉ. धमेन्द्र राजौरा, डॉ. एसबी नागर, डॉ. मलय पानेरी, डॉ. युवराज सिंह राठौड, डॉ. पंकज रावल, डॉ. सपना श्रीमाली ने किया। तिरंगा वितरण समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान विद्यापीठ के तीनों परिसरों में चलाया जायेगा।

13 से 15 अगस्त तक अपने घरो पर तिरंगा लगाने का आव्हान करते हुए प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि भारत का स्वाधीनता संग्राम विश्व के अब तक के सबसे महान और गौरवशाली संघर्षो में से एक रहा है, इस बार मौका इसलिए

उदयपुर में हर घर तिरंगा अभियान का आगाज हुआ।

भी खास है क्योकि आजादी के 75वें वर्ष को पूरा देश अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है, यह महोत्सव क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता सेनानियों, देश भक्तों की स्वाधीनता का ऐसा अमृत है जो हमें देश के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के माध्यम से देश का आम नागरिक आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम से जुडेगे और अपने अपने घरों पर तिरंगा फहराकर गर्व महसूस करेगे। प्रो. सारंगदेवोत ने विद्यार्थियों का आव्हान किया कि तिरंगे का पूरी तरह से सम्मान करे। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भारत की राष्ट्रीय एकता, शांति, समृद्धि, और विकास का प्रतीक है। तिरंगे में तीन रंग की पट्टिका है, सबसे उपर केसरिया रंग की पटिट्का है जो देश की ताकत और साहस को दर्शाती है बीच में श्वेत पटट्ी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य की प्रतीक है नीचे हरे रंग की पटिट् देश की खुशहाली और प्रगतिशीलता का प्रतीक है। श्वेत पटट्ी के मध्य गहरे नीले रंग का अशोक चक्र है जिसमें 24 तीली है, हर तिली एक संदेश लिए हुए है, जो भारत निरंतर प्रगतीशील है का प्रतीक है। एनसीसी प्रभारी डॉ. युवराज सिंह ने बताया कि 500 विद्यार्थियों को तिरंगा वितरण किया। एनसीसी विद्यार्थियों द्वारा शनिवार से आमजन को जागरूक करने के उददेश्य से आमजन को तिरंगा वितरण कर इसकी महत्ता को समझायेंगे। इस अवसर पर डॉ. हेमेन्द्र चौधरी, डॉ. दिलिप सिंह चौहान, भगवती लाल सोनी, डॉ. राजेश शर्मा, डॉ. नरदेव सिंह सारंगदेवोत, निजी सचिव के.के. कुमावत, एडवोकेट उदय सिंह देवडा, उदय भान सिंह, प्रो. एस.एस. चौधरी, आशीष नन्दवाना, आरीफ, डॉ. पंकज वया, राजकुमार चौधरी सहित कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001 दूरभाष सं.0294-2421255, 2420013,
Helpline no- 0294-2426262, वेबसाइट- www.mcudaipur.org.com

क्रमांकः-69-क/4400/2022-23 आम-सूचना दिनांकः-5-8-22

श्रीमती जैनब बानो पत्नि श्री असलम खान निवासी 1340-डी गणेशनगर पहाड़ा उदयपुर ने वर्णित भूमि के अपने अधिकार आवासीय/वाणिज्यिक/ मिश्रित के प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के उपयोग के लिए पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिए नगर निगम के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/गली का नाम	पड़ौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड संख्या	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लंबाई और चौड़ाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
उदयपुर	1340-डी गणेशनगर पहाड़ा, उदयपुर	पूर्व-मनान जी का मकान पश्चिम-रास्ता उत्तर-रास्ता दक्षिण-समीर खांन का मकान	765.59 वर्गफीट

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम, 2009 की धारा 69-क के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजुरी के सम्बन्ध में कोई आक्षेप है तो वह यह नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजो के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियम समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा की किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... के जारी की गई।

आयुक्त, नगर निगम उदयपुर

COLLEGE OF DAIRY & FOOD TECHNOLOGY
Maharana Pratap University of Agriculture & Technology, Udaipur, 313001 (Raj.)
Ph.0294-2470139,2470479, E-mail-cdft2019@gmail.com
(Abridged Form of NIB for Publication in the Newspaper)
NIB No. CDFT/2022/Technical Assistant/3862 Date: 05.08.2022
NOTICE INVITING BIDS
Sealed Bids are invited upto **11.00 AM of 20-08-2022** for procurement of Services for different works in CDFT on Job Basis: Details may be seen in the Bidding Document at our office or on our website www.mpuat.ac.in or on State Public Procurement Portal website www.sppp.nic.in and may be downloaded/obtained from (Central Store) of our office on payment of Rs. 500/- payable through demand draft drawn in favour of DEAN, CDFT, MPUAT, Udaipur.
DEAN

सार-समाचार

कार की टक्कर से युवक की मौत

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर रेलवे स्टेशन के बाहर सडक किनारे जा रहे एक साइकिल सवार को पीछे से आ रही कार ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी इलाज के दौरान उदयपुर एमबी चिकित्सालय में मौत हो गई। पोस्टमार्टम करवा करके परिजन शव लेकर भीण्डर पुलिस थाने के बाहर पहुंच गये। यहां करीब एक घंटे तक ड्रामा चलता रहा, फिर थानाधिकारी विजेन्द्र सिंह शेखावत ने समझाइश करके शांतिपूर्ण अंतिम संस्कार करवाया।थानाधिकारी विजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि भीण्डर रेलवे स्टेशन कच्ची बस्ती निवासी लक्ष्मण पिता कल्ला नायक ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसका छोटा भाई किशनलाल पिता कल्ला नायक (23) गुरूवार रात्रि करीब 8 बजे मजदूरी करके साइकिल से घर लौट रहा था। इस दौरान भीण्डर रेलवे स्टेशन के बाहर पीछे से एक हुंडई कार आरजे 27 सीबी 391० ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वो गंभीर घायल होकर सडक पर गिर गया। यहां से घायल किशनलाल को तुरन्त भीण्डर चिकित्सालय पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार करके उदयपुर एमबी चिकित्सालय रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद भीण्डर पुलिस शुक्रवार सुबह उदयपुर पहुंच करके मृतक का पोस्टमार्टम करवा करके शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक किशनलाल के परिजन उदयपुर से शव वैन में लेकर भीण्डर पुलिस थाने के बाहर पहुंच गये। यहां पर टक्कर मारने वाले कार सवार से आर्थिक मदद की मांग करके हंगामा करने लगे। इस पर भीण्डर थानाधिकारी विजेन्द्र सिंह शेखावत थाने पहुंच करके परिजनों से वार्ता करके मामला दर्ज करने की बात बताई और कानूनन मृतक को जो भी बीमा राशि दिलाने का आश्वासन दिलाया। जिस पर परिजन मानकर शव वहां से लेकर गये और शांति पूर्ण अंतिम संस्कार किया।

तैयारियों का लिया जायजा

डूंगरपुर, (निसं)। आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु शुक्रवार को स्पोर्ट कॉम्लेक्स मैदान का साफ सफाई व व्यवस्थाओ का जायजा लेकर बाकि बचे कार्यो के लिए टीम गठित की। इस तैयारी बैठक मे आदिवासी परिवार की तमाम 15 सामाजिक विंग्स के प्रतिनिधियो ने भाग लिया। ट्राइबल इंप्लाईन् फेडरेशन के साथियो को जिला प्रशासन को कार्यक्रम मे आमंत्रित करने की जिम्मेदारी दी गई। हर वर्ष की तरह डूंगरपुर जिला मुख्यालय का विश्व आदिवासी दिवस व 15 अगस्त का कार्यक्रम स्पोर्ट कॉम्लेक्स खेल मैदान मे भील ऑटोनोमस कौंसिल के नेतृव मे होगा। जिसके लिए सभी तरह की जिम्मेदारियो का बंटवारा पहले से ही भील प्रदेश युवा मोर्चा, भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा को सौंपा जा चुका है जिसका रिव्यु भी किया गया। सभी प्रकृति प्रेमी समान बंधुओ को अपनी सांसकृतिक झांकियो सहित कार्यक्रम, नृत्य, वाध यंत्र के साथ पधारने का आव्हान किया गया। बैठक मे भंवरलाल परमार, भील प्रदेश, मुक्ति मोर्चा, प्रदेश प्रचारक मुकेश कलासुआ, जीवराज डामोर, कांतिभाई भील, नानाभाई पारगी, रामप्रसाद डिंडोर विधायक सागवाडा, उमेश डामोर, लोकेश कटारा, कपिल हडात, राकेश कलासुआ, रामकृष्ण डोडा, महेश डामोर, विजय परमार, मानशंकर कटारा,द्ब राजू कटारा, प्रकाश डिंडोर, कुलदीप रोत, भरत परमार, गौतम सुवेरिया, बंटी, पंकज कटारा, नरेश कटारा, मुना कटारा एवं पाल माथुगामडा टीम मौजूद रही।

रूपये दिलाने की मांग, ज्ञापन सौंपा

डूंगरपुर। आदर्श क्रेडिट को ऑपरेटिव एवं संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी के पीडित निवेशक को ने अमित शाह केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार को अपना ज्ञापन प्रदेश संयोजक स्वच्छता एवं पूर्व सभापति नगर परिषद डूंगरपुर के के के गुप्ता को माध्यम से प्रदान करते हुए निवेशकों और एडवाइजर की वागड मेवाड प्रदेश की करोडों रुपयों की राशि का शीघ्र भुगतान करवाने हेतु निवेदन किया। आदर्श क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी के बिना किसी सूचना एवं नोटिस दिए बगैर सीधे न्यूज चैनल की रिपोर्ट के आधार पर बंद कर देने से निवेशकों की करोडों रुपए की राशि फंसी हुई है एवं सोसाइटी के निदेशक संचालक मंडल अभी भी विगत 4 वर्षों से जेलों में हैं जिनकी जमानत नहीं होने से कार्यालय बंद है और हजारों कर्मचारी लाखों निवेशक आर्थिक बदहाली तंगहाली का सामना कर रहे हैं। सोसाइटी की हजारों करोड की संपत्ति पर केंद्र सरकार ने लिक्विडेटर बिठाकर मामला न्यायालय में पेंडिंग कर रखा है जिससे निवेशक को में भारी रोष है ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है शीघ्र अति शीघ्र इस मामले का निपटारा नहीं किया गया तो हजारों निवेशक और उनके लाखों पीडित परिवार भावी चुनावों में नोटों का उपयोग नोटा का उपयोग कर अपना संवैधानिक अधिकार का उपयोग करेंगे।

भाजपा जनजाति मोर्चा नगर कार्यकारिणी की घोषणा

डूंगरपुर। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष प्रभु पण्ड्या, नगर प्रभारी शांतिलाल पंड्या, भाजपा नगर अध्यक्ष दिलीप जैन, जनजाति मोर्चा जिलाध्यक्ष कांतिलाल डामोर की अनुशंषा पर जनजाति मोर्चा नगर अध्यक्ष निलेश डामोर ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की गई। किरणेश्वर चौबीसा ने बताया कि कार्यकारिणी मे उपाध्यक्ष कांतिलाल कोटेड अमृतलाल डामोर, रमेश भगोरा, संगीता परमार, विजय डामोर, जगदीश खराडी, महामंत्री मनन कलासुआ, ओमप्रकाश गमेती, कोषाध्यक्ष बाबुलाल डामोर, नगर मंत्री अखिल कटारा, डूंगरलाल डामोर, मुकेश बामणा, आशीष अहारी, शीला रोत, त्रिशुला मीणा, कार्यालय मंत्री दिव्यांश डामोर, मिडिया प्रभारी विश्वजीत परमार, सोशल मिडिया प्रभारी अमित डोडा, आई टी प्रभारी अक्षित खराडी, सदस्य स्नेहिल मनात, दिक्षांत खराडी को बनाया गया।

सांसरपुर में विधायक मद से भवन निर्माण का शिलान्यास सम्पन्न

डूंगरपुर। जिले के स्थानीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सांसरपुर में चौरासी विधायक राजकुमार रोत के द्वारा विधायक मद से दिये गये भवन निर्माण का शिलान्यास संपन्न हुआ। संस्था प्रधान जीवराज परमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बताया कि मुख्य अतिथि राजकुमार रोत द्वारा शिलान्यास के साथ ही विधायक मद से विद्यालय में खुदवाये गए ट्यूबवेल व दिये गए छात्र स्वास्थ्य परीक्षण मशीन को भी छात्रों को समर्पित किया गया। विधायक महोदय ने छात्रों को अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए खूब मन लगाकर पढने और नियमित विद्यालय आने आदि बातें बच्चों को समझाई। रोत ने उपस्थित छात्रों को उच्च सपने देखने व तदनुरूप तैयारी करने हेतु प्रोत्साहित भी किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी बंशीलाल रोत, लक्ष्मणलाल रोत, देवीलाल रोत आदि रहे। साथी ही गोपाल रोत, हरीश पंचाल, इन्द्रलाल पंचाल, गजेन्द्र पंचाल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशचंद्र जैन द्वारा किया गया व आभार गणपत लाल गर्ग द्वारा ज्ञापित किया गया।

सामूहिक हनुमान चालीसा एवं राम नाम किर्तन आज

डूंगरपुर। राष्ट्रीय युवा हिन्दू वाहिनी के नियमित कार्यक्रम के तहत सामूहिक हनुमान चालीसा एवं राम नाम किर्तन आयोजन शनिवार शाम पत्रकार कॉलोनी स्थित मां वैष्णोदेवी मंदिर मे किया जाएगा। वाहिनी के जिला महामंत्री जनक कंसारा ने बताया कि मां वैष्णोदेवी मंदिर मे आयोजित संगीतमय हनुमान चालीसा एवं राम नाम किर्तन मे स्थानीय लोग सम्मिलित होंगे साथ ही कार्यक्रम प्रभारी अचला वसीटा ने बताया कि वाहिनी के जिलाध्यक्ष प्रवीण श्रीमाल, उपाध्यक्ष डॉ अरविंद शर्मा एवं राजुभाई पंचाल के सानिध्य मे आयोजित कार्यक्रम के दौरान गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने एवं गौ सुरक्षा तथा संवर्धन के ऊपर चर्चा करने आगामी कार्यक्रम तय किए जाएंगे।

राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम का अधिवेशन आज

डूंगरपुर, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम (लोकतान्त्रिक) जिला शाखा डूंगरपुर एवं उप शाखा गलियाकोट के तत्वाधान में 6 अगस्त शनिवार को भैरवजी मन्दिर जोगपुर में संगठन आपके द्वार शिविर एवं उप शाखा अधिवेशन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें ब्लॉक के समस्त शिक्षको को आमन्त्रित कर शैक्षिक, आर्थिक, प्रशासनिक, आदि समस्याओं का संकलन किया जाएगा।अधिवेशन में परिवेदनाओं के साथ साथ संगठन की गतिविधियों, कार्यशैली, विचारधारा से अवगत कराते हुए सक्रीय रुप से जुडने हेतु एवं अन्याय, शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद करने हेतु जागरूक किया जाएगा। यह जानकारी जिला प्रभारी हरिओम पंचाल ने दी।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया

राजसमंद, (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस के आव्हान पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में देश में बढती महंगाई, खाद्य पदार्थ पर जीएसटी, बढती बेरोजगारी के साथ ही केंद्र की भाजपा सरकार की गलत नीतियों को लेकर प्रदर्शन के बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरिसिंह राठौड एवं पूर्व जिलाध्यक्ष देवकींनदन गुर्जर के नेतृत्व में करीब 16० से अधिक कार्यकर्ताओं ने सामुहिक गिरफ्तारियां दी। पुलिस ने हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं को तीन बसों में बिठाकर रामेश्वर महादेव मंदिर परिसर में छोडा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरिसिंह राठौड ने कहा कि केंद्र की तानाशाह मोदी सरकार द्वारा लगातार विपक्ष की आवाज को दबाने का काम किया जा रहा है यहा तक की जनता की मांगों को लेकर किए जा रहे प्रदर्शन पर भी रोक लगाई जा रही है जो कि पूर्णतया असंवैधानिक और तानाशाही हुकूमत का प्रतीक है। देश का रुपया लगातार गिर रहा है, देश मे आर्थिक अराजकता का माहौल है, जनता सडको पर उतरने को मजबूर हो रही है। लेकिन तानाशाही सरकार कान में रुई डाल कर बैठी है। कांग्रेस का कार्यकर्ता जनता की मांगों के लिए जेल तक जाने को तैयार है लेकिन जनता के साथ हो रही तानाशाही बर्दाश्त नही करेगा। पूर्व जिलाध्यक्ष देवकीनंदन गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस का कार्यकर्ता निडर है जनता के हर मुद्दे पर तानाशाही हुकूमत के डट कर मुकाबला कर रहा है। भाजपा और महंगाई का चोली दामन का रिश्ता है, जब–जब देश में भाजपा का राज रहा है महंगाई में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। क्योंकि भाजपा की नीतियों में जूठे धर्म के आडंबर है धर्म के आधार पर भाई–भाई को अलग करके तानाशाही से राज करना है न कि देश की नीतियों में आमूल चूल परिवर्तन करके विकास करना है।

राजसमंद में महंगाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया।

चरपोटा बने नर्सेज एसोसिएशन के अध्यक्ष

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जिला शाखा उदयपुर (शहर) के चुनाव मे प्रवीण चरपोटा 730 मतों से अध्यक्ष पद पर विजयी हुए । चुनाव निर्वाचन अधिकारी देवीलाल चौधरी ने बताया की आरएनए के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रदीप गर्ग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार शुक्रवार को एम.बी. हॉस्पिटल के जी.एन.एम. प्रशिक्षण केन्द्र में सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक दिनेश वैष्णव, यशवन्त पाण्डेय व अशोक नागदा की टीम ने चुनाव सम्पन्न करवाएं। जिसमें आर एन टी मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय, पन्नाधाय राजकीय चिकित्सालय, टी.बी. हॉस्पिटल बडी धानमण्डी, सेटेलाईट हिरणमगरी एवं अम्बामाता हॉस्पिटल के 1300 मतदाता मे से 825 मतदाताओं ने मतदान किया।

वाकपीठ में शैक्षिक विषयों को लेकर किया विचार मंथन

कपासन, (निसं)। अगस्त,ब्लॉक स्तरीय संस्था प्रधान माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा संयुक्त सत्रारंभ वाकपीठ में शैक्षिक विषयों को लेकर विचार मंथन किया गया।

नन्दवाना पंचायत भवन में वाकपीठ के द्वितीय दिवस को अवकाश नियम, पेंशन व अनुशासनात्मक कार्रवाई विषय पर दिलीप उपाध्याय ने, पेमेनेजर–उपयोगिता और सावधानियां विषय पर यशवंत जागेटिया ने,लेखा प्रक्रिया संबंधी नियम पर शिवनारायण शर्मा ने, विद्यार्थी डायरी, यूथ एवं इको क्लब विषय पर पीरू लाल खटीक , मॉडल स्कूल संकल्पना और प्रवेश प्रक्रिया विषय पर भेरूलाल वीरवाल ने वार्ताएं प्रस्तुत की। सत्र के दौरान ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओम प्रकाश रायपुरिया ने एनीमिया मुक्त राजस्थान डिवर्मिंग कार्यक्रम एवं मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु संस्था प्रधानों को जानकारी दी। वाकपीठ का संचालन करते हुए मुकेश चंद्र त्रिपाठी ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत प्रस्तुत किए जाने वाले देश भक्ति गीत की शानदार प्रस्तुति दी ।

वाकपीठ में आगामी 2 वर्ष हेतु नवीन कार्यकारिणी का निर्वाचन सर्वसम्मति से किया गया, जिसमें अध्यक्ष दिलीप कुमार उपाध्याय, उपाध्यक्ष शंकरलाल सुथार एवं चंद्र प्रकाश सिरोया, सचिव जगदीश चंद्र कुम्हार, सह सचिव मुकेश चंद्र त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष शिवनारायण शर्मा को निर्वाचित किया गया। अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी डॉ राम सिंह चुंडावत ने अनुकंपा नियुक्ति प्रकरण प्रेषित करने हेतु ध्यान रखने योग्य बातों को बताते हुए समय सीमा की जानकारी दी।वाकपीठ का समापन समारोह पूर्वक किया गया जिस के मुख्य अतिथि अर्जुन लाल जीनगर विधायक कपासन ,पंकज सिरोया मंडल अध्यक्ष भाजपा, सैयद एजाज अली नगर पालिका उपाध्यक्ष, पुष्पा वैष्णव जिला महामंत्री भाजपा एवं पार्षदअशोक विजयवर्गीय, गोपाल पुर्बिया रहे। कार्यक्रम में पुष्पा वैष्णव ने विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों का विद्यार्थी हित में पूर्ण उपयोग करने एवं बालकों के चरित्र निर्माण करने की अपील की। मुख्य अतिथि जीनगर ने शिक्षकों को बालकों के सर्वांगीण विकास पर बल देने, डिप्रेशन से बचाने एवं अनुशासन पर जोर देने की बात कही। साथ ही उन्होंने बताया कि शिक्षक को देखकर ही बालक सीखता है, विद्यालय में बालक जैसा अनुभव करता है, वही सीखता है। बालकों को आत्मरक्षा हेतु प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का पाठ पढ़ाया : गुप्ता

डूंगरपुर, (कासं)। देश के गृहमंत्री अमित शाह के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र गांधीनगर के अन्तर्गत सांसद आदर्श गांव योजना मे दत्तक गांव बिलेश्वरपुरा और छतराल मे स्मॉल स्टेप फाउण्डेशन के तत्वाधान मे कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम मे गृहमंत्री शाह की पुत्र वधू ऋषिता बेन का विशेष आतिथ्य रहा। देश के गृहमंत्री की पुत्रवधू ने गांव बिलेश्वरपुरा व छतराल में स्मॉल स्टेप फाउण्डेशन के नेतृत्व मे वृक्षारोपण का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में भारी बरसात मे भी अतिथियो द्वारा 10 से 12 फीट से अधिक ऊंचाई के वृक्षो का रोपण किया गया। देश के लोकप्रिय गृहमंत्री के आदर्श सांसद गांव बिलेश्वरपुरा जोकि देश में अव्वल प्रथम स्थान पर रहा है वहां हुआ वृक्षारोपण जो हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही देश के गृहमंत्री की पुत्रवधू श्रीमती ऋषिता बेन ने बताया कि वृक्षों की उपयोगिता हमें समझनी होगी देश के लोकप्रिय गृहमंत्री का एक सपना है कि देश हरा भरा बने बिगडते हुए पर्यावरण को देखते हुए यह आमजन के लिए बहुत आवश्यक है।

इस अवसर पर फाउण्डेशन चेयरमैन तथा भाजपा स्वच्छता अभियान मिशन के संयोजक केके गुप्ता ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर कहा कि पेड केवल छाया नहीं देते मिट्टी का कटाव नहीं रोकते वृक्षा को ही आकर्षित नहीं करते ऑक्सीजन ही नहीं देते पक्षियों को रहने का सहारा ही नहीं देते फल ही नहीं देते मनुष्य के अंतिम संस्कार में लकडी ही उपलब्ध नहीं कराते। इसके अतिरिक्त भी एक सबसे बडा जो लाभ हम सबको मिल रहा है वह है वातावरण में फैली हुई जहरीली गैसों का ग्रहण कर ऑक्सीजन देते हैं। अब समय आ गया है कि जो भी वृक्षारोपण का कार्य किया जाए उसमें कम से कम 10 से 12 फीट की ऊंचाई के पेड आवश्यक है अन्यथा वह पेड चलेगा नहीं केवल नाम का रह जाएगा बढता हुआ टेंपरेचर हम देख रहे हैं ऐसी गर्मी में अगर मनुष्य भी 1 घंटे खडा रह जाए तो उसकी चमडी जल जाए तथा हरा भरा है, वह जिंदा तब ही रह सकता है ।

मनुष्य को कम से कम अपने घर के आगे चार पेड अवश्य लगाने चाहिए जिसे वह स्वस्थ रहेगा। उन्होने कहा कि अगर इस देश की माता बहने अगर यह निर्णय कर ले कि हम हमारे घर का कचरा सडकों पर और खुले में नहीं डालेंगे तो हमारे देश को कोई गंदा नहीं कर सकता धीरे–धीरे लोगों ने इसकी आवश्यकता को समझा है और आज स्वच्छ भारत मिशन पूरे देश में आगे बढ रहा है माताएं बहने गीला सूखा कचरा अलग अलग करके कचरे वाली गाडियों को नियमित रूप से दें ।

पर्यावरण को सुरक्षित रखना उतना ही आवश्यक है जितना हम अपने आप को रखते है। पर्यावरण से ही हमे वो सभी चीजे उपलब्ध होती है, जिसका इस्तेमाल करके आज मानव जीवित है और आराम और सुखदायी जीवन व्यतीत कर रहा है। पर्यावरण संरक्षण हमारा फर्ज है। पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखना मानव तथा जीव जंतुओं के हित में हैं।

79 हजार रुपये के नकली नोट बरामद, 4 गिरफ्तार

बांसवाडा, (निसं)। पुलिस ने इस वर्ष की बडी कार्यवाही करते हुए विद्युत नगर आवासीय कॉलोनी में सरकारी क्वार्टर से 79 हजार रुपये के नकली नोट बरामद किये हैं। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना ने जिले में अपराधियों की धरपकड के लिए सूचना एकत्रित कर कार्यवाही के निर्देश दिये थे। जिस पर एएसपी कानसिंह भाटी, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीर सिंह राठौड के निर्देशन में कोतवाली थानाधिकारी रतनसिंह चौहान के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम के एएसआई कल्याण सिंह मय जाप्ते ने मुखबीर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए विद्युत नगर आवासीय कॉलोनी में सरकारी क्वॉटर की तलाशी लेते हुए 79 हजार रुपये के नकली नोट बरामद किये। यह क्वॉटर एवीवीएनएल में कार्यरत अकाउंटेंट अमित कुमार मीना पुत्र कालूराम मीना निवासी रिंगसपुरा थाना नांदोती जिला करौली का था। पुलिस ने उसके साथ विजय सिंह मीना , रजनेश कुमार मीना एवं रोहिताश मीना को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हुंडई वरना कार भी जब्त की। थानाधिकारी रतनसिंह ने बताया कि जब्तशुदा नकली नोट काले बैग में एक पुराने अखबार में लपेटे हुए थे।

देवगढ़ में नकबजनी का आरोपी व खरीददार गिरफ्तार

देवगढ़, (निसं)।थाना पुलिस ने कस्बा देवगढ में नकबजनी के आरोपी एवं खरीददार को गिरफ्तार किया है।आरोपी जिसके घर में फर्नीचर का काम करते थे उसी के घर में सेंधमारी कर लाखो रूपये के जेवरात चुरा लिए।

जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया की दिनांक 26जुलाई2022 को सत्यनारायण पिता बगदीराम जाति चौधरी (कलाल) उम्र 42 साल पेशा सेल्समैन निवासी केवलपुरा थाना बडी सादडी जिला चितौडगढ हाल सोंलकी दरवाजा के अन्दर देवगढ जिला राजसमन्द ने थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराईजिसमें बताया कि मै करीब 10-12 साल से कस्बा देवगढ मे रह रहा हूँ। मैंने करीब 1 साल पहले मकान खरीदा उसमे परिवार सहित रहने लगा मकान पुराना होने के कारण उसमे फर्नीचर का काम कराने के लिए पंकज सुथार निवासी देवगढ को ठेके में दिया जिस पर पंकज व उसके साथी ने दस बारह दिन पहले काम शरू किया ये लोग देर रात्रि तक काम करते थे मकान के कमरे मे रखे पलंग में किमती सामान जेवरात रखे हुए थे।कल दिन में मैने पलंग खोलकर देखा तो मेरे पंलग में रखे जेवरात सोने का कन्दोरा वजन 8 तोला 1 साने की चेन आधा तोला दो सोने की अंगुठी घुलक के अंदर रखे 15 से 20 हजार रुपये थे जो की गायब थी। जिस पर मैने मेरे मकान पर काम करने वाले पंकज, महेन्द्र, रतन से पुछताछ की मुझे इन लोगो पर शंका है कि मै और मेरा परिवार हमेशा रात को 9 से 10 बजे घूमने के लिए जाते थे उसी दौरान इन तीनो ने पंलग में रखे हुए जेवरात चुराए है कमरे मे अनाधिकृत रुप से प्रवेश कर पलंग मे रखे जेवरात व रुपया का घुलक चुराया है जिस पर निवेदन किया है कि कानुनी कार्यवाही करवाये व मेरे जेवरात व रुपये बरामद करावे वगैरा रिपोर्ट पर प्रकरण संख्या 307 / 2022 धारा 457,380 भादस मे दर्ज कर अनुसंधान पुरण सिंह सउनि के जिम्मे किया गया।

वृत्ताधिकारी वृत्त भीम राजेन्द्रसिंह राठौड के निर्देशन में थानाधिकारी शैतानसिह नाथावत के नेतृत्व में प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुये थाना स्तर पर एक विशेष टीम का गठन किया गया जिसमे पुरण सिंह सउनि व दिलीप सिंह हैडकानि. 204, कानि. उमेश फौजदार 102, कानि. जैयन 1044, कानि. राजेन्द्र सिंह 650 को टीम मे शामिल किया गया। इस दौरान अनुसंधान में आरोपी रतन लाल पिता गोविन्द जाति लौहार पेशा सुथारी कार्य उम्र 22 साल निवासी शास्त्रीनगर देवगढ जिला राजसमंद को गिरफ्तार कर मनोवैज्ञानिक तरीको से पुछताछ पर आरोपी ने कस्बा देवगढ में नकबजनी की वारदात करना स्वीकार किया। थानाधिकारी शैतानसिंह नाथावत ने बताया की प्रकरण मे उक्त मुल्जिम को गिरफ्तार कर पुछताछ की गई तो मुल्जिम ने बताया कि वह कस्बा देवगढ व आसपास मकानों में फर्नीचर का कार्य करता है ।

देवगढ़ थाना पुलिस ने नकबजनी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

सार-समाचार

मेले को लेकर बैठक आयोजित

मंडफिया, (कासं)। श्री सांवलिया जी मंदिर मंडल की बैठक मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरू लाल गुर्जर एवं मुख्य निष्पादन अधिकारी गीतेश श्री मालवीय एवं बोर्ड सदस्यों की उपस्थिति में हुई । आगामी जलझूलनी एकादशी के त्रि- दिवसीय मेले की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक में सांवलियाजी मंदिर पर वृंदावन स्थित प्रेम मंदिर की भांति लाइटिंग करने का एलईडी टीवी पर डेमो देखा गया। बैठक में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के ऑर्गेनाइजर द्वारा विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झलकियां प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाई गई, जिन पर चर्चा की गई। इसके साथ ही मेले के मुख्य कार्यक्रम कवि सम्मेलन के नामों पर भी चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न मंचो की व्यवस्था, यातायात एवं आवागमन, दर्शन एवं कार्यक्रमों के लाइव प्रसारण, हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा, शोभायात्रा आदि कार्यक्रमों पर विशेष चर्चा की गई । बैठक में मंदिर बोर्ड सदस्य एवं कपासन प्रधान भेरु लाल जाट, भेरु लाल सोनी ,अशोक शर्मा, भादसोड़ा सरपंच एवं बोर्ड सदस्य शंभू लाल सुथार, संजय कुमार मंडोवरा, श्री लाल पाटीदार आदि उपस्थित थे ।

तिरंगा अभियान को लेकर चर्चा

भीम, (निसं)। पंचायत समिति सभागार में उपखंड स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर तैयारी बैठक शुक्रवार को उपखंड अधिकारी उमेद सिंह राजावत तहसीलदार राजीव बडगूजर विकास अधिकारी शिवराज मीणा प्रधान बीरमसिंह चौहान भीम सरपंच यशोदा कवर आदि के सानिध्य में आयोजित हुई। बैठक के दौरान आजादी अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान तहत सभी ग्राम पंचायतों एवं राजकीय कार्यालयों पर तिरंगा लहराने को लेकर उपखंड अधिकारी ने समस्त विभाग अध्यक्षों को निर्देशित किया तथा राष्ट्रीय ध्वज को सम्मान एवं सरंक्षण के साथ फहराने के नियम कानून की जानकारी प्रदान की। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार शर्मा ने आजादी अमृत महोत्सव के कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत रूप से चर्चा की। उपखंड स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह पाटिया राजीव गांधी खेल स्टेडियम में आयोजित होने को लेकर छाया पानी बिजली चिकित्सा बैठक व्यवस्था यातायात व्यवस्था सम्मान समारोह मंच संचालन आदि व्यवस्थाओं को लेकर प्रभारी नियुक्त किए गए। इस दौरान समस्त उपखंड स्तरीय कार्यालय विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

आरोपी को 20 साल का कारावास

राजसमंद, (निसं)। पोक्सो न्यायालय न्यायाधीश सुनील कुमार पंचोली ने शुक्रवार को बडा फैसला सुनाते हुए 12 वर्षीय नाबालिग बालक के साथ लैंगिक हमला करने के आरोपी को 2० वर्ष के कठोर कारावास के साथ 26 हजार रूपये के अर्थ दंड का फैसला सुनाया है। विशिष्ट लोक अभियोजक राहुल सनाढ्य ने बताया कि 16 अक्टूबर 2०19 को पीडित बालक के पिता ने कांकरोली थाने में एक रिपोर्ट पेश की कि उसका पुत्र घर के पास बैठा हुआ था तभी आरोपी भाटोली निवासी लक्ष्मी शंकर देराश्री (65) पिता गणेशलाल देराश्री उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ अपने घर ले जाकर उसके पुत्र को शरबत में नशीला पदार्थ पिलाया तथा उसके पुत्र के साथ अश्लील हरकतें करने लगा। जिसका उसने विरोध किया तो उसे जान से मारने की धमकी दी। उक्त रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आवश्यक अनुसंधान पूर्ण कर पोक्सो न्यायालय में आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया। जहां पीडित बालक व राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए विशिष्ट लोक अभियोजक राहुल सनाढ्य ने 9 गवाहों के बयान तथा 15 दस्तावेज साक्ष्य के रूप में पैश किए। न्यायालय ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के पश्चात आरोपी लक्ष्मी शंकर देराश्री को दोष सिद्ध घोषित किया गया। न्यायालय ने आरोपी को धारा 342 भारतीय दंड संहिता के अपराध में 1 वर्ष का साधारण कारावास तथा 1 हजार रूपये जुर्माना, धारा 5 (एम)/6 पोक्सो एक्ट के अपराध में 2० वर्ष का कठोर कारावास व 2० हजार रूपये जुर्माना तथा धारा 9 (एम)/ 1० पोक्सो एक्ट के अपराध में 5 वर्ष का कठोर कारावास व 5 हजार रूपये जुर्माने की सजा से दंडित किया गया।

भीण्डर में बच्चों ने निकाली तिरंगा यात्रा

भीण्डर। देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय भीण्डर के बच्चों द्वारा भीण्डर नगर में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा रावलीपोल से रवाना होकर के विभिन्न मार्ग रावलीपोल, सदर बाजार, मोचीवाडा, हींता गेट, गायत्री चौक, सूरजपोल, हनुमानजी की गली, नायक वाडी, गिरीवर पोल, साटडिया बाजार, माधो का नीम होते हुए रावलीपोल पहुंची। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंध समिति अध्यक्ष दिनेश सोनी ने हरी झंडी दिखाकर किया। तिरंगा यात्रा की समाप्ति के पश्चात विद्यालय में मुख्य वक्ता भगवती लाल पण्ड्या, अध्यक्ष दिनेश सोनी ने आजादी के लिए शहीद हुए सैनानियों के बारे में पाथेय प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय प्रभारी ललित प्रकाश चौबीसा ने किया। समाज सेवी महावीर नागदा ने बच्चों को चॉकलेट बांटी। कार्यक्रम की समाप्ति राष्ट्रगान के साथ हुई।

पुरुषोत्तम दाधीच बने जिलाध्यक्ष

उदयपुर,। राजस्थान एकाउंटेंट्स एसोसिएशन जिला शाखा उदयपुर के जिलाध्यक्ष और प्रांतीय प्रतिनिधियों के चुनाव जिला कलक्टर कार्यालय परिसर में सम्पन्न हुए। चुनाव में लेखाकर्मियों ने सहभागिता करते हुए 93 प्रति. मतदान किया। निर्वाचन अधिकारी पवन कुमार शर्मा ने बताया कि जलिाध्यक्ष पद पर कुल 244 मत पडे जिसमें से 236 मत वैध और 8 मत खारिज हुए। पुरुषोत्तम दाधीच ने चेनसिंह राठौड को 64 मतों से हराया। दाधीच को 150 मत मिले जबकि राठौड को 86 मत प्राप्त हुए। प्रांतीय प्रतिनिधि पर पर विनोद पाल सिंह, अमर भंडारी, भीम कुमार वर्मा, टिकराज सिंह राठौड, मालती चतुर्वेदी, सुमन मीणा एवं कृष्णकांत व्यास निर्वाचित हुए। सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को निर्वाचन अधिकारी ने शपथ दिलाई। जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम दाधीच ने कहा कि यथाशीघ्र जिला कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी और लेखा संवर्ग ही हित में संगठित प्रयास किए जाएंगे। संवर्ग की मांगों और संवर्ग के अस्तित्व पर आए संकट को दूर करने के लिए कडे संघर्ष की आवश्यकता जताई। निवर्तमान जिलाध्यक्ष गोपाल कृष्ण ने बताया कि चुनाव पूर्ण उत्साह, उमंग और जोश के साथ सम्पन्न हुए जिसमें संवर्ग स्नेह; संघर्ष ध्येय के स्लोगन वाक्य पर दृढता से आगे बढा जाएगा।

मकान में लगाई आग

बांसवाडा। सडक दुर्घटना में हुई युवक की मौत का बदला लेने के लिए एक ही परिवार के 31 लोगों ने दो भाईयों के मकान पर धावा बोल दिया और एक घर जिसमें घास-फूंस थी को आग लगा दी। सज्जनगढ थानाधिकारी धनपत सिंह ने बताया कि गुरुवार की रात को फोन आया था कि मेराणा गांव में विवाद हुआ है तो वे जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे वहां कुछ महिलाएं ही खडी थी। उन्होंने बताया कि इस मामले में पूर्व में भीलकुआ चौराहे पर सडक हादसे में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की हुई थी जिसमें अनुसंधान जारी था। उन्होंने बताया कि 2० जुलाई को पंकज गरासिया गांव में रहने वाले नाथू पटेल के बेटे मनीष को बाईक पर लेकर गया था। भीलकुआं के आगे सडक दुर्घटना में मनीष की मौके पर मौत हो गयी थी जिस पर पटेल परिवार ने पंकज पर हत्या का आरोप लगाया। घटना के बाद 3 अगस्त को पंचों के बीच मौताणें को लेकर भांजगडे के लिए लोग जमा हुए। जहां पर आरोपी परिवार ने मनीष की मौत के बदले 5 लाख रुपये की मांग की। इसी दौरान दोनों पक्षों में तू-तू, मैं-मैं हो गयी। इस मामले में मेराणा निवासी ईश्वर पुत्र राजहेंग गरासिया ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई कि बहादुर पुत्र नाथू पटेल, थावरी पत्नी नाथू, सोनिया पुत्री रतना सहित 31 हथियारबंद लोगों ने गुरुवार की शाम छः बजे उनके मकानों पर हमला बोल दिया। जिस पर ईश्वर, उसकी पत्नी बना, मां रमीला और पिता राजहेंग जान बचाने के लिए पहाडियों पर चढ गये। आरोपियों ने दोनों घरों में पडे हुए अनाज को बिखेर दिया एवं कपडे की पेटियां बाहर फेंक दी वहीं मवेशी बांधने वाली जगह पर आग लगा दी। पुलिस ने 31 जनों के खिलाफ आगजनी व लूट का मामला दर्ज किया है।

'मोदीजी मरने पर जीएसटी मत लगा देना, नहीं तो मरना भी मुश्किल हो जाएगा'

जयपुर, (का.प्र.)। महंगाई के खिलाफ कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने दिल्ली में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया और गिरफ्तारियां दी। वही राजस्थान में ही जिला कांग्रेस कमेटियों के स्तर पर विरोध प्रदर्शन किए गए जयपुर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में सिविल लाइन फाटक पर विरोध प्रदर्शन के बाद कांग्रेस नेताओं ने गिरफ्तारियां दी।

राजस्थान में जहां जिला स्तर पर कांग्रेस के प्रमुख नेताओं, विधायकों और पूर्व सांसदों के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन के बाद गिरफ्तारियां दी गई, वही राजस्थान से बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता दिल्ली में हो रहे प्रदर्शन में भी शामिल होने पहुंचे।

जयपुर में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ कई मंत्रियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ सिविल लाइंस में धरना दिया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि लाठी का जवाब लाठी होगी। जयपुर में प्रदेश कांग्रेस ने सांकेतिक राजभवन का घेराव रखा गया था। जयपुर में इस दौरान सुबह से ही बरसात के बावजूद सिविल लाइन फाटक पर नेता और कार्यकर्ता जमे रहे। सिविल लाइंस फाटक के बाहर कांग्रेस की विरोध सभा में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, मंत्री महेश जोशी, प्रतापसिंह खाचरियावास, गोविंद राम मेघवाल, पूर्व मंत्री राजेंद्र पारीक, पूर्व केंद्रीय मंत्री नमो नारायण मीणा, विधायक मनोज मेघवाल, मदन प्रजापत, 20 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ चंद्रभान, खादी बोर्ड के अध्यक्ष ब्रजकिशोर शर्मा, पूर्व विधायक सोना देवी बावरी, पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, प्रशांत सहदेव शर्मा, राजेश चौधरी सहित प्रमुख नेता मौजूद रहे।

तेज बारिश के बीच सभा करते कांग्रेस नेताओं ने केंद्र की नीतियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी भी की। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि आज पूरा देश महंगाई से त्रस्त हैं और कांग्रेस इस समस्या को लेकर केंद्र सरकार की नींद उड़ाना चाहती है। दूसरी ओर कांग्रेस के विरोध से घबराकर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभी लंबी लड़ाई लड़नी है और सभी को इसके लिए तैयार रहना होगा। इस दौरान खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि आज जनता महंगाई से त्रस्त है। केंद्र सरकार ने हर चीज पर जीएसटी लगा दिया। कफन तक पर टैक्स लगा दिया। मोदीजी हर चीज पर जीएसटी लगा दी, मरने पर मत लगा देना, नहीं तो मरना भी मुश्किल हो जाएगा। यहां सभा के बाद कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने राजभवन की ओर कूच किया लेकिन बैरिकेडिंग के पास नेताओं कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर 3 बसों में भरकर दूर ले जाया गया।

कांग्रेस गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने शुक्रवार को जयपुर के सिविल लाइन फाटक पर गिरफ्तारियां दी।

- **महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदेश स्तरीय विरोध प्रदर्शन, कोटा में इजाजत नहीं मिली, फिर भी कांग्रेसजनों ने किया प्रदर्शन**

जयपुर के साथ ही कांग्रेस जनों ने सभी जिलों में जिला कांग्रेस के नेतृत्व में अलग-अलग तरीकों से महंगाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कोटा में कांग्रेसजन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निवास और कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करना चाहते थे, लेकिन ओम बिरला के संविधानिक पद पर होने के कारण प्रशासन ने इजाजत नहीं दी। इसके बावजूद कांग्रेसजनों ने कोटा में महंगाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

डीजीपी अदालत में पेश नहीं हुए तो अदालत ने नाराजगी जताई

एएजी ने प्रार्थना पत्र पेश कर कहा कि हर्निया का ऑपरेशन होने के कारण वे वर्दी पहनने में असमर्थ हैं

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालत से निस्तारित होने वाले मुकदमों की जानकारी संबंधित थाने को नहीं होने के मामले में गृह सचिव की अध्यक्षता में एएजी जीएस राठौड़ और न्यायमित्र जसवंत सिंह को अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ शामिल करते हुए एक कमेटी का गठन किया है। अदालत ने कहा है कि कमेटी 25 अगस्त तक रिपोर्ट पेश कर बताए कि आपराधिक रिकॉर्ड को हर स्टेज पर किस तरह व्यवस्थित रखा जा सकता है और अदालत में किस तरह सही जानकारी पेश की जा सकती है। इसके अलावा अदालत ने केस डायरी पेश करने के संबंध में भी कमेटी से जानकारी मांगी है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश लूसी की ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान गृह सचिव श्रवण कुमार, एडीजी रविप्रकाश मेहरडा और आईजी एससीआरबी शरद कविराज सहित अन्य पुलिस अधिकारी पेश हुए। वहीं एएजी जीएस राठौड़ ने प्रार्थना पत्र पेश कर कहा कि अदालती आदेश की पालना में डीजीपी पेश नहीं हुए हैं। डीजीपी के हर्निया का ऑपरेशन होने के कारण वे वर्दी पहनने में असमर्थ हैं। इस पर न्यायमित्र ने अखबार पेश कर कहा कि डीजीपी सिविल ड्रेस में सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि बड़े अधिकारियों का ऐसा रवैया है कि वे आदेश के बावजूद कोर्ट में नहीं आ रहे हैं, लेकिन समारोह में जा रहे हैं। अदालत ने कहा कि कोर्ट में जमानत याचिका पेश होने के बाद दो-तीन दिन में लिस्ट होती है। उसके बाद कोर्ट केस डायरी मंगाती है। ऐसे में आरोपी चाहे निर्दोष ही क्यों ना हो, उसे पन्द्रह दिन जेल में रहना पड़ जाता है। इसलिए ऐसी व्यवस्था हो की आपराधिक रिकॉर्ड कोर्ट, पुलिस और अभियोजन पक्ष के बीच तत्काल मौजूद रहे। ताकि पहली तारीख पर ही न्याय मिल सके। अदालत ने कहा कि पुलिस तथ्यात्मक रिपोर्ट भी गलत पेश करती है। हम छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई के बजाए सिस्टम में सुधार चाहते हैं। कोर्ट में यंग जनरेशन है तो आपका सिस्टम भी यंग होना चाहिए। वहीं एएजी ने बताया कि कोर्ट के आदेश की कॉपी आरोपी पक्ष को तत्काल मिल जाती है, लेकिन सरकारी पक्ष को कई दिनों में मिलती है और उसके बाद प्रक्रिया में करीब पांच से छह माह लगने के बाद पुलिस को जानकारी मिल पाती है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट के सुपरविजन में आईसीजेएस सॉफ्टवेयर पर काम चल रहा है। इसके आसानी से आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी मिल जाएगी।

- **इस पर न्यायमित्र ने अखबार पेश कर कहा कि डीजीपी सिविल ड्रेस में सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं**
- **जमानत याचिका के साथ ही पेश हो केस डायरी व आपराधिक ब्यौरा, ताकि पहली तारीख पर ही मिले न्याय : हाईकोर्ट**

पिछले छह दिनों में करोना से 11 लोगों की मौत हुई राजस्थान में

जयपुर। प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या बढ़ने के साथ ही इस बीमारी से मरने वालों का आंकड़ा भी बढ़ता ही जा रहा है। पिछले 6 दिन में करोना से 11 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में शुक्रवार को भी दो लोगों की मौत हुई है। वहीं इस बीच 431 नए संक्रमित मिले हैं।

प्रदेश में शुक्रवार को 9742 कोविड जांचों पर 431 नए संक्रमित सामने आए हैं। इनमें सर्वाधिक 171 संक्रमित जयपुर जिले में मिले हैं। इसके अलावा उदयपुर में 52, जोधपुर में 39, दौसा में 25, अलवर में 15, डूंगरपुर में 13, सिरोही में 11, चित्तौड़गढ़ और नागौर में 10-10, बीकानेर, कोटा व राजसमंद में 9-9, भीलवाड़ा में 8, बांसवाड़ा, झालावाड़ व जालोर में 7-7, अजमेर व चूरू में 5-5, बारां, भरतपुर व सीकर में 4-4, हनुमानगढ़ व सवाईमाधोपुर में 2-2 तथा बाड़मेर और गंगानगर में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में केवल 153 मरीजों के ही ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर 2607 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 902 मामले जयपुर जिले में हैं। वहीं उदयपुर में 212, जोधपुर में 197, अलवर में 169, दौसा में 144, अजमेर में 123, राजसमंद में 104 और भीलवाड़ा में 100 रोगियों का इलाज चल रहा है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से बारां और बीकानेर में 1-1 संक्रमित की मौत हो गई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस बीमारी से 9589 लोगों की जान जा चुकी है।

राजधानी जयपुर में शुक्रवार को 42 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा जगतपुरा में 20, नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा सांगानेर में 16, वैशाली नगर में 12, सोड़ाला में 10, बस्सी व मालवीय नगर में 9-9, जमवारामगढ़ व शास्त्री नगर में 8-8, मानसरोवर में 7, जवाहर नगर, बनीपार्क व मुरलीपुरा में 4-4, चांदपोल, सी-स्कीम, दूदू व निर्माण नगर में 3-3, अजमेर रोड, चाकसू, सिविल लाइन्स, गांधी नगर, गोविंदगढ़, खातीपुरा, सुभाष चौक, सिरसी, रामगंज व राजापार्क में 2-2 तथा बाइस गोदाम, आदर्श नगर, अम्बाबाड़ी, बगरू, बजाज नगर, बापू नगर, झोटवाड़ा, त्रिवेणी नगर, टोंक रोड, सिधी कैंप, सांभर, फागी, लालकोठी और कोटपूतली में एक-एक नया मरीज मिला है। वहीं 13 संक्रमितों का पता सही नहीं मिला है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में केवल 40 मरीज ठीक हुए हैं।

ईआरसीपी पर कांग्रेस की चिंगारी को हवा देने में जुटे हैं डॉ. किरोड़ी

जयपुर। पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट से पानी लाने की गरमाई सियासत में भाजपा के राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा इन जिलों में कांग्रेस की बढ़ गई चिंगारी को ही हवा देने में जुटे हैं।

कैनाल प्रोजेक्ट को लेकर पूर्वी राजस्थान में कांग्रेस आम आवाम और किसानों को पानी उपलब्ध नहीं कराने के केंद्र पर आरोप लगाकर भाजपा के वोटों में बड़ी सेंधमारी की रणनीति के तहत काम कर रही है। प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं करने और किसानों को सिंचाई के लिए प्रोजेक्ट से पानी नहीं देने का मुद्दा जोर शोर से उठा रही है। राजस्थान की भाजपा इसे लेकर चिंता में है। हाल ही में कांग्रेस के इस मुद्दे पर डैमेज कंट्रोल के लिए पूर्वी राजस्थान के भाजपा नेताओं को बुलाकर कैनाल प्रोजेक्ट को लेकर कांग्रेस के आरोपों का करारा जवाब देने के लिए उन्हें ट्रेनिंग भी दी गई थी और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कैनाल प्रोजेक्ट में राजस्थान सरकार के द्वारा उठाए जा रहे रोड़े को लेकर भी सभी को तकनीकी जानकारी से अवगत कराया था। यहां पर केंद्र सरकार का पक्ष रखने के लिए शेखावत की दौसा में सभा आयोजित करने का भी फैसला हुआ था लेकिन ऐन वक्त पर राष्ट्रपति चुनाव के चलते उनकी दौसा में सभा को स्थगित कर दिया गया था। राजस्थान की भाजपा कैनाल प्रोजेक्ट पर पूर्वी राजस्थान में अपना अगला स्टेप उठाती उससे पहले ही राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल ने बिना पार्टी की अनुमति के 9 अगस्त को दौसा में आदिवासी समाज का आदिवासी दिवस के मौके पर जल क्रांति दिवस के नाम से नांगल प्यारी वास के मीणा हाईकोर्ट के नाम से प्रसिद्ध स्थान पर कार्यक्रम आयोजित किया है। इस कार्यक्रम में पूर्वी राजस्थान की 75 विधानसभाओं से आदिवासी वर्ग को बुलाया गया है। किरोड़ी इस कार्यक्रम में आदिवासियों के बीच ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट के निर्माण को लेकर बड़ा बिगुल बजाने की तैयारी में हैं। वे आदिवासी वर्ग को साथ लेकर प्रोजेक्ट के निर्माण की मांग को लेकर पैदल जयपुर कूच भी कर रहे हैं। वे इस दौरान राजस्थान सरकार से कैनाल प्रोजेक्ट की जल्द निर्माण की मांग उठाएंगे। हालांकि उनकी मांग राजस्थान सरकार से यह रहेगी कि केंद्र सरकार की राष्ट्रीय परियोजनाओं के अनुरूप प्रोजेक्ट की डीपीआर बनाकर दिल्ली भेजा जाए ताकि उसे मंजूरी देकर पूर्वी राजस्थान के जिलों की प्यास बुझाने के साथ ही सिंचाई का पानी आ सके। लेकिन राजस्थान की गहलोत सरकार किरोड़ी के इस आंदोलन को भी भुनाने की तैयारी में है। राजस्थान सरकार इस दौरान किरोड़ी की सभा को अपना राजनीतिक प्लेटफार्म बनाने के लिए रणनीति के तहत किसानों को पानी नहीं देने के लिए किरोड़ी के इस आंदोलन को डैमेज करने के साथ ही उन्हें अपने साथ लाने की जुगत में है। कांग्रेस को राजस्थान की सरकार अगर अपनी इस रणनीति में कामयाब रही तो किरोड़ी के जरिए भी कांग्रेस सरकार केंद्र सरकार पर एक तीर और चलाने में कामयाब हो जाएगी। चर्चा है कि भाजपा की ओर से हालांकि अभी तक किरोड़ी लाल की सभा को लेकर कुछ नहीं कहा जा रहा है लेकिन ऐनवक्त में इस सभा को कैंसिल करने का दबाव किरोड़ी मीणा पर डाला जा सकता है।

- **9 अगस्त को दौसा में आदिवासी समाज का आदिवासी दिवस के मौके पर जल क्रांति रैली निकालेंगे**

बैडमिंटन : सिंधु, श्रीकांत संग त्रिशा-गायत्री की जोड़ी क्वार्टरफाइनल में

बर्मिंघम, 5 अगस्त। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शुक्रवार को महिला एवं पुरुष एकल के क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी, जबकि त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीनाथ की जोड़ी महिला युगल क्वार्टरफाइनल में कदम रखा।

गोल्डकोस्ट 2018 खेलों की रजत पदक विजेता सिंधु ने शीर्ष-16 मैच में युगांडा की हसीना कोबुगाबे को 21-10, 21-9 के सीधे गेमों में मात दी। दूसरी ओर, थॉमस कप विजेता टीम का हिस्सा रहे श्रीकांत ने प्री-क्वार्टरफाइनल मैच में श्रीलंका के दुमिंदु आबेविक्रम को 21-9, 21-12 से हराया। इससे पहले, त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने मौरिशियस की जेमिमाह लियुंग फोर सांग और गणेशा मुंगराह को मात देकर शीर्ष-8 में कदम रखा था। त्रिशा-गायत्री की जोड़ी ने जेमिमाह-गणेशा को आसानी के साथ 21-2, 21-4 से हराया था।

पुरुष युगल क्वार्टरफाइनल में शरत-साथियान, सनिल-हरमीत

बर्मिंघम, 5 अगस्त। अचंत शरत कमल और साथियान ज्ञानसेकरन की पुरुष युगल जोड़ी ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शुक्रवार को बांग्लादेश के बॉम और रिदॉय को 3-0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में कदम रखा। शरत-साथियान की जोड़ी ने बांग्लादेशी प्रतिद्वंद्वियों को 11-6, 11-1, 11-4 के सीधे गेमों में मात दी। दूसरी ओर, सनिल शेट्टी और हरमीत देसाई की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के डिलन चेंबर्स और शिन यान को 3-1 से हराकर शीर्ष-4 में जगह बनायी। भारतीय जोड़ी ने अपने ऑस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंद्वियों को 11-3, 9-11,11-9, 11-7 से शिकस्त दी।

पुरुष 400 मीटर रिले के फाइनल में

बर्मिंघम, 5 अगस्त। भारतीय पुरुष 4400 मीटर रिले टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शुक्रवार को अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। मोहम्मद अनस यहिया, नूह निर्मल टॉम, मोहम्मद अजमल और अमोज जेकब की भारतीय टीम 3:06.97 के समय के साथ हीट-2 में दूसरे और कुल छठे स्थान पर रही। शीर्ष आठ टीमों ने फाइनल में जगह बनायी। भारतीय टीम अब रविवार को होने वाले फाइनल में स्वर्ण पदक की दावेदारी पेश करेगी। इसी बीच, महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में ज्योति याराजी हीट-2 में 13.18 सेकंड में चौथे स्थान पर रहीं और फाइनल के लिए एक स्थान से चूक गईं। वह क्वालीफाइंग दौर में कुल 17 में से 10वें स्थान पर रही। साथ ही, एंसी सोजन 6.25 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ क्वालीफिकेशन में कुल 13वें स्थान पर रहीं और महिलाओं की लंबी कूद के फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। उल्लेखनीय है कि फाइनल में पहुंचने के लिये 6.75 मीटर के निशान को पार करना था या शीर्ष 12 में जगह बनानी थी।

महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में मनिका, श्रीजा

बर्मिंघम, 5 अगस्त। भारत की शीर्ष महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शुक्रवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। गोल्डकोस्ट 2018 खेलों की गोल्ड मेडलिस्ट मनिका ने शीर्ष-16 मैच में ऑस्ट्रेलिया की मिन्हयुंग जी को 11-4, 11-8, 11-6, 12-10 के सीधे गेमों में मात दी। दूसरी ओर, श्रीजा ने वेल्स की अपनी प्रतिद्वंदी शारलेट कैरी को नाटकीय मैच में 4-3 से मात दी। राष्ट्रीय चैंपियन श्रीजा ने सात गेमों के मैच में कैरी को 8-11, 11-7, 12-14, 9-11, 11-4, 15-13, 12-10 से हराया। पहले चार में से तीन गेम हारकर श्रीजा दबाव में थीं, लेकिन उन्होंने अगले तीन गेमों में शानदार वापसी करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। इसी बीच, रीथ टेनिसन को शीर्ष-16 राउंड में मलेशिया की टी फेंग के हाथों 4-1 से हार मिली। फेंग ने पांच गेमों के मैच में टेनिसन को 11-2, 11-4, 9-11, 11-3, 11-4 से हराया।

राष्ट्रमंडल खेल

स्पीकर गिरने के बाद रुकी कुश्ती प्रतियोगिता

बर्मिंघम, 5 अगस्त। ब्रिटेन के बर्मिंघम में चल रहे राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शुक्रवार को एक शर्मनाक घटना पेश आयी जब कुश्ती के पहले सत्र के दौरान छत पर लगा एक स्पीकर गिर गया और बाउट रोकने पड़े। इसके बाद दर्शकों को हॉल खाली करने के निर्देश दिये गये। बर्मिंघम 2022 के आठवें दिन शुरू हुई कुश्ती प्रतियोगिता में पांच बाउट ही पूरे हुए थे कि छत पर लगा स्पीकर मैट चेयरमैन के पास आ गिरा। यह घटना भारतीय पहलवान दीपक पूनिया के बाउट के ठीक बाद हुई। स्पीकर गिरने के बाद आयोजकों ने पूरे परिसर की जांच के आदेश दिये, और प्रतियोगिता को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:45 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 5:15 बजे) पुन: शुरू किया गया। एक कोच ने घटना के बारे में कहा, "सभी सुरक्षित हैं। आयोजक किसी अवांछित घटना से बचने के लिये पूरी व्यवस्था की जांच कर रहे हैं।"

यह पेरिस ओलंपिक के बड़े लक्ष्य के लिए छोटा सा कदम है : श्रीशंकर

बर्मिंघम, 5 अगस्त। राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक कर रजत पदक से संतोष करने वाले भारतीय एथलीट मुरली श्रीशंकर ने कहा कि यह अधिक से अधिक सफलता हासिल करने की उनकी भूख की शुरुआत मात्र है।

लंबे कद के इस एथलीट के लिए पदक जीतना आसान नहीं रहा क्योंकि तीसरे प्रयास में बाद 7.84 मीटर कूद लगाकर छठे स्थान पर खिसक गए थे। इसके बाद उन्होंने अच्छी वापसी की और चौथे प्रयास में 8.08 मीटर कूद लगाई जिससे वह ऐतिहासिक रजत पदक हासिल करने में सफल रहे। श्रीशंकर ने कहा, "मैं वैश्विक प्रतियोगिताओं में लंबे समय से पदक का इंतजार कर रहा था। मैं विश्व इनडोर और विश्व आउटडोर प्रतियोगिताओं में सातवें, विश्व जूनियर में छठे, एशियाई इंडोर में चौथे और एशियाई खेलों में छठे स्थान पर रहा था।" उन्होंने कहा, "हर बार मैं पदक से वंचित रह जाता इसलिए यहां रजत पदक जीतकर मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। मैं विश्व स्तर की प्रतियोगिता में पदक के लिए वास्तव में लंबे समय से इंतजार कर रहा था। यह पेरिस ओलंपिक 2024 के बड़े लक्ष्य के लिए मेरा छोटा सा कदम है। मेरी निगाहें अब पेरिस ओलंपिक पर टिकी हैं।"

श्रीशंकर ने कहा, "हर एथलीट इस दौर से गुजरा है। (वर्तमान ओलंपिक चैंपियन) मिल्टियाडिस टेंटोग्लू ने यूनान में मुझसे कहा कि वह भी कई बार छठे और सातवें स्थान पर आए हैं और फिर उन्होंने तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता। यह कदम दर कदम आगे बढ़ने की प्रक्रिया है।" श्रीशंकर ने राष्ट्रमंडल खेलों की लंबी कूद में 44 साल बाद भारत को पदक दिलाया। उनसे पहले 1978 में सुरेश बाबू ने कांस्य पदक जीता था। वह बाबू, अंजू बॉबी जॉर्ज (2002 में मैनचेस्टर खेलों में कांस्य), और एमए प्रजुषा (2010 में नयी दिल्ली खेलों में रजत) के बाद इन खेलों में लंबी कूद में पदक जीतने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी हैं।

नदीम ने नीरज चोपड़ा से दोस्ती पर कहा, हम प्रतिद्वंद्वी नहीं, 'भाला फेंक परिवार' का हिस्सा है : नदीम

बर्मिंघम, 5 अगस्त। पाकिस्तान के भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम का कहना है कि उन्हें यहां राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा के खिलाफ प्रतिस्पर्धा की कमी महसूस होगी क्योंकि वे 'एक' परिवार का हिस्सा हैं।

नीरज ने पिछले महीने विश्व चैम्पियनशिप में 88.13 मीटर के थ्रो से ऐतिहासिक रजत पदक जीता था जिसमें अरशद पांचवें स्थान पर रहे थे, हालांकि वह फाइनल्स के लिये क्वालीफाई करने वाले पहले पाकिस्तानी बने थे।

नीरज ने 'ग्रोइन स्ट्रेन' के कारण राष्ट्रमंडल खेलों से हटने का फैसला किया जबकि अरशद के ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स के साथ पोडियम पर रहने की उम्मीद है। पीटर्स स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार हैं जिन्होंने हाल में विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। अरशद ने पीटीआई से कहा, "नीरज भाई मेरा भाई है। मुझे यहां उसकी कमी खल रही है। अल्लाह उन्हें स्वस्थ रखे और मुझे जल्द उनके साथ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिले। भारत-पाक प्रतिद्वंद्वियों के बीच यह 'भाईचारा' 2016 में गुवाहाटी में हुए दक्षिण एशियाई खेलों में हिस्सा लेने के दौरान शुरू हुआ।

चार साल पहले जब एशियाई खेलों में नीरज ने स्वर्ण पदक जीता तो अरशद ने कांस्य पदक प्राप्त किया था। तब इस भारतीय ने पाकिस्तानी खिलाड़ी के प्रति गर्मजोशी नहीं दिखायी थी लेकिन अब ऐसा नहीं है। अरशद ने कहा, "वह अच्छा इंसान है। शुरू में आप थोड़ा 'रिजर्व' रहते हो। जब आप एक दूसरे को जानने लगते हो तो आप खुलने लगते हो।

उन्होंने कहा, "हमारे बीच बहुत अच्छी मित्रता है। मैं उम्मीद करता हूं कि वह भारत के लिये प्रदर्शन करना जारी रखे और मैं अपने देश के लिये अच्छा करता रहूं। हम दोनों ने प्रभावित किया है। हम एक परिवार की तरह हैं। अरशद का विश्व चैम्पियनशिप में पांचवें स्थान पर रहना अच्छा प्रदर्शन कहा जा सकता है क्योंकि उन्होंने 2020 तोक्यो ओलंपिक के बाद चोट से वापसी की है। उन्हें अब भी यह कोहनी की चोट है।

पच्चीस साल के इस एथलीट ने कहा, "तोक्यो ओलंपिक के बाद मैंने लंबे अंतराल के बाद विश्व चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया, मैं अपने खेल के बारे में अच्छा महसूस कर रहा हूं। मुझे अब भी कोहनी में चोट है और इसका उपचार चल रहा है।"

नीरज के ओलंपिक स्वर्ण पदक ने उन्हें पूरे देश की नजरों में रातों रात स्टार बना दिया। अरशद को वहां तक पहुंचने के लिये लंबा सफर तय करना है लेकिन उनका कहना है कि उन्हें अपनी सरकार से भी काफी समर्थन मिल रहा है। अरशद ने कहा, "जिस तरह से नीरज भाई को आपके देश में शोहरत मिल रही है, मुझे अपनी सरकार और लोगों से काफी समर्थन मिला है। मैं इसके लिये शुक्रगुजार हूं।

भविना ने फाइनल में पहुंचकर पदक सुनिश्चित किया

बर्मिंघम, 5 अगस्त। भारत की पैरा टेबल-टेनिस खिलाड़ी भविना पटेल ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शुक्रवार को महिला एकल क्लास 3-5 के फाइनल में पहुंचकर भारत के लिये पदक सुनिश्चित किया। पहली बार राष्ट्रमंडल खेल में भाग ले रही भविना ने सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड की स्यू बेली को तीन गेमों के मैच में 11-6, 11-6, 11-6 से हराया। भविना इससे पहले टोक्यो पैरालंपिक खेल 2020 में रजत पदक जीत चुकी हैं।

लाहिड़ी की विंडहम चैम्पियनशिप में अच्छी शुरुआत

ग्रीन्सबोरो (उत्तरी कैरोलिना), 5 अगस्त। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने विंडहम चैंपियनशिप के पहले दौर में चार अंडर 66 का कार्ड खेलकर शानदार शुरुआत की। लाहिड़ी ने छह बर्डी की लेकिन इस बीच वह दो बोगी भी कर बैठे। इनमें से एक बोगी उन्होंने 18वें और अंतिम होल में की। पहले दौर के बाद लाहिड़ी 14वें स्थान पर हैं।

जान हूह ने पहले दौर में नौ अंडर 61 का स्कोर बनाया जिसमें सात बर्डी और एक ईगल शामिल है। पहले दौर के बाद शीर्ष पर काबिज हैं। लाहिड़ी ने कुछ अच्छे मौके गंवाये। उन्होंने पहले, पांचवें और छठे होल में बर्डी बनायी लेकिन इस बीच तीसरे होल में उन्होंने अपना शॉट गंवाया। इसके बाद उन्होंने 12वें, 14वें और 15वें होल में बर्डी बनायी लेकिन 18वें होल में फिर से बोगी कर बैठे।

गॉफ ने पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी ओसाका को सीधे सेटों में हराया

सैन जोस, 5 अगस्त। अमेरिका की किशोर टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका को 6-4, 6-4 से हराकर गुरुवार को मुबाडाला सिलिकॉन वैली क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। छठी वरीयता प्राप्त गॉफ ने शुरुआती सेट में अपने सभी सर्विस पर अंक जुटये और 45 मिनट के सत्र को तीन 'ऐश' लगाकर खत्म किया।

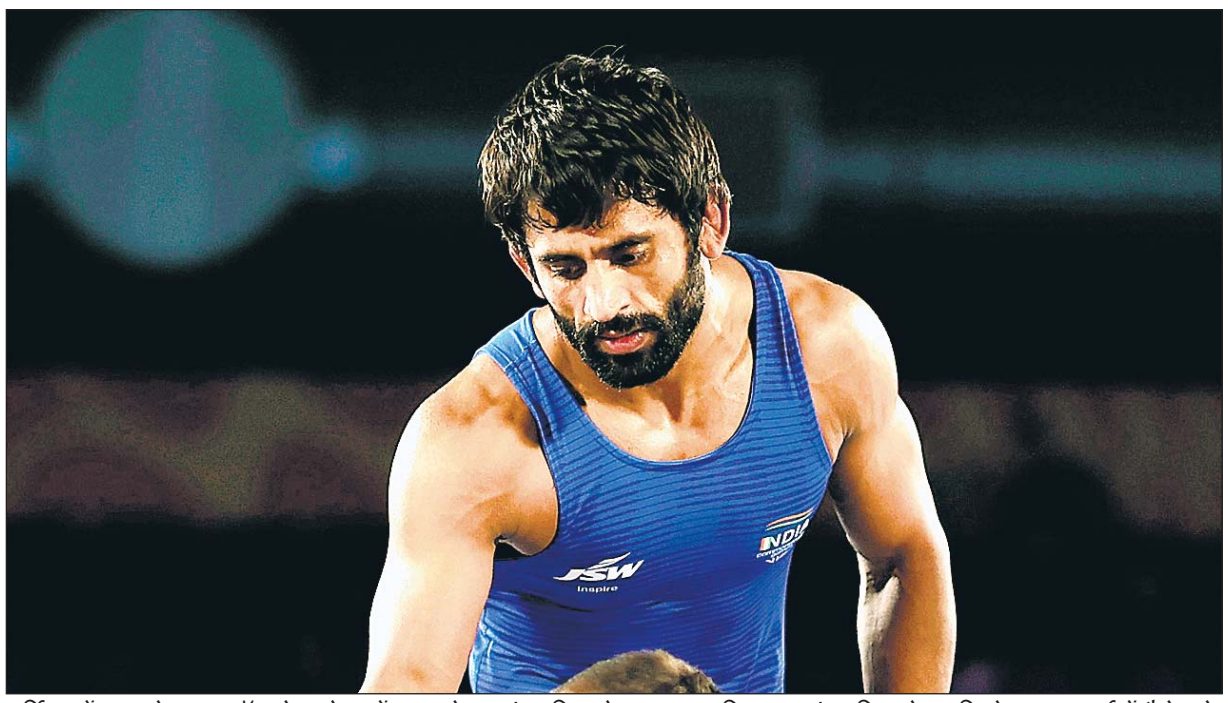

बर्मिंघम में चल रहे 2002 कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के बजरंग पूनिया ने कमाल कर दिया। बजरंग पूनिया ने 65 किलोग्राम भार वर्ग में कैनेडा के पहलवान को हराकर गोल्ड मैडल जीता। कॉमनवेल्थ गेम्स में यह उनका लगातार दूसरा गोल्ड मैडल है। उन्होंने फ्रीस्टाइल 65 कि.ग्रा. वर्ग में कैनेडा के लचलान मैकनिल को 9-2 से हराया। भारत का बर्मिंघम में कुश्ती में यह पहला और कुल छठा गोल्ड मैडल है। पहले हाफ में बजरंग ने चार अंक लिए। फिर दूसरे हाफ में मैकलीन ने दो प्वाइंट लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन बजरंग ने ऐसा नहीं होने दिया। बजरंग ने इससे पहले 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। वहीं 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने सिल्वर मैडल अपने नाम किया था।

अमेरिकी सिनेटर नैंसी पेलोसी के खिलाफ प्रतिबंध लगायेगा चीन

चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि, ताइवान की यात्रा कर पेलोसी ने हमारी ''वन चाइना'' पॉलिसी का उल्लंघन किया है

बीजिंग, 5 अगस्त (वार्ता)। चीन के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा है कि चीन अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी और उसके नजदीकी रिश्तेदारों पर ताइवान की उकसाने वाली यात्रा के संबंध में प्रतिबंध लगाएगा।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अमरीकी अधिकारी पेलोसी ताइवान में शांति और स्थिरता को खतरे में डालकर एक चीन के सिद्धांतों पर गहरी चोट पहुंचाई है। बयान में कहा गया है कि चीन के प्रासंगिक कानून के आधार पर चीन की तरफ से पेलोसी और उनकी नजदीकी रिश्तेदारों पर इस उकसाने वाली कार्रवाई पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि चीन ने अमेरिका के साथ जलवायु परिवर्तन वार्ता, अवैध अप्रवासियों के प्रत्यावर्तन पर सहयोग, आपराधिक और कानूनी सहायता तथा अन्तर्राष्ट्रीय अपराध एवं मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लड़ाई को रोकने का भी फैसला किया है। पेलोसी ने मंगलवार को चीन की चेतावनियों के बावजूद एशिया दौरे पर ताइपे का दौरा किया। चीन ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है और उसके साथ किसी भी प्रत्यक्ष आधिकारिक विदेशी संपर्क का विरोध करता है। पेलोसी 25 वर्षों में ताइवान की यात्रा करने वाली सर्वोच्च रैंकिंग वाली अमेरिकी अधिकारी हैं।

- **चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि, चीन ने अमेरिका के साथ जलवायु परिवर्तन वार्ता, अवैध अप्रवासियों के प्रत्यावर्तन पर सहयोग, आपराधिक और कानूनी सहायता तथा अंतरराष्ट्रीय अपराध एवं मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लड़ाई को रोकने का भी फैसला किया है।**

ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने अमेरिका के तीसरी सबसे बड़ी नेता व प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पिलोसी की यात्रा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और इसके जवाब में चीन द्वारा शुरु किए गए सैन्य अभ्यास की कड़ी आलोचना की।

वू बी.बी.सी. से शुक्रवार को बात करते हुए चीन की ओर से की गयी कार्रवाई को बहुत उकसाने वाला तथा एशिया में शांति और स्थिरता लिए बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि ताइवान चीन के सपनों के विस्तार का आखिरी टुकड़ा नहीं है। उनका यह बयान चीन के मिसाइल प्रक्षेपण किये जाने के बाद आया है।

बैंकिंग ब्याज दरें प्री कोविड स्तर से भी महंगी हो गईं

रिजर्व बैंक ने नीतिगत ब्याज दरों को आधा फीसदी बढ़ाने का फैसला किया

मुंबई, 5 अगस्त (वार्ता)। बढ़ती महंगाई को काबू में करने के लिए रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) के नीतिगत दरों में आज आधी फीसदी की बढ़ोतरी करने के साथ ही यह अब करोना महामारी के पहले के स्तर को पार कर गयी है। रिजर्व बैंक के आज के इस निर्णय से अब घर, कार और अन्य प्रकार के ऋण महंगे हो जाएंगे। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैठक में लिए गये निर्णय की जानकारी देते हुये कहा कि देश में वैश्विक कारकों से महंगाई में बढ़ोतरी हो रही है। इस वर्ष जून में लगातार छठे महीने में खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक के लक्ष्य छह प्रतिशत से ऊपर बनी रही है। विकास को गति देने तथा महंगाई को काबू में करने के उद्देश्य से नीतिगत दरों में आधी फीसद की बढ़ोतरी की गयी है। उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी से खुदरा महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिलने की उम्मीद है और महंगाई को मध्यावधि में छह प्रतिशत के लक्षित दायरे में लाया जा सकेगा।

- **रिजर्व बैंक ने कहा कि, कई ग्लोबल कारकों की वजह से लगातार छः महीने से महंगाई में अनियंत्रित बढ़ोतरी हो रही है, इसे रोकने के लिए यही सबसे सटीक उपाय है।**
- **इस बढ़ोतरी के बाद बैंकों के लिए रैपो रेट 4.90 प्रतिशत से बढ़कर 5.40 प्रतिशत हो जायेगी। करोना महामारी आने से पहले रैपो रेट 5.15 प्रतिशत ही थी। इससे तय है कि, सभी प्रकार के लोन अब काफी महंगे हो जायेंगे।**

उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी के बाद रेपो दर 4.90 प्रतिशत से 0.50 प्रतिशत बढ़कर 5.40 प्रतिशत पर, सटैडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी दर (एस.डी.एफ.) 4.65 प्रतिशत से 0.50 प्रतिशत बढ़कर 5.15 प्रतिशत, बैंक दर 5.15 प्रतिशत से बढ़कर 5.65 प्रतिशत पर तथा मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एम.एस.एफ.) 5.65 प्रतिशत पर पहुंच गयी है।

उल्लेखनीय है कि करोना महामारी के शुरू होने से पहले रेपो दर 5.15 प्रतिशत पर थी। माहामारी के दौरान लॉकडॉउन से मांग प्रभावित होने के कारण रिजर्व बैंक ने नीतिगत दरों में भारी कमी की थी और यह रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गयी थी। रिजर्व बैंक ने तीन बार बढ़ोतरी कर इसको करोना काल के पहले के स्तर के पार पहुंचा दिया है। हालांकि रिजर्व बैंक इसका उपयोग महंगाई को नियंत्रित करने के लिए कर रहा है।

उपराष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एन.डी.ए. के प्रत्याशी जगदीप धनखड़ के बीच और पूर्व केन्द्रीय मंत्री मार्गरेट अल्वा, जो विपक्ष की प्रत्याशी है, के बीच सीधा मुकाबला है।

संसद के दोनों सदनों के सदस्य इसमें मतदान करेंगे जिसमें राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी शामिल है। धनखड़ की जीत तय है क्योंकि लोकसभा से एन.डी.ए. का प्रचंड बहुमत है। धनखड़, एम. वेंकैया नायडू का स्थान लेंगे। पूर्व केन्द्रीय मंत्री और पूर्व भाजपा अध्यक्ष नायडू का कार्यकाल 11 अगस्त, रक्षाबंधन को खत्म हो रहा है।

धनखड़ राजस्थान के झुंझुनूं के रहने वाले हैं और अब संसद के दोनों सदनों के मुखिया राजस्थानी होंगे क्योंकि लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला भी राजस्थानी हैं वे कोटा के हैं। धनखड़ केन्द्रीय संसदीय कार्य राज्यमंत्री रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करते थे। बाद में भाजपा ने उन्हें पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनाया था।

सिख और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वे स्थानीय एयर पोर्ट और भारतीय उड़ानों में यात्रा करते समय अधिकतम 6 इंच के ब्लेड वाली कृपाण अपने साथ ले जा सकते हैं।

जब न्यायमूर्ति अब्दुल नज़ीर तथा जे.के. महेश्वरी की बैंच ने याचिकाकर्ता हिन्दू सेना को अपनी याचिका संबंधित उच्च न्यायालय में ले जाने की छूट दे दी तो वादी ने अपनी याचिका वापस ले ली। याचिका में इस बात का विरोध किया था कि कोई व्यक्ति अपने धर्म के आधार पर हवाई अड्डों पर कोई भी सामान ले जा सके, क्योंकि ऐसा किया जाना स्टाफ तथा यात्रियों के लिये संभावित खतरे का कारण बन सकता है।

याचिका में इस साल 4 तथा 12 मार्च के ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्यूरिटी के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें केवल सिख यात्रियों को कृपाण रखने की अनुमति दे दी गई थी तथा इस अनुमति में सिख कर्मचारी भी शामिल कर दिये गये थे।

ब्यूरो ने इस बात का विशेष रूप से उल्लेख किया था कि कृपाण का ब्लेड 15.24 सेमी (6 इंच) से बड़ा तथा कृपाण की कुल लम्बाई 22.86 सेमी (9 इंच) से ज्यादा नहीं होनी चाहिये। यह आदेश केवल भारतीय विमानों, जो देशी टर्मिनलों से देश के अंदर ही उड़ान भरेंगे, पर लागू किया गया था।

याचिका में तर्क दिया गया कि ब्यूरो के इस आदेश से हवाई अड्डे, विमान तथा यात्रियों की सुरक्षा में खामी पैदा हो सकती है तथा इस प्रकार, इस आदेश से जनता के जीवन तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मूलाधिकार का हनन हो रहा है, जिसकी गारंटी संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत दी गई है। हिन्दू सेना ने कहा कि वह सनातन धर्म के लिये काम करने वाले एक अलाभकारी संगठन के रूप में रजिस्टर्ड है। हिन्दू सेना का कहना है कि वह हिन्दू समुदाय के उत्थान, गो-संरक्षण तथा धर्मशाला-निर्माण के लिये काम करती है।

गर्भपात...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिनकी बैंच में जस्टिस जे.बी. पारदीवाला भी शामिल थे, ने कहा, ''इस कानून (एम.टी.पी. एक्ट एण्ड रुल्स) की एक प्रगतिशील व्याख्या होनी चाहिए, इस बात को मद्देनज़र रखते हुए कि मैडिकल के क्षेत्र में बहुत प्रगति हुई है।'' जस्टिस ने ''इन्टैन्ट ऑफ पार्लियामैंट'' का जिक्र किया जिसमें कहा गया है कि, ''... जब किसी महिला या उसके साथी द्वारा गर्भधारण रोकने के लिए इस्तेमाल किए गए साधन या उपकरण असफल होने के परिणामस्वरुप गर्भधारण हो जाए...''

एम.टी.पी. कानून एवं नियम के तहत जिन दो मुद्दों की जांच की जा रही है वो हैं कि, क्या बीस सप्ताह के गर्भ को खत्म करने के नियम में ढील दी जा सकती है, इस बात को देखते हुए कि मैडिकल के क्षेत्र में बहुत प्रगति हुई है, तथा, यह भी कि, वर्तमान कानून के तहत गर्भपात में विवाहित व अविवाहित का जो भेद है उसे खत्म किया जाए।

यह मुद्दा तब उठा जब 21 जुलाई को कोर्ट ने एक 25 वर्षीय महिला की प्रार्थना स्वीकार करते हुए उसे 24 सप्ताह का गर्भ गिराने की अनुमति दी और दिल्ली स्थित एम्स के डायरैक्टर को इस सम्बंध में एक मैडिकल बोर्ड के गठन का निर्देश दिया यह देखने के लिए कि क्या इस तरह के गर्भपात से उक्त महिला की जान को तो कोई खतरा नहीं है। ज्ञातव्य है कि उक्त महिला लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी।

कांग्रेस को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस अपने विरोध पर कायम रहेगी या यह सिर्फ एक ही दिन का कार्यक्रम है। चाहे जो कुछ भी हो कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन ने मीडिया की इतनी सुर्खियां बटोरी कि कश्मीर में धारा 370 हटने की तीसरी वर्षगांठ के कार्यक्रम भी कांग्रेसियों की बड़ी संख्या के आगे फीके पड़ गए। कांग्रेस के लोगों ने मूसलाधार बारिश वॉटर जैट्स व लाठियों के साथ किए गए भारी पुलिस बंदोबस्त व गिरफ्तारी की आशंकाओं का साहसपूर्वक मुकाबला किया। इससे पार्टी अन्ततः एक विपक्षी पार्टी के रूप में जागृत हो गई।

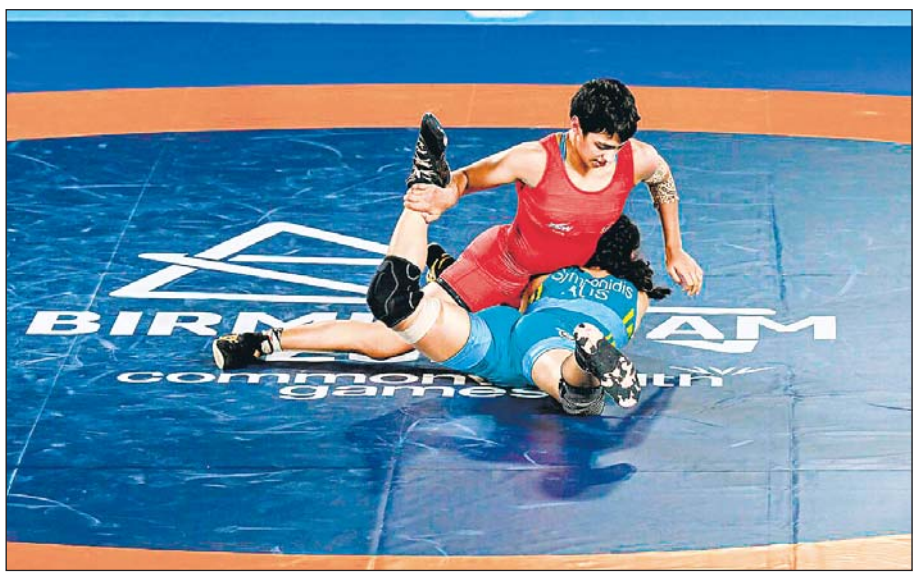

भारत की पहलवान अंशु मलिक ने भारत को कुश्ती में पहला मैडल दिलाया। फ्रीस्टाइल 57 कि.ग्रा. वर्ग में रजत पदक जीतने वाली अंशु मलिक फाइनल में नाईजीरिया की ओडानायो फोलासाडो से 3-7 से हारीं। ओडानायो ने लगातार तीसरी बार स्वर्ण जीता है। वहीं अंशु को पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में कोई पदक मिला है।

'भाजपा एक दिन देश के तिरंगे को भी बदल देना चाहती है'

श्रीनगर, 5 अगस्त (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीपुल्स डेमोक्रिटक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को यह कहकर नया विवाद खड़ा दिया कि आने वाले समय में केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी देश के तिरंगे को बदल देगी और संविधान को खत्म कर देगी। महबूबा मुफ्ती जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाये जाने के तीन वर्ष के मौके पर कार्यकर्ताओं के साथ विरोध प्रदर्शन करने के बाद यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें रैली नहीं निकालने दी। उन्होंने कहा, मैं देश के नागरिकों से कहना चाहती हूं कि आने वाले दिनों में भाजपा देश के संविधान को खत्म कर देगी।

उन्होंने कहा, वे लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता पर आधारित संविधान को खत्म कर देंगे और इसे एक धार्मिक देश बना देंगे। वे इस तिरंगे को भी बदल देंगे जिसे आप बहुत गौरव के साथ फहराते हैं। अगर भारत आज नहीं जगा तो बहुत कुछ खो जायेगा। कुछ नहीं बचेगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, वे उसी तरह से इस मुल्क के संविधान और तिरंगे को बदलेंगे जिस तरह से जम्मू-कश्मीर का संविधान और झंडा छीना था। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने यह कसम खाई है कि जो उनसे पांच अगस्त 2019 को छीना गया था उसे वापस लेंगे। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हमने न केवल अपना झंडा और संविधान वापस लेने का संकल्प लिया है, बल्कि उन्हें कश्मीर मुद्दे को हल करने के लिए मजबूर करने का भी, जिसके लिए लाखों लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी है।

- **जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को यह कहकर केन्द्रीय सरकार और भाजपा पर बहुत संगीन आरोप लगाया**
- **पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, वो उसी तरह से इस मुल्क के संविधान और तिरंगे को बदलेंगे जिस तरह से जम्मू-कश्मीर का संविधान और झण्डा छीना था।**

महबूबा ने कहा कि पांच अगस्त न केवल जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए बल्कि पूरे देश के लिए 'काला दिन' था। इससे पहले दिन में, उन्होंने इस बात का ,खंडन किया कि जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति है। उन्होंने कहा,जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा के दुर्भावनापूर्ण इरादों का खुलासा हो गया है, दमन और डर का पैटर्न अब देश के बाकी हिस्सों में भी दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। अपनी 'पालतू एजेंसियों' को हथियार देना और असंतोष को दबाने के लिए कड़े कानूनों का इस्तेमाल करना आदर्श बन गया है।

उन्होंने कहा,आपकी चुप्पी और मिलीभगत ने भारत सरकार को कहर बरपाने के लिए प्रोत्साहित किया। आज वे भारतीय लोकतंत्र का समर्थन करने वाले हर स्तंभ को तोड़कर उसे कुचल रहे हैं।

भाजपा का जम्मू-कश्मीर का तथाकथित एकीकरण जो कभी नहीं हुआ, हमें भारी कीमत चुकानी पड़ी है। जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है। सामान्य स्थिति का मुखौटा उतना ही सच है जितना 'सबका साथ, सबका विकास'।

क्या सुनक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अंत में प्रश्न किया, ''क्या कृपया वास्तविक लिज़ खड़ी होंगी?''

इससे पहले भी जब सोमवार को उनकी प्रचार अभियान टीम ने एक नुकसानदायक बयान दिया था तब भी ट्रस को यू-टर्न लेने को बाध्य होना पड़ा था। उनकी टीम ने कहा था कि सरकार यदि निवासरत सार्वजनिक क्षेत्र के उन कर्मचारियों, जो लंदन के बाहर रहते हैं, को कम वेतन देती तो वह 8.8 बिलियन पाउण्ड (10.75 बिलियन डॉलर) प्रति वर्ष बचा सकती है।

बर्ली ने नीतियों पर लिए गए उनके यू-टर्न्स की लिस्ट बताते हुए कहा कि ''आप उन क्षेत्रों के सरकारी कर्मचारियों का वेतन कम करना चाहती थीं और फिर आप कहती हैं कि आप ऐसा नहीं चाहती थीं।'' ट्रस ने जोर देकर कहा कि मीडिया ने इस प्रस्ताव का गलत अर्थ निकाला।

यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के तुरंत बाद दिए गए ट्रस के बयान को भी बर्ली ने चुनौती दी। ट्रस ने कहा था कि वे ब्रिटिश लोगों के यूक्रेन के पक्ष में लड़ने की पक्ष धर हैं। लेकिन ब्रिटिश लड़ाके उसके बाद से बंदी बनाए जाते रहे हैं और उन पर भाड़े के सैनिक होने का आरोपी बनाया गया है। इसके अलावा यूक्रेन के अलगाववादी क्षेत्र डोनेट्स्क उन पर मृत्युदण्ड का खतरा मंडरा रहा है। ट्रस ने जोर देकर कहा कि हमेशा से यहां ट्रैवल एडवाइस थी कि ब्रिटिश लोगों को यूक्रेन नहीं जाना चाहिए। सुनक को भी कठोर प्रश्नों का सामना करना पड़ा, जिनमें से एक सवाल डिज़ाइनर जूतों के शौक से संबंधित था।

'कांग्रेस ने काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन के लिए 5 अगस्त का दिन ही क्यों चुना'

अमित शाह ने कहा कि, कांग्रेस का यह विरोध असल में रामजन्मभूमि शिलान्यास व जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाने का विरोध है

नई दिल्ली, 5 अगस्त। गृहमंत्री अमित शाह ने देशभर में कांग्रेस के प्रदर्शन का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि आखिर कांग्रेस ने प्रदर्शन के लिए आज का ही दिन क्यों चुना?

उन्होंने कहा कि आखिर प्रदर्शन के लिए काले कपड़े क्यों पहने गए? उन्होंने कहा कि पिछले साल आज के ही दिन प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में श्रीरामजन्म भूमि पर मंदिर का शिलान्यास किया था।

आज के दिन तो जश्न मनाया जाना चाहिए था, लेकिन कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राह पर चलते हुए आज के दिन विरोध प्रदर्शन किया। अमित शाह ने कांग्रेस द्वारा आज के दिन काले कपड़ों में प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अभी तक तो रोज सामान्य कपड़ों में प्रदर्शन किया जा रहा था। आज आखिर काले कपड़ों में प्रदर्शन क्यों किया गया? उन्होंने कहा कि कांग्रेस सबसे लंबे समय तक सत्ता में रही, लेकिन उसने राम मंदिर का विवाद नहीं सुलझाया। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने 500 साल पुराने इस विवाद का पटाक्षेप करते हुए आज के ही दिन अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास किया था।

- **अमित शाह ने कहा कि, इतनी जगह शिकस्त खाने के बाद भी तुष्टिकरण नहीं छोड़ रही है कांग्रेस उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि इस प्रदर्शन के जरिए कांग्रेस ने सीक्रेट रूप से हिन्दुत्व के विरोध एवं तुष्टिकरण का अपना एजेण्डा आगे बढ़ाया है।**
- **उन्होंने कहा कि कांग्रेस सबसे लंबे समय तक सत्ता में रही, लेकिन उसने राम मंदिर का विवाद नहीं सुलझाया। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने 500 साल पुराने इस विवाद का पटाक्षेप करते हुए आज के ही दिन अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास किया था।**

अमित शाह ने कहा कि इतनी जगह शिकस्त खाने के बाद भी तुष्टिकरण नहीं छोड़ रही है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि इस प्रदर्शन के जरिए कांग्रेस ने सीक्रेट रूप से अपना तुष्टिकरण का एजेंडा आगे बढ़ाया है। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि मैं बता देना चाहता हूं कि तुष्टिकरण की नीति न देश के लिए अच्छी न कांग्रेस के लिए अच्छी। वहीं ई.डी. की कार्रवाई पर अमित शाह ने कहा कि सभी को देश के कानून का पूरी तरह से सम्मान करना चाहिए।

ममता बनर्जी का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनसे विचार विमर्श नहीं किया था। जहां टी.आर.एस. और जे.एम.एम. ने सोनिया और राहुल गांधी को ई.डी. द्वारा तलब किए जाने की मर्त्सना की हैं, वहीं पश्चिम बंगाल के स्वयं केन्द्रीय जांच एजेंसियों से गले तक भर जाने के बावजूद टी.एम.सी. ने ई.डी. की आलोचना से दूरी बना रखी है। यह संभव माना जा रहा है कि बनर्जी, आप नेता अरविंद केजरीवाल जैसे विपक्ष के नेताओं से शनिवार को मुलाकात करेंगी, लेकिन सोनिया का राहुल गांधी के साथ उनकी कोई मीटिंग तय नहीं हैं।

'प्रजातंत्र अब केवल एक याद बन कर रह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि जनता के मुद्दे उठाये ही नहीं जाते।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह तानाशाही ''दो बड़े व्यवसायियों के हित में, दो व्यक्तियों द्वारा चलाई जा रही हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपील की कि हर आदमी आगे बढ़कर सरकार से सवाल करे।

गांधी ने कहा कि विपक्ष लोकतन्त्र की ताकत के आधार पर, लोकतंत्र की खातिर लड़ रहा है।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''सारी संस्थाएं सरकार का पूरी तरह समर्थन एवं सहयोग'' कर रही हैं। भारत की हर संस्था आर.एस.एस. के नियन्त्रण में हैं। संख्याएं स्वतन्त्र नहीं रही हैं। हमारी लड़ाई किसी पार्टी से नहीं है। आज हम उस पूरे इन्फ्रास्ट्रक्चर से लड़ रहे हें, जो एक पार्टी के साथ खड़ा हो गया हैं। आर्थिक व्यवस्था भाजपा आर.एस. एस. का एकाधिकार हैं, संस्थानिक रूप से उनका एकाधिकार है। यही कारण है कि विपक्ष विक्षुब्ध है लेकिन वह क्षोभ बहुत प्रभावी तरीके से बाहर नहीं आ पा रहा।''

गांधी ने कहा कि मँहगाई एक वास्तविकता है लेकिन इसे लेकर एक भिन्न सोच एवं अवधारणा पैदा की जा रही है।

गांधी ने पूछा, ''भारत में स्टार्टअप्स कहाँ हैं?''

उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स अपने कार्यकारियों को निकाल रहे हैं।

गांधी ने आगे कहा, ''कोविड़ के दौरान लाखों लोग मर गये, लेकिन सरकार कह रही है कि यह असत्य है। कीमतें बढ़ रही हैं लेकिन सरकार इस बात से इनकार कर ही है। बरोजगारी बढ़ रही है लेकिन सरकार इस तथ्यों को स्वीकार नहीं करती। सारा प्रचार एवं संचार तन्त्र सरकार के हाथों में है।''

गांधी ने कहा, '' मैं जितना ज्यादा सच कहूँगा, मुझ पर उतना ही ज्यादा हमला होगा। मेरे साथ समस्या यह है कि मैं सच्ची बात कहता हूँ और डरता नहीं हूँ। मैं मूलभूत मुद्दों को उठाने का अपना काम करता रहूँगा। मैं अपने काम को जारी रखूँगा।''

गांधी ने कहा कि डर वे रहे हैं, जो धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कहा, ''वे जनता की ताकत से डरते हैं। वे इसलिये डर रहे हैं क्योंकि वे 24 घण्टे झूठ बोलते हैं, कोई महँगाई नही है, कोई बरोजगारी नहीं हैं, कोई चीनी हमले नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि उन पर होने वाले बढ़ते जायेंगे, क्योंकि वे (राहुल) जनता के मुद्दों को उठाते हैं।

गांधी ने कहा, ''मुझे यह अच्छा लगता है जब मेरे राजनैतिक विरोधी मुझ पर हमले करते हैं तो मुझे बड़ी खुशी मिलती है क्योंकि मैं अपनी विचारधारा की ताकत को समझता हूँ, अपने युद्ध क्षेत्र की ताकत को समझता हूँ और यह समझता हूँ कि यह लड़ाई क्यों लड़ी जा रही है।''

इसी बीच, कांग्रेस के नेताओं ने महँगाई के खिलाफ प्रधानमंत्री निवास तक की अपनी पद यात्रा शुरू कर दी। इसके बाद, पार्टी सांसद राष्ट्रपति भवन तक पैदल जायेंगे।

राहुल ने कहा, ''तथ्य यह है कि भारत में लोकतन्त्र एक स्मृति मात्र बन गया है। इसके परिणाम सामने आयेंगे। जब लोग उठते हैं तो परिणाम सामने आते हैं। आप मुझसे जो सवाल पूछना चाहें, पूछिये। हर व्यक्ति को मालूम है कि (ई.डी.) की सच्चाई क्या है। मैं आर.एस.एस. से प्रश्न पूछना चाहता हूँ। अगर आप (आर.एस.एस.) मुझ पर हमला करेंगे, तो मुझे खुशी होगी क्योंकि इस तरीके से इस युद्ध क्षेत्र को और ज्यादा और बेहतर समझ सकूँगा।

उन्होंने कहा, ''वे गांधी परिवार पर हमले क्यों करते हैं?'' क्योंकि हम लोकतन्त्र और समरसता के लिये लड़ते हैं और हम सालों से लड़ते आ रहे हैं। मेरे परिवार के सदस्यों ने अपने जीवन कुर्बान कर दिये। जब भारत को हिन्दू-मुसलमान के आधार पर बाँटा जाता है तो हम आहत होते हैं। जब किसी पर, दलित होने के कारण, हमला होता है तो हम दुखी होते हैं। हम एक परिवार माम नहीं हैं, हम एक विचारधारा हैं।''

''हिटलर भी चुनाव जीता करता था। पूरा संस्थानिक ढाँचा उसके साथ था। मुझे इन संस्थाओं पर अधिकार दे दीजिये तो मैं आपको दिखा दूँगा कि चुनाव कैसे जीते जाते हैं।''

इसके बाद, काले वस्त्र पहने हुये, कांग्रेस नेता महँगाई एवं बेरोजगारी के खिलाफ सड़कों पर आ गये। उनके साथ राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी भी थे। उन सबकों संसद और ए.आई.सी.सी. मुख्यालय के बाहर नाटकीय गतिरोध के बीच, पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

कांग्रेस सांसदों, जिनमें राहुल गांधी भी शामिल थे, ने संसद-भवन परिसर में विरोध-प्रदर्शन किया तथा उसके बाद, महँगाई, अत्यावश्यक सामानों पर जी.एस.टी. बढ़ाये जाने तथा बेरोजगारी के खिलाफ कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी आन्दोलन के एक हिस्से के रूप में, ये सब लोग पद यात्रा करते हुये राष्ट्रपति भवन की ओर बढ़ गये।

प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सांसद सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे तथा माँग कर रहे थे कि अत्यावश्यक वस्तुओं पर बढ़ाई गई जी.एस.टी. वापस ली जाये। पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी पार्टी की महिला सांसदों के साथ अपने हाथों में बैनर लिये संसद के गेट नम्बर 1 के बाहर खड़ी हुई थी।

लेकिन इन प्रदर्शनकारियों को दिल्ली पुलिस ने रोक दिया तथा राष्ट्रपति भवन की तरफ नहीं बढ़ने दिया। सोनिया गांधी ने पद यात्रा में भाग नहीं लिया। अन्य सांसदों को दिल्ली पुलिस ने विजय चौक पर गिरफ्तार कर लिया।

पार्टी सूत्रों ने कहा कि गिरफ्तार किये गय 64 सांसदों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता के सी वेणुगोपाल, अधीर रंजन चौधरी तथा गौरव गोगाई भी शालि थे। गिरफ्तारी के बाद पुलिस इन लोगों को विजय चौक से पुलिस बसों में ले गई।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908